बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
रविवार 20 जुलाई 2025
श्रावण कृष्ण 10 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 295
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

गरीब रथ के इंजन में लगी आग

रायपुर मारवाड। राजस्थान में गरीब रथ एक्सप्रेस (12216) के इंजन में अचानक आग लग गई। हादसा शनिवार सुबह 3 बजे सेंदड़ा (ब्यावर) रेलवे स्टेशन से गुजरने के दौरान हुआ। आग लगने की सूचना मिलते ही अफरा-तफरी मच गई। लोको पायलट को इंजन के दूसरे हिस्से में धुआं दिखाई दिया था। इसके बाद तुरंत ट्रेन को रोककर पैसेंजर्स को उतारा गया। हादसे की जानकारी तुरंत अजमेर में अधिकारियों को दी गई। वहीं, दूसरी ट्रेनों को कम स्पीड से निकाला गया। गरीब रथ के इंजन धुआं निकलने के कुछ सेकेंड बाद आग लग गई। उस वक्त ट्रेन सेंदड़ा स्टेशन से करीब 200 मीटर दूर थी। लोको पायलट तुरंत वहीं ब्रेक लगा दिए। स्टेशन मास्टर को इंफॉर्म करने के बाद सबसे पहले ट्रेन कोच और इंजन को अलग किया गया।

कार टकराई, 4 दोस्त जिंदा जले...

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के आतुरगांव में एक कार पुल से जा टकराई, हादसे में 4 दोस्त जिंदा जल गए। 18 जुलाई की रात 1 बजे नेशनल हाईवे 30 पर यह हादसा हुआ। स्विफ्ट डिजायर कार में 6 युवक सवार थे, इनमें 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है सभी मूरवेंड से कांकेर की तरफ जा रहे थे। आतुरगांव के पास पुल निर्माण के कारण सडक़ डायवर्ट की गई है। तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर कार को नियंत्रित नहीं कर सका और पुल की रेलिंग से टकरा गई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई। वहीं, युवकों के नशे में होने की भी बात सामने आई है।

तेलुगु एक्टर फिश वेंकट का निधन

हैदराबाद। तेलुगु एक्टर और कॉमेडियन फिश वेंकट का हैदराबाद के एक अस्पताल में निधन हो गया। मंगलमपल्ली वेंकट राज जिन्हें फिश वेंकट के नाम से जाना था, वह 53 साल के थे। 123 तेलुगु की रिपोर्ट के मुताबिक, वेंकट कई महीनों से किडनी से जुड़ी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे। हालत बिगडऩे के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने तत्काल किडनी ट्रांसप्लांट की सलाह दी थी। इलाज के दौरान उन्हें डायलिसिस और वेंटिलेटर पर भी रखा गया, लेकिन तबीयत में सुधार नहीं हुआ।

मजीठिया की हिरासत 2 अगस्त तक बढ़ी

अमृतसर। पंजाब में आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तार शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया की न्यायिक हिरासत आज समाप्त हो गई है, जिसके चलते उन्हें मोहाली कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मजीठिया की न्यायिक हिरासत 2 अगस्त तक बढ़ा दी है। वहीं, दूसरी तरफ बिक्रम मजीठिया के खिलाफ एसआईटी और विजिलेंस विभाग की संयुक्त कार्रवाई में चंडीगढ़-दिल्ली स्थित उनके कई ठिकानों पर छापेमारी की गई। चंडीगढ़ के अलावा दिल्ली स्थित सैनिक फॉर्म में भी विजिलेंस की टीम ने रेड डाली है। जिसे मजीठिया की कथित बेनामी संपत्ति बताया जा रहा है।

सबसे वजनदार 5 किलो 430 ग्राम के बच्चे का जन्म

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में प्रकाश चंद सेठी अस्पताल में शुक्रवार की दोपहर एक महिला ने 5 किलो 430 ग्राम के बच्चे को जन्म दिया है। इस बच्चे की मां का नाम रीता पति नंदकिशोर है।

अजमेर में भारी बारिश, घरों में पानी भरा, लोग बहे, 6 जिलों में स्कूल बंद, 4 दिन में 23 की मौत

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में डिप्रेशन सिस्टम एक्टिव होने से राजस्थान के 6 जिले- जोधपुर, नागौर, पाली, अजमेर, सिरोही, जालोर में भारी बारिश हो रही है। शनिवार को अजमेर और टोंक में बाढ़ जैसे हालात हैं। कई इलाकों में पानी भर गया है। शनिवार को कोटा, बारां, झालावाड़, अजमेर, बूंदी, राजसमंद और नागौर के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। अजमेर के दरगाह बाजार इलाके में शुक्रवार की रात तेज बारिश से कई लोग बह गए। वहीं मप्र में ग्वालियर, छतरपुर, पन्ना समेत 16 जिलों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। राजस्थान में मानसून के इस सीजन में अब तक औसत से 109 फीसदी ज्यादा बरसात हो चुकी है। राजसमंद में तालाब फूटने (बांध टूटने) से 3 स्कूली बच्चों सहित 7 लोग पानी के बहाव में फंस गए। जोधपुर के अरना-झरना क्षेत्र में डूबने से युवक की मौत हो गई। सीकर में 13 साल के बच्चे की डूबने से मौत हो गई। राजस्थान में बारिश से हुए हादसों में बीते चार दिन में 23 लोगों की जान गई है।

मप्र में भी बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से शनिवार को ग्वालियर, छतरपुर, पन्ना समेत 16 जिलों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। शिवपुरी में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। इसके अलावा मुरैना, श्योपुर समेत 14 जिलों में शनिवार को 4 इंच से ज्यादा बारिश हो सकती है। उत्तर प्रदेश में भी नदी-नाले उफान पर हैं। काशी में गंगा के साथ वरुणा नदी में बाढ़ आ गई है। इसके किनारे डेंजर जोन में आने वाले करीब 30 हजार घरों पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। बाढ़ का पानी आने से पहले ही लोगों ने पलायन की तैयारी शुरू दी है। इस सीजन में देशभर में अब तक सामान्य से 9 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। हरियाणा, ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात और दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव बहुत ज्यादा बारिश वाले राज्य हैं। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 1 जून से 16 जुलाई तक देश में 331.9 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है। यह सामान्य 304.2 एमएम से करीब 9 प्रतिशत ज्यादा है।

मप्र में 16 जिलों में बाढ़ का खतरा

216 करोड़ का पीडब्ल्यूडी प्लान फेल

राजधानी भोपाल सहित पूरे प्रदेश की सडक़ों की हालत इस मानसून में बद से बदतर हो गई है। लोक निर्माण विभाग ने 216 करोड़ रुपये के मेगा प्लान के तहत व्हाइट टॉपिंग, नाली निर्माण, और सडक़ सरफेसिंग का दावा किया था, लेकिन पहली ही बारिश ने इस प्लान की पोल खोल दी। भोपाल की कोई भी सडक़ ऐसी नहीं बची, जहां गड्ढे और जलभराव ने जनता का जीना मुहाल न किया हो। लोक निर्माण विभाग ने अप्रैल में भोपाल की सडक़ों को बारिश से बचाने के लिए 216 करोड़ रुपये का प्लान तैयार किया था। इस योजना के तहत 27 प्रमुख सडक़ों पर व्हाइट टॉपिंग (कंक्रीट की परत), नाली निर्माण, और सडक़ सरफेसिंग का काम होना था। दावा था कि यह तकनीक सडक़ों को टिकाऊ बनाएगी और बारिश में गड्ढे नहीं बनेंगे। लेकिन बारिश ने इस प्लान की धज्जियां उड़ा दीं। हमीदिया रोड, रायसेन रोड, भारत टॉकीज, अशोका गार्डन, और रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने की सडक़ों पर गड्ढों और जलभराव ने जनता को परेशान कर दिया।

कहां-कहां खर्च हुए 216 करोड़

लोक निर्माण की योजना के तहत भोपाल की जिन सडक़ों पर काम किया गया, उनमें से सभी की हालत खराब है। योजना के तहत हबीबगंज नाका से रायसेन रोड पर 4.40 करोड़ रुपये, सूरज नगर से विशन खेड़ी मार्ग पर 3.80 करोड़ रुपये, भोपाल-चिकलोद मार्ग पर 5.70 करोड़ रुपये, कालीपरेड मार्ग पर 1.20 करोड़ रुपये, भारत टॉकीज चौराहे से रेलवे क्रॉसिंग पर 2.50 करोड़ रुपये, लिली टॉकीज चौराहे से भदभदा सेतु पर 7.60 करोड़ रुपये, लिंक रोड नंबर 1 पर 3.15 करोड़ रुपये और लिंक रोड नंबर 3 पर 1.74 करोड़ रुपये खर्च किए गए। लेकिन अब ये खडक़ें खराब हो चुकी हैं। इनके अलावा, करोंद मंडी पेट्रोल पंप, अशोका गार्डन थाने से सेमरा रोड, सिंधी कॉलोनी चौराहा, डीआईजी बंगला चौराहा से यूनियन कार्बाइड रोड, बैरसिया रोड, करोंद से लामाखेड़ा रोड, कोकता बायपास रोड, सैफिया कॉलेज रोड, हलालपुरा बस स्टैंड रोड, ललिता नगर, अयोध्या नगर, और मिनल रेशिडेंसी की सडक़ों पर भी गड्ढों और जलभराव की स्थिति बनी हुई है।

पूरे प्रदेश में सैकड़ों पुल-पुलिया हुईं जर्जर

मप्र में सरकार का सबसे अधिक फोकस सडक़ निर्माण पर रहता है। लेकिन इस साल मानसून की एक महीने की बारिश में करीब 3200 किमी सडक़ें खराब हो गई हैं। राजधानी भोपाल हो या प्रदेश का कोई भी क्षेत्र बारिश की पहली बूंदों में सडक़ों का विकास इस कदर बह गया है कि अब सडक़ों पर गड्ढे ही गड्ढे नजर आ रहे हैं। कई जगह तो सडक़ें इस कदर धंस गई हैं कि उनमें कार हो या बस इसमें फंस रहे हैं। वहीं प्रदेशभर में सैकड़ों पुल-पुलिया जर्जर हो चुकी हैं।

प्रदेश में वर्तमान में लोक निर्माण विभाग का हजारों किमी लंबा सडक़ नेटवर्क क्रियाशील है। अधिकारियों के अनुसार विभाग के अधीन कुल 80775 किलोमीटर लंबाई की सडक़ें हैं। इनमें 9315 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग यानि एनएच और 11389 किमी लंबे राज्य राजमार्ग यानि स्टेट हाईवे शामिल हैं। पीडब्लूडी के अधीन 25639 किमी लंबाई की मुख्य जिला सडक़ें तथा 34432 किमी के अन्य जिला मार्ग भी हैं। विभागीय जानकारी के अनुसार इन सडक़ों में से 3200 किमी इस बार बारिश में खराब हो गईं। ये सडक़ें लोक निर्माण विभाग, मप्र सडक़ विकास निगम और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की हैं। खास बात यह है कि साल भर पहले ही बनी सडक़े भी खराब हो गई है। सडक़ों पर कई बड़े-छोटे गड्ढे हो गए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर, ट्रम्प के दावों पर कांग्रेस के 3 सवाल, जयराम बोले

हमें संसद में पीएम से जवाब चाहिए, कोई सब्स्टीट्यूट बल्लेबाज नहीं चलेगा

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान जंग पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दावों पर कांग्रेस ने शनिवार को केंद्र सरकार से 3 सवाल किए हैं। पहला- क्या ट्रम्प ने वाकई सीजफायर रुकवाई, वे इसका 24 बार जिक्र कर चुके हैं। दूसरा- क्या ट्रम्प ने व्यापार की धमकी देकर जंग रुकवाई, तीसरा- जंग में 5 लड़ाकू विमान किसके गिरे।

दरअसल, ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सांसदों के साथ डिनर के दौरान दावा किया कि मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष में सच में 5 जेट गिरे थे। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि ये विमान किस देश के गिरे थे। कांग्रेस ट्रम्प के इन्हीं दावों पर मानसून सत्र में केंद्र सरकार से जवाब चाहती है। मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस मुद्दे पर हंगामे के आसार हैं।

संसद में पीएम से ही जवाब चाहिए

संसद शुरू होने वाली है और प्रधानमंत्री को अपनी चुप्पी तोडनी चाहिए। कोई और नेता नहीं चलेगा। कांग्रेस और पूरा विपक्ष विशेष चर्चा की मांग करेगा और प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए। हमें कोई सब्स्टीट्यूट बल्लेबाज नहीं चाहिए। केवल प्रधानमंत्री को ही जवाब देना होगा। पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की लंबे समय से दोस्ती रही है। फिर चाहे सितंबर 2019 में हाउडी मोदी और फरवरी 2020 में नमस्ते ट्रम्प का आयोजन हो, दोनों का गले मिलने का रिश्ता रहा है। अब पीएम मोदी को संसद में खुद बयान देना होगा।

मोदी ने भारत की गरिमा से समझौता किया

प्रधानमंत्री जी, अब अपनी चुप्पी तोड़िए। ट्रम्प बार-बार इशारा कर रहे हैं कि व्यापार रोकने की धमकी के चलते प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की गरिमा से समझौता किया है, लेकिन 56 इंच के सीने का दावा करने वाले नरेंद्र मोदी के मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला है।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला,

मेक इन इंडिया' के नाम पर हम सिर्फ असेंबली कर रहे

नई दिल्ली। भारत को असेंबली लाइन से आगे निकलकर एक सच्ची विनिर्माण शक्ति बनाने के लिए ज़मीनी स्तर पर बदलाव की ज़रूरत पर ज़ोर देकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि मेक इन इंडिया के नाम पर भारत सिर्फ उत्पादों की असेंबली कर रहा है, उनका सही मायने में निर्माण नहीं किया जा रहा है। राहुल गांधी ने पोस्ट में कहा कि भारत में बनने वाले ज़्यादातर टीवी के 80 प्रतिशत कलपुर्जे चीन से आते हैं। उन्होंने बताया कि नीति और समर्थन की कमी, भारी कर और निगमों का एकाधिकार, उन छोटे उद्यमियों को रोक रहे हैं जो विनिर्माण करना चाहते हैं। राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर सवाल उठाकर कहा कि मेक इन इंडिया' के नाम पर हम सिर्फ असेंबली कर रहे हैं, असली मैन्युफैक्चरिंग नहीं। आईफोन से लेकर टीवी तक के पुर्ज़े विदेश से आते हैं, हम बस जोड़ते हैं। छोटे उद्यमी निर्माण करना चाहते हैं, लेकिन न नीति है, न सपोर्ट। उल्टा, भारी टैक्स और चुने हुए कॉरपोरेट्स का एकाधिकार, जो कि देश के उद्योग को जकड़ रखा है। जब तक भारत उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं बनता, रोज़गार, विकास और मेक इन इंडिया की बातें सिर्फ भाषण रहेंगी।

आप की महिला विधायक का इस्तीफा

पंजाब। पंजाब में आम आदमी पार्टी की महिला विधायक अनमोल गगन मान ने शनिवार को विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने एक्स पर लिखा किमेरा दिल भारी है, लेकिन मैंने राजनीति छोडऩे का फैसला कर लिया है। स्पीकर से अनुरोध है कि मेरा इस्तीफा स्वीकार किया जाए। मेरी शुभकामनाएं पार्टी के साथ हैं। मुझे उम्मीद है कि पंजाब सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी उतरेगी। अनमोल गगन मान मशहूर पंजाबी सिंगर हैं। 2022 विधानसभा चुनाव में वह मोहाली की खरड़ विधानसभा सीट से आप विधायक बनी थीं। चुनाव जीतने के बाद उन्हें पर्यटन व संस्कृति मंत्री बनाया गया। हालांकि, 2024 में फेरबदल के बाद उनकी मंत्रिमंडल से छुट्टी हो गई थी। पिछले कुछ समय से वह राजनीतिक गतिविधियों से दूर थीं।

दिल्ली के जैन मंदिर में बुलडोजर चला

जैन समाज में जबरदस्त आक्रोश

नई दिल्ली। 19 जुलाई को राजधानी दिल्ली के शालीमार विधानसभा क्षेत्र में स्थित एक प्राचीन जैन मंदिर पर जिला प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर 5 फीट ऊंची दीवार को तोड़ दिया। जिला प्रशासन द्वारा ना तो कोई नोटिस जारी किया। बिना किसी सुनवाई के दिल्ली प्रशासन ने यह तोड़फोड़ की है। इस मंदिर में दो बार चोरी की घटनाएं हो चुकी है। स्थानीय पुलिस चोरों को पकड़ने में नाकाम रही है।इसके पहले मुंबई के विले पार्ले में जैन मंदिर को बुलडोजर से तोड़ा गया था। उससे देश भर में आक्रोश फैल गया था। अब देश की राजधानी दिल्ली में जैन मंदिर को तोड़ा गया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री इस विधानसभा क्षेत्र से प्रतिनिधित्व करती हैं। स्थानीय जैन समाज और दिल्ली की समाज आक्रोशित है। बिना सूचना दिए मंदिर की दीवार को बुलडोजर से हटा दिया गया।150 से ज्यादा पुलिसकर्मी इस दीवार को तोड़ने के लिए भेजे गए थे। भय का वातावरण बनाया गया। महिलाओं के साथ अभद्रता की गई। जैन समाज की आस्था पर दिल्ली सरकार की इस कार्रवाई के बाद जबरदस्त रोष फ़ैल गया है। रविवार की सुबह जैन समाज ने एक बड़ा प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है।

इस घटना के बाद दिल्ली सरकार और दिल्ली प्रशासन पूरी तरह से मौन है। रेखा गुप्ता पहले यहीं से पार्षद थी। विधायक का चुनाव जीतकर वह मुख्यमंत्री बनी है। मुख्यमंत्री बनने के बाद जिस तरह से जैन मंदिर पर बुलडोजर चलाया गया है। उसको लेकर जैन समाज में बड़ा आक्रोश है।

निराधार और अपमानजनक रिपोर्टिंग पर फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स ने इन्हें दे दिया कानूनी नोटिस

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने द वॉल स्ट्रीट जर्नल और रॉयटर्स के खिलाफ कानूनी नोटिस जारी कर दिया है, इसमें एयर इंडिया फ्लाइट एआई-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के बारे में निराधार और अपमानजनक रिपोर्टिंग के लिए माफी और वापसी की मांग की गई है। विमान त्रासदी पर भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट से साफ होता है कि बोइंग विमान के दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच उड़ान भरने के तुरंत बाद 'रन' से 'कटऑफ' पर चले गए थे। कॉकपिट की आवाज़ों की रिकॉर्डिंग के अनुसार, एक पायलट ने पूछा कि ईंधन क्यों बंद कर दिया गया, दूसरे ने जवाब दिया कि ऐसा नहीं किया। एएआईबी की रिपोर्ट में नहीं बताया गया है कि स्विच किसने बंद किए, न ही किसी को दोषी ठहराया गया है।

हालांकि, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के साक्ष्य के प्रारंभिक आकलन से परिचित अज्ञात सूत्रों का हवाला देकर दावा किया कि कप्तान ने जानबूझकर ईंधन स्विच बंद किया था। रॉयटर्स की एक खबर में भी इसतरह का दावा किया गया था कि कप्तान की गलती थी। कानूनी नोटिस में दोनों आउटलेट्स से पूर्ण माफी और सुधार की मांग की गई है। एफआईपी के अध्यक्ष कैप्टन सीएस रंधावा ने कहा रिपोर्ट में कहीं भी यह उल्लेख नहीं किया गया है कि पायलट की गलती के कारण ईंधन नियंत्रण स्विच बंद हो गया था... उन्होंने रिपोर्ट को ठीक से नहीं पढ़ा है, और हम कार्रवाई कर रहे है।

एआईबी के महानिदेशक जी वी जी युगंधर ने कहा कि हमारे संज्ञान में आया है कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया का कुछ वर्ग बार-बार और चुनिंदा एवं असत्यापित रिपोर्ट के आधार पर निष्कर्ष निकालने में लगा हुआ है। इस तरह की कार्रवाई गैर-जिम्मेदाराना है, खासकर तब जब जांच जारी है। एएआईबी ने सभी संबंधित पक्षों से अंतिम जांच रिपोर्ट की प्रतीक्षा करने की अपील करते हुए कहा कि यह समय भारतीय विमानन उद्योग की सुरक्षा के प्रति जनता में चिंता या आक्रोश पैदा करने का नहीं है, विशेष रूप से निराधार तथ्यों के आधार पर।

महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन को लेकर रैली आज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिहार राज्य के बोधगया स्थित महाबोधि महाविहार को मुक्त करने और बीटी एक्ट 1949 अधिनियम को रद्द कर, ऐतिहासिक विश्व धरोहर को बौद्धो के सुपुर्द करने सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नगर में 10 जुलाई से सामाजिक बन्धुओ द्वारा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया गया है जो अब भी जारी है। जहां इस धरना प्रदर्शन को 10 दिन बीत चुके हैं, तो वहीं इसी मांग को लेकर धरना स्थल पर भदंत धम्म शिखर द्वारा शुरू की गई अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल को 7 दिन पूरे हो चुके हैं।बावजूद इसके भी अब तक बौद्ध अनुयायियों की एक भी मांग पूरी नहीं हो पाई है। जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति द्वारा नगर में एक भव्य रैली का आयोजन किए जाने का फैसला लिया गया है। जिसके अनुसार महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति के बैनर तले रविवार 20 जुलाई को नगर में महाबोधि महाविहार मुक्ति महा रैली निकाली जाएगी। जिसमें जिले भर के 1 हजार से अधिक बौद्ध अनुयायियों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। जिसकी तमाम जानकारी शनिवार को महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति पदाधिकारियो द्वारा पत्रकारों को दी गई है।

1 हजार से अधिक बौद्ध अनुयायी रैली में होंगे शामिल

रविवार को नगर में आयोजित इस महारैली में पूरे जिले से 1000 से अधिक सामाजिक बंधुओ के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। जिसकी रूपरेखा आयोजक मंडल द्वारा धरना स्थल पर एक बैठक का आयोजन कर बनाई गई है। बताया गया कि यह रैली धरना स्थल जनपद पंचायत बालाघाट कार्यालय के सामने से निकाली जाएगी, जो जय स्तंभ चौक, वहां से जिला अस्पताल होते हुए बस स्टैंड, वहां से कालीपुतली चौक ,वहां से पीजी कॉलेज के सामने से होती हुई यह रैली सीधे अंबेडकर चौक पहुंचेगी। जहां डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जय घोष किया जाएगा। जिसके उपरांत यहां रैली बीजेपी कार्यालय के सामने से होती हुई वापस जय स्तंभ चौक और वहां से वापस धरना स्थल पहुंचेगी जहां इस महा रैली का समापन किया जाएगा।जिसके पश्चात जिले भर से रैली में शामिल प्रमुख वक्ताओं द्वारा महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन को लेकर उद्बोधन कार्यक्रम होगा जो देर शाम तक चलेगा।

तमाम सत्यों व तत्थों के आधार पर बौद्धो के हक में आए फैसला- डोंगरे

पत्रकारो से की गई चर्चा के दौरान महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति महासचिव डॉ अशोक डोंगरे ने बताया कि अभी 29 जुलाई को महाबोधि महाविहार प्रबधंन को लेकर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आने वाला है।हमारा सिर्फ इतना निवेदन है कि तमाम सबूतों, तमाम सत्यों व तत्थों के आधार पर यह फैसला बौध्दों के हक में आए।

सर्व राजस्थानी महिला मंडल का हरियाली तीज महोत्सव 22 को

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सर्व राजस्थानी महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती ज्योति शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रति वर्ष के अनुसार इस वर्ष भी सर्व राजस्थानी महिला मंडल द्वारा हरियाली तीज महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।जिसके तहत महिलाओ के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।सावन माह में हरियाली तीज महोत्सव का कार्यक्रम 22 जुलाई दिन मंगलवार को भटेरा रोड़ स्थित एक होटल में दोपहर 2:30 बजे से शाम 6-30 बजे तक रखा गया है , जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम डांस, नाटक एवं गेम , कुछ सरप्राइज सवाल जवाब जैसे कार्यक्रमों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम होंगे।सर्व राजस्थानी महिला मंडल की अध्यक्ष ज्योति शर्मा सहित समस्त पदाधिकारियो, सदस्यों, कार्यकारिणी ने सर्व राजस्थानी समाज की सभी माता,बहनों, समाज की सखी सहेलियों तथा बच्चों से उक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर हरियाली तीज महोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करने की बात कही है।

बोल बम समिति उकवा द्वारा विशाल कांवड़ यात्रा 21 जुलाई को निकाली जाएगी

उकवा(पद्मेश न्यूज)। बोल बम समिति उकवा के द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सावन के इस पावन पर्व में 21जुलाई दिन सोमवार को रेंज ऑफिस चौक (उकवा) से बाबा मंडी धाम परसाटोला(दूरी लगभग 16किलोमीटर)के लिए विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।जिसमे ग्राम उकवा एवं आस पास के सभी ग्रामों के शिव भक्त सम्मिलित होकर भोले बाबा को जल अर्पित करने के लिए सुबह 6 बजे रेंज ऑफिस चौक शिव मंदिर में एकत्र होकर यात्रा का शुभारंभ करेंगे।समिति के आकाश अग्रवाल ,मनोज अग्रवाल, तरूण रावल, ऋषभ अग्रवाल,मुकेश गोयल,वैभव चौकसे,नेमी गौतम, सौरभ अग्रवाल, अनुज चौकसे एवं समस्त सदस्यों ने सभी भक्तजनों से उपस्थित होकर कावड यात्रा को सफल बनाने का आव्हान किया है।इस वर्ष का विशेष आकर्षण कांवड़ यात्रा के दौरान पहली बार बाबा भोले नाथ की झांकीया प्रस्तुत की जाएगी।उकवा रेंज ऑफिस चौक से बाबा के धाम बाबा मंडी तक भक्तों द्वारा जगह जगह जलपान की संपूर्ण व्यवस्था की गई है। झांकियों के साथ कांवड़ यात्रा में सम्मिलित होने वाले सभी भक्तो के लिए समिति द्वारा नि:शुल्क कांवड़ की भी व्यवस्था की गई है।जिसका प्रभार नेमी गौतम को दिया गया है भक्त उनसे संपर्क कर कांवड़ प्राप्त कर सकते हैं।कांवड़ यात्रा के समापन पर बाबा मंडी धाम परसाटोला में महा प्रसादी (भोजन)का आयोजन मनोज अग्रवाल ट्रांसपोर्टर उकवा के द्वारा सभी भक्तो के लिए किया गया है।

सिविल न्यायालय में फलदार, औषधिदार पौधो का किया वृक्षरोपण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी न्यायालय के परिसर में कार्यालय सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी के तत्वधान में वृक्षारोपण का आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम न्यायाधीशगण ,अभियोजन अधिकारी ,न्यायालयीन स्टॉफ की उपस्थिति में किया गया।जिसमें एक पेड़ माँ के नाम योजना के तहत फलदार ,औषधिदार, छायादार पौधो का रोपण न्यायलय परिसर में किया गया।वहीं उपस्थित जनों के द्वारा लोगों को वृक्षो का महत्व बताकर वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के संबंध में प्रभारी अधिकारी ऋतुराज कुमरे ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारी के निर्देश एवं शासन के आदेश अनुसार भोजन अवकाश के दौरान पौधारोपण वन विभाग के सहयोग से किया गया। वृक्षों की बहुत ज्यादा आवश्यकता है हर किसी को अपने विशेष अवसर पर वृक्षारोपण करना चाहिए । मौसम असंतुलित हो चुके हैं इसमें संतुलन बनाने के लिए हर किसी को वृक्षारोपण का प्रयास करना चाहिए।इस अवसर पर श्रीमती कविता इवनाती विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट, कमलेश मीणा प्रथम अतिरिक्त् सत्र न्यायाधीश, ऋ षभ डॉनल सिंह न्यायिक मजिस्ट्रेट ,सुश्री नेहा बाथरी न्यायिक मजिस्ट्रेट ,देवांश यादव न्यायिक मजिस्ट्रेट ,ऋतुराज कुमरे सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी, प्रणव राजनेगी,आर के दुबे,अमित अग्रवाल, मनीषा जायसवाल ,शानू मेश्राम, सोनल खरे ,दुर्गेश टेंभरे ,संतोष टांडेकर ,राकेश ठाकुर ,मनोज राउत ,संतोष मेश्राम, संजय कुशराम, श्रद्धानंद बघेल, रतिराम पडवार ,राहुल धुर्वे ,अनिल झारिया उपस्थित रहे।

शासकीय हाई स्कूल खरखड़ी में नेत्र शिविर का हुआ आयोजन

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शनिवार को शासकीय हाई स्कूल खरखड़ी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी से नेत्र विशेषज्ञ डॉ टी एस बिसेन के द्वारा कक्षा १० वीं एवं कक्षा नवमीं के ३२ विद्यार्थियों एवं शासकीय माध्यमिक शाला खरखड़ी के ११ विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण किया गया। डॉ टी एस बिसेन के द्वारा शासन की योजनानुसार जरूरतमंद बच्चों के लिए चश्मा बनवाने की प्रक्रिया को भी पूरा किया गया। ताकि छात्र छात्राओं को पढ़ाई.लिखाई में आंखों एवं मस्तिष्क संबंधित समस्या ना हों। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य मुकेश कुमार तिवारी, प्रभारी प्राचार्य धनेन्द्र मसखरे, शिक्षक लोकेश तिवारी, श्रीमती करिश्मा बिसेन, श्रीमती हीरा उईके, गजानंद तितरमारे, श्रीमती विश्वात्मा मेश्राम, इनोहर उक्के ,राधेश्याम लिल्हारे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जिले में अब तक 627 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड

वारासिवनी तहसील में सबसे अधिक 1000 मि.मी. एवं खैरलांजी तहसील में सबसे कम 275 मि.मी. वर्षा रिकार्ड

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। चालू वर्षा सत्र के दौरान बालाघाट जिले में 01 जून से 19 जुलाई 2025 तक 627 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 316 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वर्षा 1447 मिलीमीटर है। 19 जुलाई को प्रात- 08 बजे समाप्त हुए 24 घंटे के दौरान जिले में 05 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। कार्यालय अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 जुलाई को प्रात: 8-00 बजे समाप्त हुए 24 घंटे के दौरान बालाघाट तहसील में 00 मिलीमीटर, वारासिवनी में 22 मिलीमीटर, बैहर में 00 मिलीमीटर, लांजी में 00 मिलीमीटर, कटंगी में 02 मिलीमीटर, किरनापुर में 00 मिलीमीटर, खैरलांजी में 00 मिलीमीटर, लालबर्रा में 00 मिलीमीटर, बिरसा में 01 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 00 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी तहसील में 27 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। इस प्रकार जिले में बीते 24 घंटे में 05 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। चालू वर्ष सत्र में 01 जून से 19 जुलाई 2025 तक बालाघाट तहसील में 803 मिलीमीटर, वारासिवनी में 1000 मिलीमीटर, बैहर में 764 मिलीमीटर, लांजी में 338 मिलीमीटर, कटंगी में 626 मिलीमीटर, किरनापुर में 567 मिलीमीटर, खैरलांजी में 275 मिलीमीटर, लालबर्रा में 732 मिलीमीटर, बिरसा में 441 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 733 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी तहसील में 613 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है । इस प्रकार जिले में चालू वर्षा सत्र में अब तक कुल 627 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। चालू वर्ष सत्र में जिले में सबसे अधिक 1000 मिलीमीटर वर्षा वारासिवनी तहसील में और सबसे कम 275 मिलीमीटर वर्षा खैरलांजी तहसील में रिकॉर्ड की गई है। गत वर्ष इसी अवधि में बालाघाट तहसील में 364 मिलीमीटर, वारासिवनी में 421 मिलीमीटर, बैहर में 404 मिलीमीटर, लांजी में 197 मिलीमीटर, कटंगी में 263 मिलीमीटर, किरनापुर में 217 मिलीमीटर, खैरलांजी में 153 मिलीमीटर, लालबर्रा में 300 मिलीमीटर, बिरसा में 346 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 466 मिलीमीटर और तिरोड़ी तहसील में 349 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी।

अटल पेंशन योजना में मप्र के 10 जिले टॉप टेन में

बालाघाट देश में अटल पेंशन योजना में पहले स्थान पर

भोपाल। देश में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को 60 वर्ष की आयु के बाद एक निश्चित पेंशन राशि प्रदान करने के लिए अटल पेंशन योजना चलाई जा रही है। योजना में अधिक से अधिक असंगठित क्षेत्र के लोगों को जोडऩे के लिए केन्द्र सरकार द्वारा इस वर्ष 1 मई से 15 जुलाई तक पूरे देश में विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में नए लोगों को जोडऩे और उनका पंजीयन कराने में मध्यप्रदेश के 10 जिलों ने देश के टॉप टेन जिलों में स्थान बनाया है। इसमें बालाघाट जिले ने देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि राज्य के साथ ही बालाघाट के लिए भी बड़ी उपलब्धि है। इस अभियान का फाइनल स्कोर पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण के द्वारा 18 जुलाई को जारी किया गया।

इस अभियान में बालाघाट जिले ने 2992 लक्ष्य के विरूद्ध 12 हजार 507 लोगों को अटल पेंशन योजना से जोडक़र 418 प्रतिशत उपलब्धि हासिल किया है। श्योपुर जिले ने 836 के विरूद्ध 2538 लोगों को जोडक़र 304 प्रतिशत उपलब्धि के साथ दूसरे, अलीराजपुर जिले ने 880 के विरूद्ध 1705 लोगों को जोडक़र 194 प्रतिशत उपलब्धि के साथ तीसरे, उज्जैन जिले ने 5676 के विरूद्ध 10813 लोगों को जोडक़र 191 प्रतिशत उपलब्धि के साथ चौथे, अनूपपुर जिले ने 1342 के विरूद्ध 2542 लोगों को जोडक़र 189 प्रतिशत उपलब्धि के साथ पांचवे, उमरिया जिले ने 990 के विरूद्ध 1819 लोगों को जोडक़र 184 प्रतिशत उपलब्धि के साथ छटवें, छिंदवाड़ा जिले ने 4994 के विरूद्ध 9148 लोगों को जोडक़र 183 प्रतिशत उपलब्धि के साथ सातवें, डिंडोरी जिले ने 946 के विरूद्ध 1720 लोगों को जोडक़र 182 प्रतिशत उपलब्धि के साथ आठवें, शहडोल जिले ने 1936 के विरूद्ध 3445 लोगों को जोडक़र 178 प्रतिशत उपलब्धि के साथ नौवें और दमोह जिले ने 1870 के विरूद्ध 3314 लोगों को जोडक़र 177 प्रतिशत उपलब्धि के साथ देश में दसवां स्थान हासिल किया है। अभियान के अंतर्गत अटल पेंशन योजना में अधिक से अधिक लोगों के नाम जोडऩे मे देश में प्रथम 10 स्थान पर रहे इन जिलों को अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस प्रदान किया जाएगा।

बालाघाट जिला प्रशासन का उल्लेखनीय काम

बालाघाट जिले में कलेक्टर मृणाल मीणा के नेतृत्व एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ के साथ समन्वय कर इस योजना में लोगों को जोडऩे के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अग्रणी बैंक प्रबंधक संजीव कुमार ने इस संबंध में बताया कि सम्पूर्ण देश में अटल पेंशन योजना में अधिक से अधिक लोगों को जोडऩे के लिए विशेष अभियान चलाया गया। बालाघाट जिले में अभियान के बाद भी जिले में पात्र लोगों को इस योजना से जोडऩे का काम निरंतर जारी रहेगा और 50 हजार के लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास किया जाएगा। अटल पेंशन योजना भारत सरकार की एक सामाजिक सुरक्षा योजना है, जो मुख्य रूप से असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए तैयार की गई है। यह योजना उन लोगों को पेंशन प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है, जो रिटायरमेंट के बाद आर्थिक रूप से सुरक्षित रहना चाहते हैं। इसके लिए 18 से 40 वर्ष की आयु के भारतीय नागरिक, जो असंगठित क्षेत्र के कामगार जैसे दिहाड़ी मजदूर, छोटे व्यापारी, घरेलू कामगार, रेहड़ी-पटरी वाले, किसान, आदि पात्र हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का किसी बैंक या डाकघर में बचत खाता होना चाहिए, जो आधार से लिंक हो। इस योजना का लाभ उन लोगों को दिया जाता है जो आयकर दाता नहीं हैं। इसी के साथ आवेदक को किसी अन्य सरकारी पेंशन योजना जैसे एनपीएस, ईपीएस का लाभार्थी नहीं होना चाहिए। यह योजना 1,000 रुपये से 5,000 रुपये तक की मासिक पेंशन प्रदान करती है, जो 60 वर्ष की आयु के बाद मिलती है।

कार्यालय ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा जनपद पंचायत लालबर्रा जिला बालाघाट

पत्र क्रमांक/ 09 दिनांक 15/07/2025

आम सूचना

आम जनता व रजिस्टर्ड मछुआ समिति व सहकारी समिति को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत के 4 तालाब बेल तालाब, खाम तालाब, जोड़ा तालाब व पटेल डोबरी का अनुबंध दिनांक 30 जुन 2025 को समाप्त हो चुका है। इच्छुक रजिस्टर्ड मछुआ समिति/सहकारी समिति दिनांक 22/07/2025 को दोपहर 1.00 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय में आवेदन कर सकती है।

कृष्णा पंचेश्वर सहायक सचिव | रणविजय सिंह सचिव | अनीस खान सरपंच

एवं उपसरपंच व समस्त पंचगण, स्टाप ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

इधर ई-अटेंडेंस का खुलकर विरोध, उधर कुछ शिक्षक चुपके से लगा रहे एप में हाजरी?

5 प्रतिशत से कम शिक्षक, ही कर रहे नियम का पालन, 95 प्रतिशत से अधिक कर रहे विरोध, जिला शिक्षा अधिकारी बोले सख्ती से कराया जाएगा पालन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। इसे वेतन कटने का डर कहे या फिर प्रशासनिक कार्यवाही का दौड़। की एक ओर जहां ज्यादातर शिक्षक वर्ग की ई-अटेंडेंस के विरोध में जगह-जगह धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौप रहे हैं। तो वहीं दूसरी ओर कुछ शिक्षक वर्ग ऐसे भी हैं जो चोरी छुपे या फिर डर के चलते शासन की मंशानुरूप सार्थक मोबाइल ऐप पर अपनी हाजिरी भी लगा रहे हैं। हालांकि हाजिरी लगाने वालों की संख्या जिले में 5 प्रतिशत भी नहीं है वे लेकिन शासन के इस नियम का पालन जरूर कर रहे हैं। उधर 95प्रतिशत से अधिक शिक्षक वर्ग ऐसे हैं जो इस नियम का पालन करते नजर नहीं आ रहे हैं और वह ई-अटेंडेंस के विरोध में है। हालांकि जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय ने शासन से मिले निर्देशों का जिले में सख्ती से पालन कराए जाने की बात कही है। अब देखना यह दिलचस्प रहेगा की शिक्षा विभाग महज 5 प्रतिशत से कम अटेंडेंस पर ही संतुष्ट हो पता है या फिर अन्य 95 प्रतिशत से अधिक शिक्षक वर्गों को भी ई-अटेंडेंस लगाने के लिए मजबूर किया जाता है।

अतिथि शिक्षको पर भी लागू किया गया है ई-अटेंडेंस का नियम

सरकारी स्कूलों में शिक्षको की समय से उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए मध्य प्रदेश शासन शिक्षा विभाग की तरफ से शिक्षको के लिए पूर्व में एक आदेश जारी किया था।जारी किए गए इस आदेश में 1 जुलाई से सभी शिक्षकों को सार्थक मोबाईल एप के माध्यम से ई अटेंडेंस प्रणाली के तहत हाजरी लगाना अनिवार्य किया गया था।जिसका शिक्षकों द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा था। जहां शिक्षकों के इस लगातार विरोध को देखते हुए शासन द्वारा यह नियम शिक्षकों के लिए तो शिथिल कर दिया है।लेकिन अब शासन द्वारा सरकारी स्कूलों में पढाने वाले अतिथि शिक्षकों के लिए यह नियम लागू कर दिया गया है।जिसका अतिथि शिक्षक भी अब खुलकर विरोध कर रहे हैं।लेकिन आंकड़ो पर यदि गौर किया जाए तो जिले की शालाओ में शैक्षणिक स्टॉप में पदस्थ 7076 शिक्षको में से 5 प्रतिशत भी ई-अटेंडडेंस नहीं लगा रहे है।

जिले में कुछ ऐसी है ई अटेंडेंस की स्थिति

जिला शिक्षा कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार 1 हायर सेकेंडरी शिक्षक, 2 हाईस्कूल शिक्षक, 1 लेक्चरर, 9 प्रधानपाठक, 2 उच्च श्रेणी शिक्षक, 1 प्रधानपाठक प्राथमिक, 2 विज्ञान सहायक शिक्षक, 31 उच्च माध्यमिक शिक्षक, 69 माध्यमिक शिक्षक, 112 प्राथमिक शिक्षक और 10 विज्ञान प्राथमिक शिक्षक ही ई-अटेंडेंस लगा रहे है। जबकि 28 व्यायाम शिक्षको में कोई ई-अटेंडेंस नहीं लगा रहा है।

इन समस्याओं का नही किया गया समाधान

शिक्षकों का कहना है कि नेटवर्क, स्कूली कार्य से बाहर होने के कारण, ई-अटेंडडेंस संभव नहीं है और जब सरकार को पारदर्शी रूप से संचालन ही करना है तो सभी विभागो में इसे सुनिश्चित किया जाए, केवल शिक्षको पर थोपना, भेदभाव पूर्ण है।शिक्षको ने बताया कि हमारी मांग है कि सरकार को शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित कराना हो तो बायोमेट्रिक प्रणाली से भी उपस्थिति समय पर सुनिश्चित हो सकती है, वह बायोमेट्रिक प्रणाली से शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित कराए।

यहां किसी भी कम्पनी का नेटवर्क नही मिलता- सुरजलाल

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिले से लगभग 14 किलोमीटर दूर उमरदोनी प्राथमिक शाला के शिक्षक सूरजलाल क्षीरसागर, नेटवर्क की समस्या से परेशान दिखे, जो मोबाइल में नेटवर्क नहीं मिलने से, ई-अटेंडेंस नहीं लगा पा रहे है। चर्चा के दौरान उन्होंने बताया की यहां किसी भी सीम का नेटवर्क नहीं मिलता है। कई बार कंपनी बदल कर देख लिए लेकिन यहां नेटवर्क ही नहीं मिलता तो इ अटेंडेंस कैसे लगेगी यह समझ नहीं आ रहा है।

एप में अटेंडेंस लगाने में आ रही समस्या- लोकेश

ई-अटेंडेंस को लेकर जिले के लेंडेझरी संदीपनी स्कूल के शिक्षक लोकेश राहंगडाले ने, अन्य क्षेत्रों के शिक्षकों ने बताया कि वे रोजाना समय पर स्कूल आते है।आज भी समय पर स्कूल पहुंच गए थे लेकिन ऐप और नेटवर्क काम ही नही कर रहा है।जिसके चलते एप में उनकी ई-अटेंडेंस नहीं लगा पा रही है।

सुविधा नहीं तो ई-अटेंडडेंस नहीं- बिसेन

मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान आजाद अध्यापक संघ के अध्यक्ष आशीष बिसेन ने बताया कि ई-अटेंडेंस, व्यवहारिक रूप से सही नहीं है, यह शिक्षक जैसे पेशे पर संदेह करने जैसा है, इसके अलावा बालाघाट आदिवासी अंचल है, जहां दूरस्थ क्षेत्रो में मोबाईल का नेटवर्क नहीं मिलता है, ऐसे में ई-अटेंडेंस, लगाना, शिक्षक के लिए असंभव है, जिसे देखते हुए हमने, ई-अटेंडेंस के आदेश को खत्म करने की मांग की है और जिले में महज 3 से 4 प्रतिशत ही ई-अटेंडेंस का पालन हो पा रहा है।अतिथि शिक्षक भी सुविधा नहीं तो ई-अटेंडेंस नहीं के नारे के साथ, इसके विरोध में है।

सख्ती से पालन कराया जाएगा- उपाध्याय

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी, अश्विनी कुमार उपाध्याय ने बताया कि फिलहाल बालाघाट में ई-अटेंडेंस का आदेश शिथिल दिखाई दे रहा है।लेकिन अब शिक्षको द्वारा ई अटेंडेंस लगाना भी शुरू कर दिया गया है।शालाओ में शिक्षको के ई-अटेंडेंस को लेकर सख्त निर्देश संबंधितो को जारी किए गए है। बावजूद इसके शालाओ में ई-अटेंडेंस को लेकर शैक्षणिक स्टॉप गंभीर नहीं है।विगत दिनों अध्यापकों के साथ ही अतिथि शिक्षकों ने ई-अटेंडेंस प्रक्रिया को खत्म करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। शासन से आए इस नियम का जिले में सख्ती से पालन कराया जाएगा।

जिला कबड्डी संघ की आवश्यक बैठक सम्पन्न

विभिन्न बिन्दुओ पर चर्चा कर लिए गए निर्णय

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला कबड्डी संघ बालाघाट द्वारा नगर के सर्किट हाउस में एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया।जिसमें आगामी समय मे आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओ सहित संघ से जुड़े महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए। स्थानीय सर्किट हाऊस में बालाघाट विधायक एंव जिला कबड्डी संघ अध्यक्ष श्रीमती अनुभा मुंजारे की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिला कबड्डी संघ बालाघाट के स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने पर स्मारिका के प्रकाशन बाबद् निर्णय लिया गया तो वही पिछले दिनों उज्जैन में आयोजित राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में जूनियर खिलाडियो के विजेता होने पर उन्हें खेल दिवस के दिन ट्रैकशुट एवं अन्य उपहारो से सम्मानित किए जाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा पूर्व नई कार्यकारिणी के चुनाव के बाद पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराने, एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए खिलाडियो को हर प्रकार की सुविधा प्रदान करने की बात भी जिला कब्बडी संघ अध्यक्ष एंव विधायक अनुभा मुंजारे ने अपने उदबोधन में कही। इस अवसर पर जिला कबड्डी संघ सचिव रमेश दिक्षित, सुरेश बाघरेचा, पूरनसिंह भाटिया, डॉ. वेदप्रकाश लिल्हारे, आनंद बिसेन, अजय बिसेन, निखिल गौतम, राकेश सिंगारे, राजेन्द्र शिवहरे, उमेश सपाटे एवं अन्य पदाधिकारी व खिलाड़ी ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। बैठक के अंत मे आभार प्रदर्शन अधिवक्ता आनंद बिसेन द्वारा किया गया।

सहारा फोटोकॉपी पर हुई पुलिस कार्यवाही को लेकर महेश सहारे ने ली वार्ता, कार्यवाही पर उठाये सवाल

कहा फोटोकापी सेंटर में नहीं बनाया गया था किसी प्रकार का पत्र पुलिस ने बिना जांच किए ही की हैं कार्रवाई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सहारा फोटोकॉपी के संचालक पर हुई कार्रवाई के विरोध में कुछ फोटोकॉपी संचालक और महेश सहारे के द्वारा स्थानीय सर्किट हाउस में एक प्रेस वार्ता ली गई। उन्होंने पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई का विरोध किया और बताया कि जिस प्रकार पुलिस ने नौकरी दिलवाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने वाले आरोपित सुमित के द्वारा लगये गये आरोप अनुसार गोंदिया रोड स्थित फोटोकॉपी के संचालक लक्ष्मीनारायण सहारे पर पुलिस ने कार्रवाई की थी, वह गलत थी। पुलिस को सबसे पहले इस पूरे मामले में जांच करना था। लेकिन पुलिस ने बिना जांच किए ही कार्रवाई कर दी। यह गलत है । जबकि उनके फोटोकापी सेंटर में किसी प्रकार से पहचान पत्र और शासकीय नौकरी का नियुक्ति पत्र नहीं बनाया गया था। आपको बता दे कि वन विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर मुरैना के एक युवक की शिकायत पर भरवेली पुलिस द्वारा हीरापुर निवासी सुमित ब्रम्हे पर कार्रवाई की गई थी ।जिसमें समित द्वारा बताया गया था कि उनके द्वारा वन विभाग में नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र और पहचान पत्र गोंदिया रोड स्थित सहारा फोटोकापी सेंटर से बनाया गया है। जिस पर भरवेली पुलिस ने सहारा फोटो कॉपी के संचालक लक्ष्मी नारायण सहारे पर कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया था। इस पूरी कार्रवाई को लेकर 19 जुलाई को कुछ फोटोकॉपी संचालक और महेश सहारे के द्वारा स्थानीय सर्किट हाउस में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। जहां महेश सहारे द्वारा बताया गया कि उनके भाई लक्ष्मीनारायण सहारे पर पुलिस द्वारा गलत तरीके से कार्रवाई की गई है । जबकि उनके फोटो कॉपी सेंटर में वन विभाग में नौकरी दिए जाने को लेकर किसी प्रकार का कोई नियुक्ति पत्र और पहचान पत्र नहीं बनाया गया था। पुलिस द्वारा जो प्रिंटर उनकी फोटोकापी सेंटर से जप्त किया गया है , वह भी बाद में लिया गया है। जबकि यह पूरी घटना पहले की है । जिसके उनके पास बिल भी है। उन्होंने मांग की है कि पुलिस इस प्रकार से बिना जांच कर फोटोकॉपी संचालकों पर कार्रवाई न करें। यदि फोटोकॉपी संचालक गलत करते हैं तो उन पर बेशक पुलिस कार्रवाई करें। पर इस प्रकार से बिना जांच किये यदि पुलिस कार्रवाई करेगी तो वह इस बात का विरोध करेंगे । उन्होंने बताया कि सहारा फोटो कॉपी गोंदिया रोड स्थित केंद्र में किसी प्रकार का कोई नियुक्ति पत्र को एडिट करने का काम नहीं किया जाता। वह सिर्फ वह फोटोकॉपी करने का कार्य ही करते हैं । पुलिस द्वारा जो उनके भाई पर आरोप लगाए गए हैं वह झूठे हैं। इसकी पूरी निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए । जो दोषी है उस पर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्हें दुर्भावना वस ही इस पूरे मामले में फसाया गया है।

जिले में नहीं रुक रही साइबर ठगी की घटनाएं

युवक ने एक लाख का बुलाया ड्रोन मिला 500 रूपये का खिलौना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में साइबर ठगी का ग्राफ दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहा है। साइबर ठग जिले की भोली भाली जनता को लुभावने विज्ञापन दिखाकर साइबर ठगी का शिकार बना रहे हैं । ऐसा ही एक ताजा मामला कोतवाली थाने की साइबर शाखा में दर्ज हुआ है। यहां एक पीड़ित युवक ने अपनी शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक विज्ञापन देखा जिसमें एक लाख रूपये का ड्रोन 5000 रूपये में दिया जा रहा था। जिसे उन्होंने ऑनलाइन बुक करवाया और जब उनके घर पर डिलीवरी बॉय ड्रोन लेकर आया तो उन्हें सिर्फ 500 रूपये का खिलौने वाला ड्रोन ही प्राप्त हुआ। जिसके बाद युवक को समझ में आया कि वह साइबर ठगी का शिकार हो गया है। आपको बता दे कि जिले में साइबर ठगी का ग्राफ दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहा है। साइबर ठगों द्वारा नए-नए लुभावने वादे दिखाकर जिले की भोली भाली जनता को ठगी का शिकार बना रहे हैं। जिसमें इन दिनों इंस्टाग्राम,फेसबुक और अन्य सोशल एप के माध्यम से विज्ञापन दिखाकर साइबर ठगी हो रही है तो वही कभी साइबर ठगों द्वारा जिले की जनता को मोबाइल पर लिंक भेज कर मोबाइल हैक कर रहे हैं । जिससे आमजन के अकाउंट कुछ ही पलों में खाली हो जा रहे हैं । ऐसे ही साइबर ठगी के कई मामले साइबर शाखा में आये हैं । जिसमें पुलिस द्वारा साइबर ठगी की इन घटनाओं में प्रार्थी से आवेदन लेकर आवश्यक कार्यवाहीं की जा रही है । साइबर पुलिस भी आमजन को जागरूक और सतर्क रहने की सलाह दे रही है । मोबाइल या व्हाट्सएप ग्रुप पर आने वाले किसी भी लिंक को खोलने से मना किया जा रहा है, क्योंकि अधिकतर मामले व्हाट्सएप पर आए मैसेज या लिंक को क्लिक करने के बाद ही आमजन के मोबाइल हैक होकर अकाउंट खाली हो रहे हैं। ऐसा ही ताजा मामला कोतवाली थाना की साइबर शाखा में दर्ज हुआ है। जहां पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार पीड़ित ने शिकायत दर्ज करते हुए बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक विज्ञापन देखा था। जिसमें 1 लाख रूपये का ड्रोन 5000 रूपये की कीमत में मिल रहा था। जिसे उन्होंने ऑनलाइन मोबाइल के माध्यम से बुक करवाया और लगभग चार से पांच दिनों में डिलीवरी बॉय द्वारा उनके घर आकर डिलीवरी दी गई । जिसमें सबसे पहले डिलीवरी बॉय द्वारा बिना ओपन किया ही इसका पूरा पेमेंट 5000 रूपये पीड़ित युवक से ले लिया गया और जैसे ही युवक द्वारा ड्रोन के डिब्बे को खोला गया तो ड्रोन तो था पर वह ओरिजिनल ड्रोन की जगह बच्चों के खिलौने वाला ड्रोन था। जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 500 रूपये थी। जबकि जिस वेबसाइट के माध्यम से उन्होंने इस ड्रोन को बुक किया था, उस वेबसाइट पर इस ड्रोन को वापस करने सहित रिफंड और रिटर्न करने की कोई पॉलिसी नहीं दी गई थी । बाद में उस पीड़ित युवक को पता चला कि वह लुभावना विज्ञापन देखकर साइबर ठगी का शिकार हो गया है। साइबर शाखा में पदस्थ पुलिसकर्मियों ने भी बताया कि कोई भी अनजान साइट सहित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आने वाले लुभावने विज्ञापनों से सावधान रहे ।

15 वर्षीय नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने वाला 22 वर्षीय युवक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 15 वर्षीय नाबालिक के साथ एक 22 वर्षीय युवक द्वारा दुष्कर्म की घटना की गई । जिस पर नाबालिक के परिजनों की शिकायत पर कोतवाली पुलिस द्वारा, इस पूरे मामले में जांच करते हुए , आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसे विभिन्न धाराओं के तहत मामला कायम करते हुये न्यालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। मिली जानकारी अनुसार कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। 17 जुलाई को प्रार्थी की शिकायत पर आरोपित अजय सोनवाने के खिलाफ 64(2)(एम), 65(1), 333, 115(2), 351(3), बीएनएस 3/4(2), 51/6 पाक्सो और एसटी/एससी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया था। कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत के मार्गदर्शन में हुई जांच के आधार पर आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपित लामता क्षेत्र के एक गांव का निवासी है। उसने कोतवाली थाना क्षेत्र की रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म किया था। आरोपित अपने दोस्त से मिलने अक्सर बालाघाट आता था। उसने किशोरी का नंबर पता कर उससे बातचीत की कोशिश की। पीडिता अपनी मां के साथ रहती है। मां के बालाघाट से बाहर जाने का फायदा उठाते हुए आरोपित ने पीडिता के दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पीडिता और उसके स्वजनों की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार किया गया।

श्री कृष्ण ग्रुप समिति गायखुरी पूर्ण श्रावण मास भर अलग-अलग मंदिरों में करा रही अखंड रामायण

8 अगस्त को हवन पूजन व भंडारा के साथ होगा समापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हिन्दु धर्म संस्कृति में सावन मास को पवित्र माह माना जाता है। सावन मास में जगह-जगह धार्मिक अनुष्ठान व सुंदरकाण्ड, अखंड रामायण पाठ आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन प्रभु श्रीराम की भक्ति और उनके जीवन के आदर्शो को याद करने का एक तरीका है। इसी कड़ी में सावन मास के अवसर पर श्री कृष्ण ग्रुप समिति गायखुरी बालाघाट द्वारा पूरे श्रावण मास भर जिले के अलग-अलग मंदिरों व धार्मिक स्थलों में अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जिले सहित महाराष्ट्र राज्य की भजन मंडली द्वारा भी संगीतमयी अखंड रामायण पाठ की सुमधुर प्रस्तुति दी जा रही है। शुक्रवार को दादा दरबार हरिओम नगर गायखुरी में गुरू माऊली रामायण मंडल ग्राम सोनबिहरी जिला गोंदिया के द्वारा अखंड रामायण पाठ की प्रस्तुति दी गई। इसके एक दिन पूर्व गुरूवार को माता मंदिर गायखुरी में ग्राम लड़सड़ा वारासिवनी की रामायण मंडल द्वारा अखंड रामायण पाठ किया गया। अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ 10 जुलाई को पुराना श्रीराम मंदिर बालाघाट से किया गया है, जिसका समापान 7 अगस्त को फूलचंद बिजेवार वार्ड नंबर 33 गायखुरी के निवास में अखंड रामायण पाठ कर 8 अगस्त को हवन पूजन एवं भंडारा का आयोजन कर किया जाएंगा। इस संबंध में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सावन मास के अवसर पर जिले के अलग-अलग मंदिरों में व धार्मिक आस्था स्थल में 10 जुलाई से 8 अगस्त तक पूरे सावन मास भर अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य जिले में खुशहाली व सुख समृद्धि बनी रहे। उन्होंने बताया कि 19 जुलाई को हनुमान मंदिर सरेखा में बगदरा की मंडली द्वारा रामायण पाठ किया जावेगा। वहीं 20 जुलाई को शंकर मंदिर लिंगा में बगदरा मंडली, 21 को शिव मंदिर गायखुरी सालेटेका मंडली, 22 को हनुमान मंदिर नैतरा में कुम्हारी मंडली, 23 को पांडेवाडा में खुरसोड़ी मंडली, 24 को माता मंदिर गायखुरी में कोहकाडीबर की रामायण मंडली, 25 को विनय नगपुरे निवास जागपुर घाट रोड ग्राम लिंगा मंडली द्वारा अखंड रामायण पाठ की प्रस्तुति दी जावेगी। इस हर 8 अगस्त तक अलग-अलग स्थानों में विभिन्न गांवों की रामायण मंडली द्वारा संगीतमयी प्रस्तुति दी जावेगी। समिति के पदाधिकारियों ने श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर रामायण पाठ का पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

मछुआ सहकारी समिति के सदस्यों के दस्तावेजों की हुई जांच

शिकायत के आधार पर मत्स्य विभाग ने की कार्यवाही

लालबर्रा(पद्मेश न्यूज)।मत्स्य विभाग के द्वारा मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए मत्स्य पालन सहकारी समिति गठित की गई है ।जिसमें मछुआरा जाति समाज के लोगों को प्राथमिकता देकर इस समिति का सदस्य बनाया गया है। जिससे वह इस समिति के माध्यम से मछली पालन कर उससे प्राप्त आय से अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सके। वहीं मत्स्य विभाग के द्वारा कुछ गाइडलाइन तय की गई है जिसके अंतर्गत इस समिति के लिए उसी ग्राम के मछुआरों को प्राथमिकता देकर समिति का गठन किया जायेगा। जिसमें इस ग्राम के ही लोग शामिल होंगे और वे लोग मछुआ जाति समाज के होंगे। यदि उस ग्राम में मछुआ जाति समाज के लोग नहीं है तो फिर उनके अलावा अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति अन्य पिछड़ा वर्ग या सामान्य वर्ग के लोगों को इस समिति का सदस्य बनाया जा सकता है परंतु यदि मछुआ जाति समाज का व्यक्ति है तो उसे प्राथमिकता दी जायेगी।इसी तरह लालबर्रा क्षेत्र में लगभग 12 समितियां मत्स्य विभाग के द्वारा बनाई गई है, जिनके माध्यम से मत्स्य पालन किया जा रहा है। मछुआरा समाज मछली पालन करके अपनी आजीविका चला रहा है परंतु मछुआरा जाति समाज के लोगों का आरोप है कि कुछ जाति समाज के लोगों के द्वारा स्वयं को मछुआरा बताकर अनुचित रूप से समिति का सदस्य बनकर लाभ ले रहे है और हमारे मछुआरा जाति समाज के लोगों को नुकसान पहुंचा रहे है। जबकि वह मछुआरा समाज के व्यक्ति न होकर अन्य जाति समाज के हैं और स्वयं को मछुआरा जाति समाज का बताकर हमारे मछुआरा समाज के हक व अधिकार का हनन करके स्वयं लाभ कमा रहे हैं। साथ ही समितियों में अपने ही परिवार के लोगों को जोड़कर फर्जीवाड़ा और धोखाधड़ी कर रहे है।जिसकी शिकायत मछुआरा समिति के कुछ सदस्यों के द्वारा जिला प्रशासन से विगत दिवस की गई थी। जिसकी जांच शुक्रवार को तहसील कार्यालय में तहसीलदार कन्हैयालाल तेकाम, मत्स्य विभाग के अधिकारी एवं जांच समिति के अन्य दो सदस्यों की उपस्थिति में पांढरवानी, बोरी, मलगोंदी, टेकाड़ी ला. मछुआ समिति के सदस्यों की दस्तावेजों की जांच की गई और जांच के आधार पर इन सदस्यों के मूल निवासी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेज की जांच की गई है। वहीं जिन समिति सदस्यों के द्वारा दस्तावेज उपलब्ध नही किया गया उन्हे एक सप्ताह के अंदर एसडीएम कार्यालय से जारी हुए डिजीटल मूल निवासी, जाति एवं आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने कहा गया है। इस तरह से मछुआरा जाति समाज के लोगों के द्वारा नकली मछुआरों को समिति से निकालकर अपने मछुआरा जाति समाज के लोगों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं मछुआ समुदाय की शिकायत पर जांच में सामने आया है कि बोरी सहित अन्य समितियों में आधा सैकड़ा से अधिक ऐसे सदस्य है जो न तो वंशानुगत मछुआरे है और न ही उनकी जाति नीति के अनुसार मान्य है। सिंगरोड समाज के लोगों के द्वारा एसडीएम और सरपंच से फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर कहार, ढीमर, मांझी जैसी मछुआ जातियों के नाम पर सदस्यता प्राप्त की गई है जो गलत है। वहीं बड़ी संख्या में सिंगरोड जाति के लोगों ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनाकर मत्स्य समितियों में सदस्य बन गये है। इस तरह से नकली एवं असली मछुआ जाति समाज के लोगों की लड़ाई चल रही है। वहीं जांच के दौरान बड़ी संख्या में मछुआ समाज के लोग उपस्थित रहे।

मछुआ जाति समाज के लोगों के स्थान पर अन्य समाज के लोग समिति में कर रहे काम - हरीश

हरिश सोनवाने ने बताया कि मछुआरा सहकारी समिति के सदस्यों की जांच के लिए दस्तावेज मंगवाये गये थे, जिसकी जांच तहसीलदार व मत्स्य विभाग के अधिकारी के द्वारा की गई है क्योंकि देखने में आ रहा था कि मछुआरा समाज के अंतर्गत ढीमर, मल्हार, कहार सहितअन्य जातियां जो मछुआरा समाज के अंतर्गत आता है। वही समिति में रहेंगे एवं जो फर्जी जाति समाज के लोग हैं जो खुद को मछुआरा बताकर समिति के सदस्य हैं उन्हें समिति से बाहर किया जायेगा इसलिए दस्तावेजों की जांच की जा रही है। श्री सोनवाने ने बताया कि मछुआरा जाति समाज के लोगों को छोड़कर अन्य जाति समाज के लोग बड़ी संख्या में मछुआ सहकारी समिति में सदस्य बन है, जिससे हमारे समाज के लोगों को लाभ नहीं मिल पा रहा था और वे शासन की योजना से वंचित हो गए थे। जिसकी शिकायत कलेक्टर से की गई थी, जिसके आधार पर मछुआरा समाज के लोगों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है जिसमें जो मछुआरा जाति समाज के लोग हैं उन्हें ही समिति का सदस्य रखा जायेगा एवं फर्जी सदस्यों को बाहर किया जायेगा।

मत्स्य नीति 2008 के पहले भी समितियों का हो चुका है रजिस्ट्रेशन - कमल

कमल शांडिल्य ने बताया कि म.प्र. शासन के द्वारा मछुआरे की परिभाषा दी गई है की जो व्यक्ति मछली पकड़ता है, पालन करता है उसका क्रय-विक्रय करता है, व्यापार करता है वह मछुआरा है। उसमें यह आवश्यक नहीं है कि जो पारंपरिक व्यक्ति है, वही, मछुआरा होगा एवं समिति में मछुआरा समाज के लोगों को आवंटन के समय प्राथमिकता दी गई है। साथ ही यह भी बताया कि मत्स्य नीति 2008 में बनाई गई है और 1994-95 में हमारा पंजीयन है तो क्या हम पंजीयन करने के पहले 2008 की मत्स्य नीति का इंतजार करते। ऐसी बहुत सी समितियां है जो मत्स्य नीति के पहले बन चुकी है और अभी बेहतर ढंग से कार्यरत है एवं मछली पालन व विक्रय का कार्य करते है और सभी समितियों का मत्स्य नीति 2008 के पहले रजिस्ट्रेशन हो चुका है।

दस्तावेजों की जांच की गई है - विजय

सहायक मत्स्य निरीक्षक विजय मेश्राम ने बताया कि बोरी, मलगोंदी, टेकाड़ी ला, पांढरवानी समितियों के सदस्यों की शिकायत मछुआ सहकारी समिति के कुछ सदस्यों ने जिला प्रशासन से की थी कि समिति के सदस्य गलत तरीके से बन गये है। जिनके दस्तावेजों की जांच के लिए कलेक्टर महोदय के द्वारा छानबिन समिति गठित की गई है। बुधवार को तहसील कार्यालय में दस्तावेजों की जांच की गई जिसमे जाति, मूल निवासी, आय प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेज देखे गये है, जिन्होने दस्तावेज नही दिये है उन्हे एक सप्ताह के अंदर दस्तावेज तैयार कर उपपंजीयक बालाघाट में जमा करने कहा गया है। श्री मेश्राम ने बताया कि मछली पालन विभाग के जो नियम बनाये गये है उसके अनुसार अभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है, उसके बाद ही स्पष्ट हो पायेगा कि मछुआ सहकारी समिति के सदस्य के लिए पात्र कौन है।

दस्तावेजों की जांच के बाद की जायेगी निष्कासन की कार्यवाही - कन्हैया

तहसीलदार कन्हैयालाल तेकाम ने बताया कि तहसील लालबर्रा के अंतर्गत जो मछुआ सहकारी समितियां गठित है उसकी कुछ शिकायतें प्राप्त हुई थी कि कुछ सदस्य समिति में अपात्र होने के बाद भी अवैध रूप से काम कर रहे हैं। इसलिए मछुआ सहकारी समिति के सदस्यों के दस्तावेजों की जांच की गई है। जांच में यदि वे अपात्र पाये जायेगें तो समिति से निष्कासन की कार्यवाही की जायेगी। श्री तेकाम ने बताया कि जिन सदस्यों की जांच की गई है उनके दस्तावेजों के अभाव के कारण निष्कासन की कार्यवाही नही हो पाई है और उन्हे एक सप्ताह के अंदर मछुआ जाति समाज के है तो जाति, मूल निवासी सहित अन्य दस्तावेज जमा करने कहा गया है।

श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में 5 दिवसीय श्री पार्थिव शिव पूजन आज से

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के अस्पताल कालोनी स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में श्री भोलेशंकर जनकल्याण समिति मानपुर-लालबर्रा के तत्वाधान में सावन मास के पावन अवसर पर 20 जुलाई से पांच दिवसीय शिव पार्थिव पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें शाम 4 बजे से 5.30 बजे तक आचार्य विमल मिश्रा द्वारा श्री पार्थिव शिव पूजन संपन्न करवाया जायेगा। साथ ही 23 जुलाई से अखण्ड रामायण पाठ प्रारंभ होगा एवं 24 जुलाई को हवन-पूजन, पुर्णाहुति एवं महाप्रसादी वितरण के साथ ही कार्यक्रम का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में श्री भोलेशंकर जनकल्याण समिति मानपुर-लालबर्रा के पदाधिकारियों ने की है।

अमोली से आमाटोला (ददिया) पहुंच मार्ग का बेलगांव पंचायत ने करवाया मरम्मत कार्य

सड़क में बने गड्ढों का मरम्मत कार्य होने से आवागमन में होगी सुविधा, डामरीकरण सड़क निर्माण की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली से आमाटोला ददिया पहुंच मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है एवं कुछ स्थानों पर जानलेवा गड्ढे बन गये थे। जिसके कारण आने-जाने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही लंबे समय से आने-जाने वाले राहगीर, ग्रामीणजनों के द्वारा सड़क का मरम्मत कार्य या फिर डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाने की मांग कर रहे थे। लेकिन जिम्मेदार नही दे रहे थे जिसके कारण लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त था। बेलगांव पंचायत के सरपंच अरविंद पंचेश्वर के द्वारा अमोली से आमाटोला ददिया पहुंच मार्ग का वैकल्पिक व्यवस्था के तहत गड्ढों का मरम्मत कार्य करवाया गया है। सड़क का मरम्मत कार्य हो जाने से अब आवागमन में सुविधा होगी। लेकिन यह स्थाई समाधान नही है, अगर तेज बारिश होती है और ओवरलोड़ वाहन गुजरते है तो यह कच्ची सड़क पुनः गड्ढों एवं कीचड़ में तब्दील हो सकती है इसलिए ग्रामीणजन व राहगीरों ने शासन-प्रशासन से पक्की डामरीकरण सड़क का जल्द निर्माण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है। साथ ही अमोली से आमाटोला ददिया पहुंच मार्ग अमोली व ददिया पंचायत क्षेत्र की सीमा में आती है और इन दोनों पंचायत को मिलकर सड़क का मरम्मत कार्य करवाना चाहिए था। लेकिन दोनों पंचायत के द्वारा मरम्मत कार्य नही करवाने के कारण सड़क बहुत अधिक खराब हो चुकी थी और ग्रामीणजनों ने बेलगांव पंचायत से सड़क का मरम्मत कार्य करवाने की गुहार लगाये थे। सड़क खराब होने से ग्रामीण एवं स्कूल के छात्र-छात्राओं को हो रही परेशानियों को देखते हुए बेलगांव सरपंच अरविंद पंचेश्वर के द्वारा अमोली से आमाटोला ददिया पहुंच मार्ग का मरम्मत कार्य करवाया गया है और शासन-प्रशासन से जल्द इस मार्ग का डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाने की मांग की है ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से सभी को निजात मिल सके। वहीं बेलगांव पंचायत के द्वारा करवाये गये सड़क का मरम्मत कार्य के लिए ग्रामीणजनों ने सरपंच अरविंद पंचेश्वर का आभार व्यक्त किया है।

नहर किनारे से सड़क के नीचे की मिट्टी धसक जाने से बड़ी दुर्घटना होने की बनी संभावना

राहगीर एवं ग्रामीणों ने मरम्मत कार्य करवाने एवं भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाने की शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी से औल्याकन्हार पहुंच मार्ग के समीप से सर्राटी जलाशय माइनर नहर गुजरी है और गत दिवस हुई बारिश एवं नहर से पानी का तेज बहाव होने के कारण सड़क के नीचे की मिट्टी कटकर बह चुका है और धीरे-धीरे धसकने लगी है। इस तरह से नहर किनारे सड़क के नीचे की मिट्टी धसक जाने से अगर इस मार्ग से ओवरलोड़ वाहन गुजरता है तो उक्त स्थान से सड़क क्षतिग्रस्त हो सकती है एवं वाहन अनियंत्रित होकर नहर के अंदर जा सकती है जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। वहीं जिस स्थान से सड़क के नीचे के मिट्टी धसक चुकी है वहां दुर से दिखाई नही देता है, न ही कोई संकेतक बोर्ड वह लगाया गया है। ऐसी स्थिति में अगर इस मार्ग से आवागमन करने वाले लोगों को उक्त स्थान दिखाई नही देने पर वे अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो सकते है। वहीं नहर किनारे सड़क की मिट्टी धसक जाने की जानकारी जल संसाधन विभाग को दे दी गई है। लेकिन उनके द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ऐसा लग रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। जबकि इस मार्ग से पनबिहरी, बघोली, चिचगांव, साल्हे ला. टेकाड़ी ला. सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीणजन एवं स्कूल के बच्चों आवागमन करते है एवं छोटे-बड़े वाहन भी गुजरते है। लेकिन सड़क के नीचे की मिट्टी धसक जाने की शिकायत के बाद में भी अब तक मरम्मत कार्य नही होने से लोगों के प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

आवागमन में हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि सर्राटी जलाशय से निकली माइनर नहर टेकाड़ी ला. से रामजीटोला तक जाती है और पनबिहरी से औल्याकन्हार पहुंच मार्ग किनारे से माइनर नहर गुजरी है और शासन के द्वारा नहर के किनारे से विगत वर्ष पूर्व सीसी सड़क का निर्माण किया गया है। जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीर आवागमन करते है और यह मार्ग सीधे सिवनी हाईवे मार्ग को जोड़ता है। साथ ही इस मार्ग से ओवरलोड़ वाहन भी गुजरते है। गत दिवस लालबर्रा क्षेत्र में हुई तेज बारिश एवं नहर में छोड़े गये पानी के अत्यधिक बहाव के कारण पनबिहरी से औल्याकन्हार के बीच पोल्ट्री फार्म के समीप नहर किनारे से सड़क के नीचे की मिट्टी धसक चुकी है और करीब 5 फीट का खाई (गड्ढा) सड़क किनारे बन चुका है जो दुर से दिखाई नही देता है। अगर इस मार्ग से ओवरलोड़ वाहन गुजरते है तो उसके वजन से सड़क ढह (क्षतिग्रस्त) हो जायेगी। जिससे वाहन अनियंत्रित होकर नहर के अंदर जा सकती है जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है और आवागमन भी बंद हो सकता है। वहीं धीरे-धीरे सड़क के नीचे की मिट्टी धसकने लगी है यदि समय रहते इस सड़क का मरम्मत कार्य नहीं किया गया तो भविष्य में बड़ी दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है। वही वर्तमान में जिम्मेदारों के द्वारा किसी तरह के कोई भी सूचना बोर्ड या चेतावनी बोर्ड मार्ग पर नहीं लगाये गये है। जिसके कारण बेखौफ होकर छोटे बड़े वाहनों से लोग आवागमन कर रहे है। राहगीर एवं ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द क्षतिग्रस्त सड़क का मरम्मत कार्य करवाने एवं भारी वाहनों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। वहीं जल संसाधन विभाग के उपयंत्री आर मरकाम से दूरभाष पर पनबिहरी से औल्याकन्हार पहुंच मार्ग सर्राटी जलाशय माइनर नहर किनारे सड़क के नीचे की मिट्टी धसक जाने से बड़ी दुर्घटना होने की बनी संभावना, जल्द मरम्मत कार्य करवाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

सड़क का जल्द मरम्मत कार्य करवाये प्रशासन - बिसेन

औल्याकन्हार सरपंच प्रतिनिधि ओपी बिसेन ने बताया कि सर्राटी जलाशय माइनर नहर के समीप से गुजरी पनबिहरी से औल्याकन्हार पहुंच मार्ग के बीच में एक स्थान से सड़क के नीचे की मिट्टी कटकर बह चुकी है और सड़क के नीचे कुछ नही है। साथ ही सड़क किनारे बड़ा खाई बन गया है। अगर सड़क के ऊपर से ओवरलोड वाहन गुजरता है तो सड़क क्षतिग्रस्त हो जायेगी जिससे आवागमन इस मार्ग से बंद हो सकता है। साथ ही वाहन अनियंत्रित होने से बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। श्री बिसेन ने बताया कि सड़क क्षतिग्रस्त हो जाने एवं जल्द मरम्मत कार्य करवाने के संबंध में जल संसाधन विभाग के उपयंत्री को अवगत करवा दिया गया है, लेकिन 4 से 5 दिन बीत जाने के बाद भी अब तक मरम्मत कार्य नही करवाया गया है, न ही कोई संकेतक बोर्ड लगाया गया है कि इस स्थान से सड़क क्षतिग्रस्त है धीरे एवं दुर से चले। जल्द सड़क के नीचे की मिट्टी कटाव को रोकने के लिए पक्का मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो सड़क धसक सकती है जिससे इस मार्ग से आवागमन बंद हो जायेगा जिससे सभी को परेशानी होगी इसलिए प्रशासन जल्द मरम्मत कार्य करवाये।

सब जूनियर अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न

अंडर 14 फाइनल में बालाघाट ने मंडला को हराया

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में १९ जुलाई को अंडर १४ सब जूनियर अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच के साथ समापन किया गया। यह मैच भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे ,पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, कटंगी विधायक एवं मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ उपाध्यक्ष गौरव सिंह पारधी सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें समस्त अतिथियों के द्वारा उपस्थित खिलाड़ियों का परिचय लिया गया इसके बाद बालाघाट और मंडला के मध्य फाइनल मैच खेला गया। जिसमें बालाघाट ने विजय प्राप्त की तत्पश्चात उपस्थित अतिथियों के द्वारा विजेता बालाघाट और उपविजेता मंडला दोनों टीमों को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। वहीं उपस्थित जनों के द्वारा दोनों टीमों के खिलाड़ियों पर प्रकाश डालते हुए उनकी सराहना की गई। जिले में फुटबॉल की बढ़ रही लोकप्रियता पर भी बताया कि किस प्रकार बालाघाट के खिलाड़ी जिले के अलावा मध्य प्रदेश की टीम में भी अपना स्थान प्राप्त कर चुके हैं। इसी के साथ फुटबॉल में खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की गयी।

बालाघाट और मंडला के मध्य खेला गया रोमांचक मैच

इस प्रतियोगिता में फाइनल मैच बालाघाट एवं मंडला के मध्य खेला गया जिसमें दोनों ही टीमों के द्वारा टीम भावना के साथ बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया गया। बालाघाट के द्वारा शुरुआती समय में ही मंडला के गोल पोस्ट पर एक गोल दाग दिया गया था इसके बाद यह खेल और मनोरंजन पूर्ण हो गया। जिसमें खेल के अंतिम दौर तक मंडला ने बालाघाट को दूसरा गोल करने नहीं दिया तो वहीं मंडला के द्वारा लगातार गोल करने का प्रयास किया गया जिसके किए गए सभी प्रयास असफल रहे। इस दौरान उपस्थित जनों को एक संघर्षपूर्ण एवं रोमांचित करने वाला खेल देखने को मिला । जहां दोनों ही टीमों के द्वारा डिफेंस और अटैक

पोजीशन में कार्यवाही की जाती रही। यह खेल करीब ९० मिनट तक खेला गया जिसमें अंत तक मंडला गोल नहीं कर पाया और बालाघाट अपने शुरुआती समय में किए गए एक गोल के साथ विजेता घोषित हो गया।

म.प्र. फुटबॉल संघ फुटबॉल के खेल को आगे बड़ा रहा है-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहां की फुटबॉल में अर्जेंटीना पुर्तगाल ब्राजील जैसे कई बड़े.बड़े देश है। उसमें भारत अभी ८० नंबर पर आया है फुटबॉल के क्षेत्र में भारत बहुत पीछे है और देखते हैं कि लगातार भारत आगे बढ़ रहा है। जैसा खेल हमने यहां देखा है तो निश्चित बालाघाट और मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ के द्वारा इस फुटबॉल के खेल को बढ़ावा दिया जा रहा है। निश्चित आने वाले समय में इसमें भी अच्छे खिलाड़ी सामने आएंगे वैसे ही जैसे अन्य खेलों में भारत आगे है। फुटबॉल में भी भारत आगे जाएगा और निश्चित इस प्रकार के टूर्नामेंट से लगातार प्रदेश आगे बढ़ता जा रहा है।

जिले का खिलाड़ी निश्चित ही स्टेट और नेशनल खेलने जाएगा-रामकिशोर कावरे

भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने कहा कि हम २५ मिनट से मैच देख रहे हैं हमारे सातवीं कक्षा के बच्चे जो अंडर १४ है वह इतना अच्छा खेल रहे हैं। उनका पूरा फोकस अपने खेल पर है यह हमारे जिले के लिए गौरव की बात है। बालाघाट जिले का यह एक सौभाग्य मिला है। सभी मिलकर आगामी टूर्नामेंट में सहयोग करेंगे आने वाले समय में हमारे जिले का बेटा स्टेट और नेशनल खेलने निश्चित जाएगा। यह खेल बहुत ज्यादा मेहनत से भरा है जिसको लेकर युवा प्रेरित हो रहे हैं।

बालाघाट टीम में वारासिवनी का भी प्लेयर गोलकीपर के रूप में है-गौरवसिंह पारधी

विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहां की जिले में पुन: फुटबॉल जागृत हो रहा है बालाघाट टीम में वारासिवनी का भी प्लेयर गोलकीपर के रूप में है। जिले का खेल अच्छे स्तर तक जाएगा हमारा जिला ३ वर्षों से मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग में रनरअप बन रहा है पूरा विश्वास है कि विजेता भी बनेगा। फुटबॉल संघ के द्वारा लगातार बड़े.बड़े आयोजन जिले में आ रहे हैं। पूर्व मंत्री श्री जायसवाल से हम यही चर्चा कर रहे थे कि यह मैदान अच्छा बन सकता है। अभी जिले में पीसी राय नेशनल चैंपियनशिप चालू होना है यह एक बड़ा आयोजन जिले को प्राप्त हुआ है।

रमरमा झरने में डूबने से कमलेश मिसारे की मौत

किरनापुर थाना अंतर्गत ग्राम सेवती का रहने वाला है मृतक

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत रमरमा की प्रसिद्ध महादेव पहाड़ी के झरने में डूबने से २२ वर्षीय युवक की मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब कमलेश मिसारे अपने दोस्त निलेश और प्रकाश के साथ झरने में स्नान कर रहा था। मामले में पुलिस के द्वारा शव बरामद कर आवश्यक कार्यवाही कर शव को सुरक्षित शव विच्छेदन गृह में रखवा दिया गया है। वहीं मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है।

साथियों के साथ नहाने के दौरान हुई घटना

प्राप्त जानकारी के अनुसार बालाघाट ही नहीं आसपास के जिलों में रमरमा महादेव पहाड़ी का झरना काफी प्रसिद्ध हो गया है। जहां पर दूर.दराज से लोग भगवान महादेव के दर्शन के लिए आते हैं तो वहीं झरने से गिर रहे पानी का भी आनंद लेते हैं। ऐसे ही थाना किरनापुर अंतर्गत ग्राम सेवती निवासी २२ वर्षीय युवक कमलेश पिता स्वर्गीय जयचंद मिसारे अपने साथियों के साथ किरनापुर से वारासिवनी के रमरमा में स्थित महादेव पहाड़ी में १९ जूलाई को घूमने के लिए आया हुआ था। जहां झरने में स्नान करने के दौरान अचानक कमलेश मिसारे पानी में डूब गया। जिसकी थोड़ी देर बाद उसके साथियों के जो साथ में स्थान कर रहे थे उन्हें जानकारी लगी तो उनके द्वारा आस पड़ोस के लोगों को घटना की जानकारी दी गई। वहीं उपस्थित जनों के द्वारा पुलिस को भी सूचना दी गई मौके पर पुलिस व आसपास के लोगों के द्वारा गहरे पानी में पतासाजी की गई जहां कुछ देर के बाद शव बाहर आया। जिसे पुलिस ने बरामद कर सिविल अस्पताल के शव विच्छेदन गृह में सुरक्षित रखवा दिया है वहीं मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है।

मैं कमलेश मिसारे, निलेश वागडे तीनो रमरमा पहाड़ी घूमने आये थे - प्रकाश उरकूडे

प्रकाश उरकूड़े ने पुलिस को बताया की मैं ग्राम सेवती थाना किरनापुर रहता हूँ मजदूरी काम करता हूँ। मैं कमलेश मिसारे और निलेश वागड़े तीनो रमरमा पहाड़ी घूमने आये थे। जो हम तीनो ने शिव मंदिर जाकर दर्शन किये फिर वापस नीचे आकर तीनो झरना में नहा रहे थे। जो नहाते नहाते कमलेश मिसारे गहरे पानी में चले गया और पानी में डूब गया। जिसको बचाने का प्रयास किये किंतु वह गहरे पानी में फस गया था दिखाई भी नही दे रहा था। मैने समिति के लोगो की मदद से बांस को पानी में डालकर हिला डुलाकर देखे जो उपर आ गया।

भारत स्काउट गाइड की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

पुरानी कार्य योजना की समीक्षा कर नई गतिविधि का दिया प्रशिक्षण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। टिहलीबाई शासकीय माध्यमिक शाला परिसर स्थित भारत स्काउट गाइड का जिला प्रशिक्षण केंद्र में जिला स्तरीय प्रशिक्षण एवं बैठक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत स्काउट गाइड संघ जिलाध्यक्ष छगन हनवत ,डीईओ बालाघाट अश्वनी कुमार उपाध्याय ,जिला मुख्य आयुक्त के जी बिसेन सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें जिले के शिक्षकों की बैठक लेकर सत्र २०२५-२६ के कार्यक्रम पंजीयन प्रशिक्षण, बालचर रवि, पत्रिका, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, यूआईडी यूनिफॉर्म संबंधी विषय पर चर्चा कर १५ अगस्त को वृक्षारोपण कर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के बारे में भी विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी। जिसके बाद उपस्थित शिक्षकों को तन मन से अपने बच्चों के साथ कार्य करने शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर श्रीमती अमिता शर्मा ,डोलीराम भगत, इनेद्र डहरवाल ,राजकुमार टेंभरे ,हरीप्रसाद देशमुख ,रेखचंद नागेश्वर ,देवलाल राहंगडाले ,मकबूल अहमद कुरेशी ,भुनेंद्र सिलेकर, सुरेंद्र सिंह पंन्द्रे ,सोहनलाल पटले ,नीता बोपचे ,श्रीमती लक्ष्मी पटले, उमावती मार्को, जुंगा भलावी ,रेवती उइके ,रतनमाला गौरे ,शशिभूषण चौहान ,अलीम अली कुरेशी सहित अन्य प्रशिक्षक एवं अधिकारी मौजूद रहे।

स्काउट गाइड की कार्य योजना के दौरान प्रशिक्षण दिया गया-छगन हनवत

जिलाध्यक्ष छगन हनवत ने बताया कि दो बैठक एक साथ रखी गई है जिसमें जिला कार्यकारिणी एवं जिला स्तरीय स्काउट गाइड की बैठक थी। इसमें जिले के सभी गाइड आए हैं इनका प्रशिक्षण हो रहा है सौभाग्य है कि भारत स्काउट गाइड का जिला कार्यालय वारासिवनी में है। यह जर्जर भवन को भारत स्काउट गाइड और नगर के दानदाताओं के द्वारा आपसी सहयोग से पुन: स्थापित किया गया है। इस प्रशिक्षण में जिले के सभी ब्लॉक से शिक्षक आए हुए हैं वर्ष भर के कार्य योजना बनाई जाती है। उसी गतिविधि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है वहीं कई स्कूल ऐसे हैं जहां योजना नहीं है निष्क्रिय हैं उन्हें सक्रिय करने का प्रयास है।

पूर्व वर्ष की कार्य योजना थी उसकी समीक्षा की गई-के जी बिसेन

जिला आयुक्त के जी बिसेन ने बताया कि जिला स्तर पर भारत स्काउट गाइड हायर सेकेंडरी स्कूलों में स्काउट गाइड का कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें उनकी वार्षिक गतिविधि का खाका बनाकर हमारे द्वारा यहां से दिया जाता है। जिसे वह लेकर क्षेत्र में समाज के बीच पहुंचते हैं जहां पर उनके द्वारा कार्य किया जाता है। एक बैठक है जिसमें पूर्व वर्ष की जो योजना थी उसकी समीक्षा की गई है, वहीं इस वर्ष की गतिविधियां तैयार की गई है। इसमें योजना को जनता एवं गांव गांव तक आगे कैसे बढ़ाया जाए इस पर चर्चा की गई है।

अखिल भारतीय वैश्य महासभा सम्मेलन का हुआ आयोजन

वैश्य महासभा वारासिवनी नगर अध्यक्ष बने जगदीश नेमा

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। अखिल वैश्य महासभा का जिला स्तरीय महासम्मेलन संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री सत्यनारायण अग्रवाल, संभागीय महिला अध्यक्षा अर्चना अजय गुप्ता, जिलाध्यक्ष संदीप नेमा, कार्यकारी जिलाध्यक्ष संजय अग्रवाल, जिला प्रभारी सुभाष गुप्ता की प्रमुख उपस्थिति में महासभा की सदस्यता बैठक आयोजित की गई। जिसमें वारासिवनी तहसील नगर इकाइयों की घोषणा की गई। जिसमें सुरेश कुर्वे को ब्लाक अध्यक्ष, जगदीश नेमा को नगर अध्यक्ष बनाया गया हैं। वैश्य समाज के महासम्मेलन में उपस्थित पदाधिकारियों ने इस दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन में आदर्श पदाधिकारी के लिए आवश्यक कदम एवं समाज के सुधार के लिए जरूरी आचार विचार अपनाने की बात अपने कही । इस आयोजन में जिले के सभी प्रमुख वैश्य समाजों के अध्यक्ष प्रमुख सहित सभी तहसील इकाईयों के सभी पदाधिकारियों और सभी आजीवन सदस्यों की उपस्थिति रही। जिससे संगठन के बढ़ते कार्य और प्रभाव की झलक सम्मेलन में दिखाई दी। वारासिवनी तहसील इकाई के नवनियुक्त पदाधिकारियों में ब्लाक प्रभारी नीलेश शिवहरे, ब्लाक अध्यक्ष सुरेश कुर्वे, नगर अध्यक्ष जगदीश नेमा, नगर प्रभारी राजीव गोयल, महिला ब्लाक प्रभारी भारती सुराना, ब्लाक अध्यक्ष अदिति रूसिया, नगर प्रभारी रेनु सुहाने, नगर अध्यक्ष वर्षा रुसिया,युवा इकाई अध्यक्ष मोहित येरपुडे को प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा शुभकामनाएं दी गई। एवँ सभी इकाईयों के अन्य पदाधिकारियों की सूची भी उद्घोषित कर सभी इकाईयों को शीघ्र ही तहसील में पंचायत स्तर तक कार्य विस्तार का लक्ष्य पूरा करने का आव्हान कार्यकारी जिलाध्यक्ष संजय अग्रवाल के द्वारा किया गया।

हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के कबीर घाट स्थित हनुमान मंदिर में १९ जुलाई को राधा रानी महिला मंडल के तत्वाधान में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें सर्व प्रथम मंदिर में पूजा अर्चना प्रारंभ की गई। जिसमें वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ भगवान शिव एवं भगवान हनुमान की पूजा अर्चना विधि विधान से की गई। तत्पश्चात आरती कर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का प्रारंभ किया गया। जिसमें भजन मंडली के द्वारा सुंदरकांड पाठ की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के अंत में महाआरती के उपरांत महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस विशाल भंडारे एवं कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराकर धर्म लाभ अर्जित किया। महिला मंडल ने बताया कि श्रावण मास के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष हमारे द्वारा अखंड रामायण पाठ और सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष सुंदरकांड पाठ शिव हनुमान मंदिर में आयोजित किया गया है। यह सावन महीना आराधना के लिए होता है जिसमें सुंदरकांड अखंड रामायण जैसे आयोजन कर भगवान की आराधना की जाती है। यह आयोजन के पीछे उद्देश्य रहता है कि धर्ममय वातावरण बना रहे वहीं भगवान से क्षेत्र में सुख शांति समृद्धि बनाए रखने की कामना की गई।

सावन मास का आध्यात्मिक महत्व एवं भगवान शिव की महिमा

भारतीय संस्कृति में प्रत्येक ऋतु, माह, दिन और क्षण का एक विशिष्ट धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है। इसी क्रम में 'सावन मास'—जो कि वर्षा ऋतु के मध्य में आता है—एक ऐसा पवित्र कालखंड है जो पूर्णतः भगवान शिव को समर्पित होता है। सावन मास में वातावरण का नैसर्गिक सौंदर्य, वर्षा की शीतलता, धरती की हरियाली, मनुष्य के भीतर भक्ति की ऊर्जा को जाग्रत करती है। भारतीय पंचांग के अनुसार यह महीना चातुर्मास का आरंभिक काल होता है, जिसे धर्म और तपस्या का काल कहा जाता है। विशेष रूप से उत्तर भारत, नेपाल और शिवभक्तों के लिए सावन मास अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इसी समय भगवान शिव की आराधना की जाती है और कांवड़ यात्रा जैसी श्रद्धा से परिपूर्ण परंपराएं आरंभ होती हैं। सावन मास का धार्मिक महत्व = हिंदू धर्म में सावन मास को 'श्रावण मास' के रूप में जाना जाता है और यह मास पूर्णतः शिव भक्ति के लिए आरक्षित माना जाता है। पुराणों के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान जब हलाहल विष निकला था, तब संपूर्ण ब्रह्मांड को उसकी ज्वाला से बचाने हेतु भगवान शिव ने उसे अपने कंठ में धारण किया और नीलकंठ कहलाए। सावन मास में इसी घटना का स्मरण करते हुए भगवान शिव को जलाभिषेक किया जाता है ताकि उनकी तपन को शीतलता मिल सके। यह जलाभिषेक भक्तों द्वारा गंगाजल, दूध, शहद और अन्य पवित्र द्रव्यों से किया जाता है। इस मास में सोमवार का विशेष महत्व होता है जिसे 'श्रावण सोमवर' कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि सावन के सोमवार को विधिपूर्वक उपवास रखकर शिवजी की पूजा-अर्चना करने से इच्छित फल की प्राप्ति होती है। स्त्रियां सौभाग्य की प्राप्ति और सुयोग्य वर की कामना से यह व्रत करती हैं, जबकि पुरुष भी आरोग्य, समृद्धि और आत्मिक शुद्धि के लिए इस व्रत को रखते हैं। शिवतत्त्व की दार्शनिक व्याख्या = भगवान शिव केवल एक देवता नहीं बल्कि एक तत्त्व हैं—वह ब्रह्मांड के अद्वैत सिद्धांत के जीवंत प्रतीक हैं। वे संहारक हैं, परंतु उसी संहार में नवसृजन की संभावना छिपी होती है। वे योग के आदि स्रोत हैं—आदि योगी, आदि गुरु। शिव की उपस्थिति ध्यान, मौन और आत्मसाक्षात्कार की प्रक्रिया में होती है। शिव का हर स्वरूप, हर प्रतीक एक गूढ़ दार्शनिक भाव लिए हुए है। त्रिशूल (Trishul) उनके तीन गुणों—सत्व, रज और तम—पर नियंत्रण का प्रतीक है। डमरू (Damaru) से सृष्टि की ध्वनि—'नाद' उत्पन्न होती है, जिससे सृष्टि के बीज मंत्र निकलते हैं। जटाजूट से बहती गंगा जीवन और पवित्रता का संकेत देती है। वृषभ (नंदी) उनके वाहन रूप में धर्म, संयम और सेवा का प्रतीक है। श्मशान में निवास करने वाले शिव इस बात का बोध कराते हैं कि जीवन और मृत्यु का भेद कृत्रिम है—परम सत्य केवल आत्मा है जो अमर है। सावन और शिवभक्ति की मनोवैज्ञानिक अनुभूति = सावन का महीना केवल पूजा का समय नहीं होता, यह आत्मान्वेषण, शुद्धिकरण और ध्यान का उपयुक्त काल होता है। वर्षा के शीतल जल की तरह यह महीना मन को भी शीतलता प्रदान करता है। जल की बूँदों की तरह शिव की कृपा भी भक्तों पर बरसती है। भौतिक जगत की कोलाहल से अलग होकर जब व्यक्ति शिव के ध्यान में लीन होता है, तब उसे परम शांति का अनुभव होता है। शिव को अर्धनारीश्वर रूप में भी पूजा जाता है, जो जीवन के संतुलन का प्रतीक है—पुरुष और स्त्री, शक्ति और शिव, संकल्प और क्रिया—सभी का एकत्व। सावन मास में प्रकृति भी इसी संतुलन की झलक देती है—धरती की प्यास बुझती है, आकाश नाचता है, पेड़ हरे-भरे होते हैं और जीव-जंतु उल्लासित होते हैं। यह सब शिव की जटाओं से बहती कृपा के ही रूप हैं। श्रद्धा का पर्व = कांवड़ यात्रा = सावन मास में 'कांवड़ यात्रा' एक विशेष धार्मिक अनुष्ठान होता है जिसमें लाखों श्रद्धालु गंगोत्री, हरिद्वार, गढ़मुक्तेश्वर, देवघर आदि से गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करके शिवलिंगों पर जल चढ़ाते हैं। ये भक्त कांवड़िए कहलाते हैं और पूरे अनुशासन, ब्रह्मचर्य और नियमों का पालन करते हुए यह यात्रा करते हैं। यह यात्रा न केवल एक धार्मिक आयोजन होती है बल्कि संयम, श्रद्धा और समर्पण का ऐसा उदाहरण होती है जो भारत की आध्यात्मिक चेतना को प्रमाणित करती है।

विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

भारतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छे?ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारहीन आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे नेता संविधान की दुहाई देते हैं, वे स्वयं संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। लोकतंत्र की आत्मा पर इस तरह का प्रहार विपक्ष की भूमिका पर एक बड़ा प्रश्न है। विडम्बना एवं चिन्ताजनक है कि राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में भी मोदी-भाजपा का विरोध करते-करते देश-विरोध पर उतर जाते हैं, जिससे विदेशों में भारत की छवि का भारी नुकसान होता है और विदेशियों को लगता था कि भारत में लोकतंत्र और संविधान ढह रहा है।

नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं उनके सहयोगी जब यह कहते हैं कि 'देश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है', 'संविधान खतरे में है', तब यह केवल एक राजनीतिक शगूफा प्रतीत होता है, न कि कोई तर्कसम्मत आलोचना। यदि वास्तव में लोकतंत्र खतरे में होता, तो क्या वे हर मंच से खुलकर सरकार की आलोचना कर पाते? क्या संसद, मीडिया, चुनाव आयोग, और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं उनके वक्तव्यों को स्थान देतीं? असल में तो 1975 में लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में आये थे जब तत्कालिन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी सरकार बचाने हेतु अनुच्छेद 352 के अंतर्गत 'आंतरिक अशांति' के आधार पर आपातकाल लगाया तथा लोकतंत्र और संविधान को दरकिनार कर हजारों नेताओं एवं बेगुनाह लोगों को कठोर कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया। आजादी के बाद तब पहली और आखरी बार लोकतंत्र खतरे में आया था, तब संविधान भी खतरे में चला गया था। राहुल गांधी अपने गिरेबान में झांकने एवं कांग्रेस के अतीत को देखने की बजाय मोदी-भाजपा पर लोकतंत्र एवं संविधान को खतरे में डालने का बेबुनियाद, भ्रामक एवं आधारहीन आरोप मंढते हैं। इन त्रासद स्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि अपने खोए हुए जनाधार को पुनः प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। विशेषतः लोकसभा हो या विधानसभा के चुनाव-इनमें जरूरी एवं जनता से जुड़े विषयों को उठाने की बजाय लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे में होने के राग से जनता को गुमराह करना आम बात हो गयी है।

देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता-सूचियों में अपना नाम

अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंख्या संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में 'मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण' का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई।

विपक्ष लम्बे समय से चुनाव आयोग को निशाना बना रहा है, कभी निष्पक्ष मतदान पर तो कभी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सवाल उठाते रहा है। चूंकि चुनाव ही सत्ता की सीढ़ी है, इसलिए लोकसभा चुनाव में परास्त होने और अनेक राज्यों में अप्रासंगिक होने से चुनाव आयोग पर आरोप तथा लांछन लगाना विपक्ष के लिए काफी आसान हो गया है। कभी वह चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों और निर्णयों पर अंगुली उठाता है, कभी उसे भाजपा के इशारे पर काम करने वाला बताता है, कभी ईवीएम, मतदाता सूची में अनियमितता, डाटा देने में विलंब, दलीय पक्षपात आदि का मुद्दा उठाकर चुनाव आयोग की छवि नष्ट करने का प्रयास करता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को हरी झंडी देकर विपक्ष की बोलती बंद कर दी।

विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियों के माध्यम से शासन को दिशा देना होती है। किंतु आज का विपक्ष न तो पाकिस्तान-चीन के खतरनाक मनसूंबों, न गरीबी, न महंगाई, न बेरोजगारी, न सांप्रदायिक सौहार्द, न सीमा पर प?ोसी देशों की चुनौती, और न ही किसानों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को लेकर कोई ठोस योजना प्रस्तुत कर पा रहा है और न ही इन बुनियादी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा पा रहा है। उनकी राजनीति केवल मोदी और भाजपा विरोध तक सीमित होकर रह गई है। जब राजनीति 'विकास' की बजाय 'विरोध' पर केंद्रित हो जाए, तो वह जनहित नहीं, केवल सत्ता की भूख बन जाती है।

विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है। भाजपा पर 'तानाशाही', 'संविधान बदलने की साजिश', 'जनविरोधी नीतियों' जैसे आरोप लगाना विपक्ष की आदत बन चुकी है। किंतु हर बार जनता ने चुनाव में स्पष्ट बहुमत देकर इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। जनता जानती है कि ऑपरेशन सिन्दूर, डिजिटल इंडिया, गरीबमुक्त भारत, आत्मनिर्भर भारत, महिला आरक्षण, जी-20 की सफल अध्यक्षता, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, गरीबों के लिए मुफ्त राशन, उन्नत सड़के, चमकती रेल एवं चमकते रेल्वे स्टेशन, घर, शौचालय और जल जैसी योजनाएं सिर्फ नारों से नहीं, संकल्प और समर्पण से संभव हुई हैं।

क्या राहुल गांधी या इंडी गठबंधन के पास कोई ठोस आर्थिक नीति, सुरक्षा रणनीति, या सामाजिक समरसता का ब्लूप्रिंट है? क्या वे यह बता सकते हैं कि वे भारत को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, या केवल मोदी विरोध को ही नीति मान बैठे हैं? भारतीय जनता राजनीतिक रूप से परिपक्व हो चुकी है। वह अब भावनात्मक और भ्रामक नारों के बजाय ठोस उपलब्धियों और दूरदर्शिता को प्राथमिकता देती है। ऐसे में विपक्ष का यह दुष्प्रचार केवल उनकी साख को ही नुकसान पहुंचा रहा है। विपक्ष को चाहिए कि वह सकारात्मक राजनीति करे, वैकल्पिक नीति प्रस्तुत करे, और जनता के विश्वास को अर्जित करे, न कि लोकतंत्र के अस्तित्व को ही संदेह के घेरे में लाकर अपनी विफलताओं पर पर्दा डाले। राजनीति केवल विरोध नहीं, समाधान का माध्यम होनी चाहिए।

-ललित गर्ग

अच्छे इतिहासकार ही हकीकत बता सकते हैं

अभी एक चर्चा का विषय बना है मुगल सम्राट अकबर का एन सी आर टी के पाठ्यक्रम में बदलाव जिसमें पहले अकबर को इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में एक अच्छा मुगल शासक बताया गया उसपर कई फिल्म भी बने लेकिन अच्छे इतिहासकार से अहले जानने की कोशिश करें जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर मुगल को अक्सर एक महान और सहिष्णु व्यक्ति बताया जाता है जो सही नहीं है ऐ अच्छे इतिहासकार से जाने,अकबर का शासनकाल क्रूरता और सहिष्णुता का मिश्रण था, जबकि औरंगज़ेब एक सैन्य शासक था जिसने गैर-इस्लामी प्रथाओं पर प्रतिबंध लगाया और गैर-मुसलमानों पर फिर से कर लगाए - एनसीईआरटी की कक्षा 8 की नई सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक प्रमुख मुगल सम्राटों को इसी तरह प्रस्तुत करती है। यदि किसी भी ध र्म में मानवता को ही सही माना गया है न ही किसी हिंसा का स्थान है अतः मुगलों का शासन भारत माता को कभी अपना नहीं माना परिवारवाद और हिन्दू पर खुब अत्याचार हुए हैं जिसका विरोध मुसलमानो ने भी किया क्योंकि मुगलों से लोहा लेने वाले सिखों के दशवे गुरुगुरुगोविन्द सिंह ने पहाड़ी राजा से भी युद्ध लड़ना पड़ा जिसमें मुसलमानो की भी संख्या थी और जो मुगल के अत्याचार को देखते हुए भी इतना नहीं सोचा कि आपस में बड़ा छोटा का भेदभाव मिटा कर भारत माता का सच्चा सेवक बने इसलिए उस समय इतिहास लिखने वाले ने अपने मन मुताविक इतिहास लिखा इसमें कोई संदेह नहीं है यदि ऐसा ना है तो कहाँ किसी मुगल शासन में भगवान राम के बारे में कुछ सही लिखा हो जबकी गुरूगोविन्द सिंह ने मुगलों की सेना से लड़े और भगवान राम के अवतार के रूप में आज भी सिख इतिहास में दर्ज है जो न्याय और सत्य दया सेवा का प्रतिक है इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर मुगल को अक्सर एक महान और सहिष्णु व्यक्ति बताया जाता है; यह मुगल शासन के उस उज्ज्वल पक्ष को दिखाने की कोशिश है, जिसने हिंदुओं का बेरहमी से कत्लेआम किया और भारतीय संस्कृति के कुछ सबसे मज़बूत स्तंभों - हमारे मंदिरों - को ध्वस्त कर दिया।जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर ने मुगल साम्राज्य की बागडोर अपने पिता हुमायूँ मुगल के शाही पुस्तकालय की सीढ़ियों से उतरते समय दुर्घटनावश गिरने और गंभीर मस्तिष्क आघात से उनकी मृत्यु के बाद संभाली थी। 13 वर्ष की आयु में, युवा अकबर ने 14 फरवरी, 1556 को कलानौर स्थित अपने महल के बगीचे में अपने पिता की गद्दी संभाली। उनकी कम उम्र के कारण, साम्राज्य के मुख्यमंत्री बैरम खान को अकबर का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया गया, जब तक कि वह मुगल सल्तनत के मामलों को संभाल नहीं लेते।सिंहासन पर नज़र गड़ाए, कई अफ़गान शासकों ने मुगल साम्राज्य के खिलाफ साजिश रचनी शुरू कर दी। इन षड्यंत्रकारियों में से एक अफ़गान राजकुमार आदिल शाह था, जो मुग़ल साम्राज्य की गद्दी पर कब्ज़ा करना चाहता था। आदिल शाह के मुख्यमंत्री हेमू को मुग़ल सल्तनत को उखाड़ फेंकने और दिल्ली के आसपास के क्षेत्र पर कब्ज़ा करने का काम सौंपा गया था।अक्टूबर 1556 में, हेमू ने मुग़ल साम्राज्य पर एक आश्चर्यजनक हमला किया, जिसमें मुग़ल सेनापतियों द्वारा अनुभवी युद्ध रणनीतिकार के प्रकोप से बच निकलने के बाद उन्होंने निर्णायक रूप से विजय प्राप्त की। इस व्यापक विजय के बाद, हेमू ने स्वयं को दिल्ली का स्वतंत्र शासक घोषित किया और राजा विक्रमादित्य हेमू चंद्र के रूप में उनका राज्याभिषेक हुआ।बदला लेने की लालसा में, बैरम खान और अकबर ने अपनी सेनाएँ एकत्र कीं और नवंबर 1556 में पानीपत में राजा विक्रमादित्य की सेनाओं से युद्ध किया। युद्ध के दौरान, एक ती राजा विक्रमादित्य की खोपड़ी में जा लगा, जिससे वे अपने हाथी, हवाई पर बेहोश होकर गिर पड़े। बैरम खान के सैनिकों ने बेहोश राजा विक्रमादित्य को पकड़कर सम्राट के सामने पेश किया। बैरम खाँ के हठ पर, अकबर ने अपनी तलवार के एक तेज़ वार से राजा को उसकी सारी सेना के सामने मौत के घाट उतार दिया।वैसे तो युद्ध यहीं समाप्त हो जाना चाहिए था, क्योंकि वैदिक रीतियों के अनुसार सेनापति की मृत्यु के बाद युद्ध समाप्त हो जाता है। यह सोचकर कि अकबर उनकी रीति का सम्मान करेगा, राजा विक्रमादित्य के सैनिक अपने ठिकानों की ओर लौटने लगे। तब अकबर ने अपने सैनिकों को आदेश दिया कि वे अपने प्रतिद्वंद्वी के प्रत्येक सैनि का पीछा करें और उनके सिर काटकर, उन खोपड़ियों को ट्रॉफी के रूप में वापस लाएँ। इस भयावह घटना के बाद, अकबर ने मारे गए राजा का सिर काबुल स्थित हुमायूँ के हरम में भेज दिया; और विजय के प्रती के रूप में धड़ को दिल्ली में परेड कराया। दिल्ली लौटने के बाद, अकबर ने अपने सैनिकों को मुगल राजधानी के मध्य में विक्रमादित्य के सैनिकों की खोपड़ियों का एक मीनार बनाने का आदेश दिया - जिससे उन्हें गाजी की उपाधि मिली।1567 में, अकबर ने विवाह करो या मरो की नीति अपनाई थी, जिसके तहत उसने राजपूत राजघराने की महिलाओं से विवाह करने का सिलसिला शुरू किया। मेवाड़ के राणा उदय सिंह ने अपनी बेटी का विवाह अकबर से करने से इनकार कर दिया। क्रोधित होकर, अकबर ने मेवाड़ राज्य के विरुद्ध युद्ध छेड़ दिया और चित्तौड़ (चित्तौड़गढ़) के किले पर आक्रमण कर दिया, जहाँ 8,000 वी राजपूत किले की रक्षा के लिए तैनात थे। मुगलों ने किले पर बंदूकों से हमला किया, जिसमें राजपूत सेनापति जयमल मारा गया।जब जयमल की मृत्यु की खबर किले के निवासियों में फैली, तो वहाँ अफरा-तफरी मच गई। अकबर को अपने कब्ज़े वाले किलों की महिलाओं को अपने हरम में यौन दासी के रूप में रखने के लिए बदनाम किया जाता था, लेकिन बहादु राजपूत महिलाएँ किसी भी तरह से मुगल शासक के हाथों अपना सम्मान खोने को तैयार नहीं थीं। 24 फ़रवरी 1567 की सुबह, चित्तौड़ की राजपूत महिलाएँ मुगल शासकों के हरम में भोग्या के रूप में ले जाए जाने से बचने के लिए चिताओं पर कूद पड़ीं। चित्तौड़ का किला 30,000 हिंदू किसानों का घर था, जिनका मुगल सम्राट अकबर के आदेश पर नरसंहार किया गया।यह युद्ध महाराणा प्रताप सिंह के जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जिन्होंने बाद में चित्तौड़गढ़ के गौरव को वापस लाने का प्रयास किया।इससे मध्यकालीन भारत के इतिहास में एक नया अध्याय शुरू हुआ।मुगल सम्राट अकबर ने दीन-ए-इलाही धर्म की शुरुआत की, जिसमें उन्होंने खुद को एक पैगंबर घोषित किया, जिसकी पूजा उनके नए धर्म के अनुयायियों द्वारा की जानी थी। न तो उनके दरबार के बाहर के लोगों ने इस धर्म को अपनाया, न ही उनके अपने बच्चों ने उनके नए धर्म को अपनाया। दरअसल, उनके बेटे जहाँगीर ने एक हिंदू काफिर का सार्वजनिक रूप से कत्ल कर दिया और उसे गाज़ी की उपाधि मिली।अकबर के हरम में 5,000 से ज़्यादा पत्नियाँ थीं, और कुरान में वर्णित होने के कारण, उनके सुन्नी दरबारी उनसे नियमित रूप से पत्नियों की संख्या 4 तक सीमित रखने के लिए कहते थे। कुरान का उल्लंघन करने की उनकी नियमित आलोचना से नाराज़ होकर, उन्होंनेहज़ारों पत्नियाँ रखने के अपने नैतिक सिद्धांतों को सिद्ध करने के लिए उन्होंने दीन-ए-इलाही धर्म की स्थापना की, जिनमें रूस और अन्य देशों की किशोर लड़कियाँ भी शामिल थीं।यह मुगल सम्राट के लिए जनता को मूर्ख बनाने और अपनी प्रजा के बीच एक सहिष्णु छवि बनाने के लिए एक प्रचार उपकरण के रूप में कार्य करता था।

-संजय गोस्वामी

भारत में जीवनशैली से जुड़ी तेजी से बढ़ती बीमारियों व मोटापे से निपटने के लिए केंद्र सरकार की नई पहल- दिशानिर्देश जारी

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के हर देश के विद्वान से लेकर साधारण आम व्यक्ति को यह मानना पड़ेगा कि अर्ध सत्य, झूठ से भी अधिक खतरनाक व हानिकारक होता है इसीलिए किसी भी आदेश/निर्देश/जानकारी या बातचीत का पूरा सत्य, इसका उद्देश्य,पारदर्शिता जानना हर व्यक्ति के लिए जरूरी है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं,क्योंकि पिछले तीन दिनों से मैं एडवोकेटकिशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र, सोशल इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया में लगातार आर्टिकल्स, डिबेट विश्लेषण देख सुन व पढ़ रहा हूं कि समोसा जलेबी कचोरी फ्रेंच फ्राइज बहुत नुकसान कारक हैं,उससे बीमारियां होती है केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा इन खाद्य उत्पादों पर चेतावनी निर्देश जारी करने का निर्देश दिया है इसलिए मैं पिछले दो दिनों से लगातार इसपर रिसर्च कर अपना यह आर्टिकल तैयार किया हूं। असल में यह बात शुरू हुई है पीएम की अपील से हुई, उन्होंने 28 जनवरी 2025 को देहरादून में 38वें राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह में फिट इंडिया मूवमेंट की बात करते हुए नागरिकों से अपील की थी कि वे तेल की खपत में 10 पेर्सेंट की कमी करें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। उन्होंने अपने कार्यक्रम मन की बात में भी यह संदेश दिया था कि भारत को स्वस्थ भारत बनाना है और यह बदलाव आम लोगों की आदतों से ही आएगा। फिर ग्लोबल बर्डन आफ डिजीज (जीबीडी) रिपोर्ट 2025 में भी बताया गया कि भारत में 2021 में 18 करोड़ वयस्क मोटापे के शिकार थे जो यह आंकड़ा 2050 में बढ़कर 44.9 करोड़ तक पहुंच सकता है? हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जून 2025 में सभी स्कूलों/दफ्तरों/ संस्थानों में खाने-पीने की लोकप्रिय चीजों जैसे पिज़्ज़ा बर्गर समोसा वडा पाव कचोरी इत्यादि में मौजूद तेल में चीनी की मात्रा दिखाने वाले बोर्ड लगाने का प्रस्ताव/निर्देश दिया था। फिर 14 मई 2025 को शिक्षा मंत्रालय ने सीबीएसई स्कूलों में शुगर बोर्ड लगाने का निर्देश दिया था अब यह उसको विस्तारित कर तेल बोर्ड लगाने का निर्देश 2 दिन पूर्व ही दिया है। यानी कुल मिलाकर यह पूरी कवायत खाद्य पदार्थों में,चीनी तेल की मात्रा को रेखांकित कर उसका विकल्प चुनकर खाने व अपनीं जीवनशैली से जुड़ी तेजी से बढ़ती हुई बीमारियों व मोटापे को नियंत्रण में रखना व निपटने का एक सुझाव मात्र है, नाकि कोई जोर जबरदस्ती है, यदि इस सुझाव को पढ़ने वाला उसे नहीं मानता तो, उसकी मर्जी है। बस! यही इस मुद्दे का सार है। परंतु इसे मीडिया के माध्यम से विवादित बनाया जा रहा है,ऐसा मेरा मानना है। चूँकि भारत में जीवनशैली से जुड़ी तेजी से बढ़ती बीमारियों व मोटापे से निपटने के लिए केंद्र सरकार की नई पहल आई है,इसके निर्देश जारी कर दिए गए हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी ? सहयोग से,इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सरकार का निशाना, समोसा जलेबी कचोरी नहीं बल्कि खाद्य पदार्थों में छिपे,अतिरिक्त चीनी व तेल केहानिकारक सेवन के विकल्प से जागरूक कराना है। साथियों बात अगर हम तेल चीनी बोर्ड लगाने के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आदेश/निर्देश को समझनें की करें तो स्वास्थ्य मंत्रालय के मुख्य सचिव ने सभी विभागों को तेल और चीनी बोर्ड लगाने के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने और मोटापे तथा गैर-संचारी रोगों से निपटने के लिए, देश भर के केंद्रीय संस्थानों में लागू किया जाएगा। इन तेल और चीनी बोर्डों नाश्ते में मौजूद वसा और चीनी की मात्रा को दर्शाया जाएगा, जिससे लोगों को जंक ?ूड के बारे में जानकारी मिल सके।उद्देश्य=-इस पहल का मुख्य उद्देश्य, लोगों को उनके दैनिक भोजन में मौजूद वसा और चीनी की मात्रा के बारे में जागरूक करना है, ताकि वे स्वस्थ जीवनशैली अपना सकें।कार्यान्वयन=-ये बोर्ड, स्कूलों, कार्यालयों, सार्वजनिक संस्थानों और कैंटीन में लगाए जाएंगे, ताकि लोगों को इन खाद्य पदार्थों के हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी मिल सके।डिजिटल डिस्प्ले=-कुछ संस्थानों में, इन बोर्डों को डिजिटल रूप से प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक यह जानकारी पहुंच सके।अन्य उपाय=-इसके अतिरिक्त, मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों को आधिकारिक स्टेशनरी और प्रकाशनों पर स्वास्थ्य संदेश छापने का भी निर्देश दिया है, ताकि मोटापे से लड़ने के लिए दैनिक अनुस्मारक दिया जा सके।स्वस्थ भोजन को बढ़ावा=- मंत्रालय ने कार्यालयों में स्वस्थ भोजन विकल्पों को बढ़ावा देने और शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने के लिए भी कदम उठाए हैं, जैसे कि सीढ़ियों का उपयोग करने और पैदल चलने के मार्गों की सुविधा प्रदान करना फिट इंडिया मूवमेंट=-यह पहल,फिट इंडिया मूवमेंट का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। साथियों बात अगर हम केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारासभी मंत्रालयों को लिखे पत्र की करें तो, केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, विभागों और स्वायत्त निकायों को हाल ही में लिखे एक पत्र में कहा की, हम विभिन्न स्थानों पर स्वस्थ आहार संबंधी आदतों को बढ़ावा देने के लिए चीनी और तेल बोर्ड पहल का प्रदर्शन करने का प्रस्ताव दिए जा रहे हैं। ये बोर्ड स्कूलों, कार्यालयों, सार्वजनिक संस्थानों आदि में रोज़मर्रा के खाद्य पदार्थों में छिपे वसा और चीनी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदर्शित करते हुए दृश्य व्यवहारिक संकेत के रूप में काम करेंगे। यह अभियान सबसे पहले नागपुर में शुरू किया जा रहा है, जहाँ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) इस पहल के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में काम करेगा।स्वस्थ विकल्पों को प्रोत्साहित करते हुए,सरकारी विभागों से मोटापे से लड़ने के दैनिक अनुस्मारक को सुदृढ़ करने के लिए सभी आधिकारिक स्टेशनरी और प्रकाशनों पर स्वास्थ्य संदेश छापने का अनुरोध किया। अपने पत्र में, स्वास्थ्य सचिव ने द लैंसेट में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन का हवाला दिया, जिसमें अनुमान लगाया गया था कि 2050 तक लगभग 45 करोड़ भारतीय अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं। इसका मतलब है कि सदी के मध्य तक, चीन के बाद, भारत में दुनिया में दूसरे सबसे अधिक अधिक वजन और मोटे लोग होने की संभावना है। नागपुर में अब लोकप्रिय फ़ूड स्टॉल्स के पास कैलोरी काउंट पोस्टर लगा होगा, जिसमें चीनी, वसा और ट्रांस-फ़ैट की मात्रा के बारे में स्पष्ट जानकारी होगी। इसमें बार-बार सेवन से होने वाले दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिमों की रूपरेखा होगी। ये चेतावनियाँ प्रत्यक्ष और जागरूकता पैदा करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। इसका उद्देश्य संयम को बढ़ावा देना है, प्रतिबंध को नहीं। इस अभियान का इस साल के अंत में अन्य शहरों में विस्तार होने की उम्मीद है और हमें उम्मीद है कि यह कदम लोगों को अधिक सोच-समझकर भोजन चुनने के लिए प्रोत्साहित करेगा।समोसे, पकौड़े, चाय-बिस्कुट या जलेबी में कितना तेल, चीनी और ट्रांस फैट मौजूद है? इसकी जानकारी अब आपको मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी सरकारी विभागों से अपने कैफेटेरिया, लॉबी और मीटिंग रूम में ऐसी जानकारी प्रदर्शित करने के निर्देश दिए है। यह जानकारी लोकप्रिय भारतीय स्नैक्स के स्वास्थ्य जोखिमों को उजागर करने के लिए है, खासकर ऐसे समय में जब देश भर में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ तेजी से बढ़ती जा रही हैं। साथियों बात अगर हम वर्तमान खास परिवेश के संबंध में डब्लूएचओ के विचारों की करें तो, एक नए अध्ययन से पता चलता है कि भारत में मधुमेह का प्रमुख कारण अति-प्रसंस्कृत और फास्ट फूड का सेवन है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि वर्तमान खाद्य परिवेश, जिसमें बहुत से लोग रहते हैं, काम करते हैं और अपना दैनिक जीवन व्यतीत करते हैं, में अत्यधिक प्रसंस्कृत और आसानी से उपलब्ध खाद्य पदार्थ शामिल हैं जिनमें अस्वास्थ्यकर वसा, शर्करा और सोडियम की मात्रा अधिक होती है। इनमें से कई खाद्य पदार्थों का विपणन भी बहुत अधिक होता है और वे अपेक्षाकृत सस्ते भी होते हैं।परिणामस्वरूप, उपभोक्ताओं को अक्सर स्वस्थ भोजन से संबंधित निर्णय लेने में चुनौती का सामना करना पड़ता है। अस्वास्थ्यकर आहार अब वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम में अग्रणी, मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग, स्ट्रोक और कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों में योगदान दे रहा है।

साथियों बात अगर हम सीबीएसई द्वारा अपने सभी स्कूलों में तेल बोर्ड लगाने के आदेश की करें तो, देश में बढ़ते मोटापे को देखते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने एक बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार को सीबीएसई के निदेशक ने सभी स्कूल प्रमुखों को पत्र लिखकर निर्देश दिया कि वे अपने स्कूलों में 'ऑयल बोर्ड' लगाएं और छात्रों के बीच स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा दें। यह कदम 14 मई 2025 को जारी 'शुगर बोर्ड' से संबंधित सर्कुलर का ही विस्तार है।

अतः अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि -सरकार का निशाना, समोसा जलेबी कचोरी नहीं बल्कि खाद्य पदार्थों में छिपे,अतिरिक्त चीनी व तेल केहानिकारक सेवन के विकल्प से जागरूक कराना है,सभी मंत्रालयों, विभागों, स्वायतः संस्थानों को निर्देश जारी-समोसा कचोरी फ्रेंच फ्राइज इत्यादि में कितना तेल व शुगर है, बोर्ड लगाकर दर्शाएं,भारत में जीवनशैली से जुड़ी तेजी से बढ़ती बीमारियों व मोटापे से निपटने के लिए केंद्र सरकार की नई पहल- दिशानिर्देश जारी।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। ऊपरी स्तरों पर बिकवाली से शनिवार को अनाज मंडी में चना घटाकर बोला गया। मूंग व मसूर में बाजार बने रहे। किराना जिंसों में हरि इलायची में सुस्ती रही। खाद्य तेलों में बाजार मजबूती बनाये रहे। तिलहनों में सरसो व सोयाबीन मजबूत बना रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में ऊपरी स्तरों पर बिकवाली से बाजार नरमी के रहे। चना ऊपरी स्तरों से 50 रू. क्विंटल फिसला, मूंग व मसूर में टिकाव रहा। किराना जिंसों में हरि इलायची पूछपरख सामान्य रहने व उत्पादन वृद्धि की संभावना में सुस्त रही। खाद्य तेलों में कारोबार ठंडा-ठंडा रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4100-4135, खोपरा गोला 340-390, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 920-940, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300-3350, (160) 4100-4150, (200) 4800-4850, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1410-1430, मुम्बई 1450, राजकोट तेलिया 2250-2275, सोया साल्वेंट 1135-1150, सोया रिफाइंड 1200-1210, कपास्या 1310-1320, धूलिया 1325, कड़ी 1325,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1410, मुम्बई पाम 1190-1200, मुम्बई सोया 1220,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7100, रायडा 6800-7000, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6200-6250, एवरेज 6100-6150, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 5900-6000, मूंग देशी 7300-7400, पाला 7200-7300, चमकी 7400-7500, नायलोन 7600-7650, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। पूछपरख सामान्य रहने से शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 112800, चॉंदी (99) 112700, टंच 111900, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 98200,

नीति आयोग ने चीनी कंपनियों के निवेश नियमों में ढील देने का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली। भारत सरकार के नीति आयोग ने चीनी कंपनियों के निवेश नियमों में ढील देने का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत चीनी कंपनियां किसी भारतीय कंपनी में 24 फीसदी तक की हिस्सेदारी बिना सुरक्षा मंजूरी के ले सकेंगी। यह प्रस्ताव 2020 में सीमा विवाद के बाद लागू किए गए कड़े नियमों में बदलाव का हिस्सा है। वर्तमान में चीनी निवेश के लिए गृह और विदेश मंत्रालय की मंजूरी अनिवार्य होती है, जिससे बड़े सौदों में देरी होती है। नीति आयोग का मानना है कि नियमों में ढील से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)बढ़ेगा। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी मंत्रालयों और प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा विचाराधीन है और इसे राजनीतिक स्तर पर अंतिम मंजूरी मिलनी बाकी है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आप अच्छे भोजन का आनंद लेंगे और आपको धन प्राप्ति के मार्ग खुलेंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोगों के लिए दिन काफी खुशनुमा रहेगा। किसी काम को लेकर यदि समस्या चल रही थी, तो वह भी खत्म हो सकती है। आपका कोई पुराना लेनदेन चुकता होगा। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे बीच विचार करने आ सकता है। आपको जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करना होगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए बिजनेस के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको अपनी जरूरत की आवश्यकताओं की पूर्ति पर पूरा ध्यान देना होगा। संतान से किसी बात को लेकर कहासुनी होने की संभावना है। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करे, क्योंकि आपको कोई चोट चपेट आदि लग सकती है। आप किसी बात को लेकर यदि परेशान चल रहे थे, तो उसके लिए आप अपने पिताजी से सलाह मशवरा आवश्यक करें।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए चिंताग्रस्त रहने वाला है। खर्च अधिक रहने से आप परेशान रहेंगे। आपको कोई आंखों से संबंधित समस्या परेशान कर सकती हैं। आपको अपने बिजनेस में भी नुकसान होने से समस्या बनी रहेगी। परिवार के सदस्यों के साथ आप अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आप कहीं बाहर जाकर घूमने फिरने की भी सोच सकते हैं, लेकिन भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा, जिससे आपके मन में टेंशनों से भी काफी हद तक छुटकारा मिलेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपका यदि अटका हुआ धन था, तो उसके मिलने की संभावना है। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे से आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आप किसी दूसरे पर ज्यादा डिपेंड ना रहें, नहीं तो वह आपका फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। परिवार में सदस्यों में एकजुटता बनाए रखनी होगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए कोर्ट कचहरी से संबंधित मामले में अच्छा रहने वाला है। किसी कानूनी मामले में आपको सफलता मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आपको संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा। आप अपने बिजनेस में और कुछ नई योजनाओं को लाने पर सोच विचार कर सकते हैं। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। विदेशो से व्यापार कर रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने के योग बनते रहे बना रहे हैं। आपको घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेंगी। आपको किसी सामाजिक कार्यक्रम से जुड़ने का मौका मिलेगा। आप गरीबों की सेवा के लिए भी आगे आएंगे, लेकिन आपके मन में किसी बात को लेकर संशय हो, तो आप उस काम में बिल्कुल आगे ना बढ़ें।

तुला- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना होगा और आपको यदि कोई जिम्मेदारी मिले, तो आप उसमें ढील बिल्कुल ना दें। आप कुछ मौज-मस्ती के मूड में रहेंगे। दोस्तों के साथ भी काफी अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आप अपने जीवनसाथी की फरमाइश पर उनके लिए कुछ शॉपिंग आदि कर सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए कुछ नया करने के लिए रहेगा। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को कोई बेहतर अफसर हाथ मिलेगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। आपकी किसी परिजन से वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो आप उसमें चुप लगाएं। किसी पैतृक संपत्ति की आपको प्राप्ति हो सकती हैं। आपकी अपने भाई व बहनों से एकजुटता बनी रहेगी। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा भी दूर होगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से थोड़ा कमजोर रहने वाला है। आपकी कोई पुरानी समस्या उभर सकती है आपके शत्रु भी आप पर हावी होने की कोशिश करेंगे, जिनके लिए आपको योजना बनाकर चलने की आवश्यकता है। आप अपने कामों में कोई गड़बड़ी न करें। आज आपके बॉस का व्यवहार भी थोड़ा कठोर रहेगा। राजनीति में आपको किसी बड़े पद के मिलने की संभावना है। आप आज चांद धर्म के कामों में भी पर चढ़कर हिस्सा लेंगे।

मकर- आज का दिन आपके लिए जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचने के लिए रहेगा, लेकिन विद्यार्थियों के लिए यह समय बढ़िया रहने वाला है। लेकिन बाहर जाकर पढ़ाई करने का आपको अवसर हाथ लग सकता है। आपको अपने माता-पिता की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालना होगा और आप किसी काम को लेकर मेहनत से बिल्कुल पीछे ना हटें। आपके मित्रों की संख्या में भी इजाफा होगा।

कुंभ- आज का दिन आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आपकी शुभ सुविधाएं बढेगी। आप किसी भूमि, भवन आदि की खरीदारी कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छे रहेगी। आप अपनी संतान की पढ़ाई लिखाई में चल रही समस्याओं को भी दूर करने की पूरी कोशिश करेंगे। आपको किसी नए काम की शुरुआत करना भी बेहतर रहेगा। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको अच्छी सफलता मिलेगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। सेहत में यदि कोई समस्या चल रही थी, तो उसमें भी सुधार आएगा, लेकिन जीवनसाथी की आपसे किसी बात को लेकर कहासुनी होने की संभावना है। आप अपनी आर्थिक स्थिति को लेकर कोई महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं।

शब्दजाल - 7965

शब्दजाल में हिंदू कैलेंडर के 10 माह के नाम ढूंढिए। नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं।

फाल्गुन, पौष, चैत्र, मार्गशीर्ष, कार्तिक, सावन, ज्येष्ठ, भादवा, आषाढ़, वैशाख

शब्दजाल - 7964 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6909

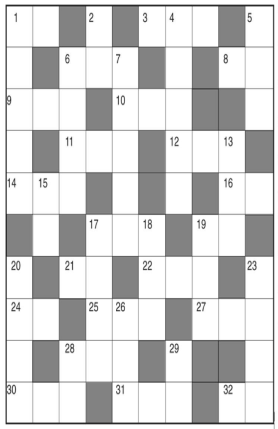

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३.२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीत बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू, रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6908

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

20 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

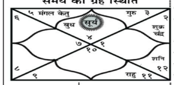

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.10 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	07.30 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	09.42 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	11.53 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.07 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.23 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.29 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.15 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.48 बजे से
		मेष	23.18 बजे से
		वृष	00.58 बजे से
		मिथुन	02.57 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2025 वर्ष का 201 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि दशमी 12.14 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 22.54 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 21.48 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 12.14 बजे तदनन्तर बव 22.57 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 39'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872411
जूलियन दिन 2460876.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 24
विशेष मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: गायिका की दरियादिली

एक बार फ्रांसीसी गायिका मेलिथान के पास एक गरीब-फटेहाल लड़का आया। बालक गायिका के पास आकर खड़ा हो गया। उसे पास देखकर मेलिथान बोली, 'बच्चे, तुम्हें क्या चाहिए? तुम मेरे पास क्यों आए हो?' बालक बोला, 'मैडम, मेरा नाम पियरे है। मैं आपके पास बहुत आशा से आया हूं। क्या आप मेरी मदद करेंगी?' मेलिथान बोली, 'हां बेटे, मैं तुम्हारी मदद करने की कोशिश अवश्य करूंगी। बताओ तुम्हारी क्या समस्या है?' इस पर बालक बोला, 'मेरी मां बहुत बीमार है मगर मेरे पास उनका इलाज कराने के लिए पैसे नहीं हैं।' यह सुनकर मेलिथान बोली, 'अच्छा तो तुम्हें मुझसे आर्थिक मदद चाहिए। बोलो मैं तुम्हारी मदद के लिए कितने पैसे दूं?' मेलिथान अपनी बात पूरी भी न कर पाई थी कि बालक बीच में ही बोला, 'क्षमा कीजिएगा मैडम, मैं आपसे मुफ्त में मदद नहीं लेना चाहता। मैं तो आपसे अलग तरह की सहायता चाहता हूं।' नन्हे से बालक की यह बात सुनकर मेलिथान हैरान हो गई और बोली, 'कैसी सहायता चाहते हो?' पियरे बोला, 'मैडम मैं आपसे यह निवेदन करने आया था कि मैंने एक कविता लिखी है। आप मुझे उसे अपने साथ संगीत सभा में गाने का अवसर प्रदान करें और आप जो उचित समझें वह पारिश्रमिक मुझे दे दें।' नन्हे से बालक की इस बात से मेलिथान बेहद प्रभावित हुई और उसने पियरे को अपने ही कार्यक्रम में अकेले गाने का अवसर दिया। बालक पियरे की करुण स्वर में गाई गई कविता वहां उपस्थित जनसमूह को छू गई। सभी दर्शकों की आंखें भीग गईं। वह कार्यक्रम बेहद सफल हुआ और उस कार्यक्रम में गायिका पर पैसे की बरसात हो गई। लेकिन मेलिथान ने दरियादिली दिखाते हुए वे सारे पैसे पियरे की मां को सौंप दिए और बोली, 'आपका बेटा बेहद काबिल है और वही इन पैसों का असली हकदार है। अब न सिर्फ आपकी बीमारी भाग जाएगी बल्कि आपका जीवन भी संवर जाएगा।' पियरे की मां ने मेलिथान के प्रति आभार प्रकट किया।

सूडोकु नवताल- 7218

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7217 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 8433

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वरीय कृपा-4
4.कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6.दुर्बल का विलोम-3
8.सुनसान,नीरव-3
9.प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11.घोषवाक्य-2
13.चित्रपट,मायानगरी -3,2
15.सूर्य,भास्कर-2
16.उपनदी,कैनाल-3
18.व्यंग,परिहास-3
19.कौर,ग्रास-3
20.दफन करना-4
22.भूल,असावधानी-4

ऊपर से नीचे

1.अगुवा,रास्ता दिखाने वाला-4
2.सरुर,नशा,गरुर-2
3.चिंतन,विचारना-3
4.परजन भावना,गैरपन-5
5.भिड़ना,मुठभेड़-4
7.रेखा,लाईन-3
10.झाग बनना-5
12.सीमा,हद,बॉर्डर-4
14.शाखा,डाली-3
17.रिवाज,परंपरा-4
18.पाबंदी,रोक-3
21.स्वच्छ-2

शब्द पहेली -8432 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट का रुख रहा

मुंबई। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का रुख देखने को मिला, लेकिन कुल मिलाकर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को आईटी शेयरों में बिकवाली और विदेशी निवेशकों की निकासी के चलते सेंसेक्स और निफ्टी में कमजोरी के साथ हुई। सेंसेक्स 247 अंक गिरकर 82,253.46 पर और निफ्टी 67.55 अंक गिरकर 25,082.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को बाजार ने थोड़ी राहत दी और दोनों सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 317 अंक की तेजी रही जबकि निफ्टी 113 अंकों की मजबूती के साथ 25,195.80 पर पहुंचा। हालांकि यह तेजी टिक नहीं सकी और बुधवार से फिर गिरावट का दौर शुरू हो गया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में हल्की गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को बाजार ने और ज्यादा दबाव महसूस किया। सेंसेक्स 375 अंक गिरकर 82,259.24 पर बंद हुआ जबकि निफ्टी भी 100 अंक टूटकर 25,111.45 पर आ गया। सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को बिकवाली और बढ़ गई। सेंसेक्स 501 अंक लुढ़क कर 81,757.73 पर बंद हुआ और निफ्टी 166 अंकों की गिरावट के साथ 24,945.45 पर बंद हुआ। सप्ताहभर की बात करें तो सेंसेक्स में लगभग 510 अंकों की गिरावट आई जबकि निफ्टी ने करीब 133 अंक गंवाए। बाजार में इस कमजोरी की प्रमुख वजह विदेशी निवेशकों की सतत बिकवाली, आईटी सेक्टर में दबाव और वैश्विक संकेतों की अनिश्चितता रही। निवेशकों के लिए फिलहाल सतर्क रहने की सलाह दी जाती है, विशेषकर वैश्विक आर्थिक संकेतकों और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर नज़र रखते हुए।

ईयू के नए तेल प्रतिबंध से रिलायंस और नायरा पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस पर अपने 18वें प्रतिबंध पैकेज के तहत कड़े कदम उठाए हैं, जिनका सीधा असर भारत की दो प्रमुख तेल कंपनियों—रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी पर पड़ सकता है। ईयू ने रूसी कच्चे तेल की कीमत सीमा को घटाकर 47.6 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो 3 सितंबर 2025 से लागू होगी। इसके अलावा रूसी संबंधों वाली कंपनियों और तेल परिवहन सेवाओं पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। नायरा एनर्जी, जिसमें रूसी कंपनी रोजनेट की 49 फीसदी हिस्सेदारी है, अब यूरोप को ईंधन निर्यात नहीं कर सकेगी। साथ ही उसे यूरोपीय बैंकिंग और तकनीकी सेवाओं से भी वंचित किया जा सकता है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज जो रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदकर यूरोप में डीजल निर्यात करती है, उसे अब या तो रूस से तेल खरीदना बंद करना होगा या यूरोपीय बाजार से हाथ धोना पड़ेगा। भारत सरकार ने ईयू के इस कदम का विरोध करते हुए कहा कि वह ऐसे किसी एकतरफा प्रतिबंध को मान्यता नहीं देती। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा सर्वोपरि है और वैश्विक नियमों में दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि इन प्रतिबंधों को लागू करना ईयू के लिए भी आसान नहीं होगा, क्योंकि अधिकतर तेल व्यापार अमेरिकी डॉलर में होता है और भारतीय कंपनियां अक्सर बिचौलियों के जरिए लेनदेन करती हैं। ऐसे में यह प्रतिबंध भारतीय कंपनियों के लिए चुनौती जरूर हैं, लेकिन पूर्ण रूप से प्रभावी होंगे, यह कहना जल्दबाज़ी होगा।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में भारत को सतर्क रहने की जरूरत- रघुराम राजन

नई दिल्ली । वाशिंगटन में इस सप्ताह भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर पांचवें दौर की बातचीत हुई। भारत ने अमेरिका से अप्रैल में घोषित 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क, इस्पात और एल्युमीनियम पर 50 प्रतिशत शुल्क तथा वाहनों पर 25 प्रतिशत शुल्क हटाने की मांग दोहराई है। वार्ता के बीच पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन ने भारत को कृषि और डेयरी क्षेत्र को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि विकसित देश अपने कृषि उत्पादकों को भारी सब्सिडी देते हैं, जबकि भारत के किसान छोटे और सीमित संसाधनों वाले हैं। ऐसे में यदि आयात पर अधिक रियायतें दी गईं तो इससे देश के किसानों को नुकसान हो सकता है। राजन ने कहा कि भारत को चाहिए कि वह डेयरी जैसे क्षेत्रों में विदेशी निवेश को प्रोत्साहित कर मूल्यवर्धन की दिशा में काम करे, न कि विदेशी दुग्ध उत्पादों के आयात के लिए बाज़ार खोले। उन्होंने यह भी जोड़ा कि व्यापार समझौते करते समय भारत को संतुलित और रणनीतिक रुख अपनाना चाहिए। वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6-7 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है, हालांकि आगे इसमें थोड़ी गिरावट संभव है। साथ ही यदि अमेरिका चीन और अन्य देशों पर उच्च शुल्क बनाए रखता है, तो इससे भारत के लिए नए व्यापार और विनिर्माण अवसर खुल सकते हैं। भारत अब तक किसी भी व्यापार समझौते में कृषि और डेयरी पर शुल्क रियायत नहीं देता रहा है, और इस रुख को फिलहाल बरकरार रखा गया है।

क्षेत्र में यूरिया खाद की किल्लत से किसान परेशान, रोपाई कार्य प्रभावित

लांजी (पद्मेश न्यूज)। बारिश के मौसम में खेती-किसानी का कार्य जोरों पर है, लेकिन क्षेत्र के किसानों को यूरिया खाद की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। खरीफ फसलों की रोपाई के इस महत्वपूर्ण समय में सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध न होने से किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। क्षेत्र में यूरिया खाद की कमी के कारण फसलों की बुवाई और देखभाल में देरी हो रही है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान का डर सता रहा है। स्थानीय किसानों का कहना है कि पूर्व के वर्षों में उन्हें उनकी आवश्यकता के अनुसार खाद आसानी से मिल जाता था, लेकिन इस वर्ष स्थिति बदली हुई है। मोहझरी के किसानों ने बताया, पहले हमें एक एकड़ के लिए पर्याप्त खाद मिल जाता था, लेकिन इस बार प्रति एकड़ केवल एक बोरी यूरिया खाद दी जा रही है, जो कि बिल्कुल भी पर्याप्त नहीं है। फसलों की उचित देखभाल के लिए हमें कम से कम दो से तीन बोरी खाद की जरूरत है। अन्य किसानों ने भी इस बात पर सहमति जताते हुए कहा कि खाद की कमी के कारण उनकी फसलों की वृद्धि पर बुरा असर पड़ रहा है।

27 जून से युरिया खाद का स्टॉक खत्म -लिपिक मोरेश्वर आठोड़े

सेवा सहकारी समिति मोहझरी के लिपिक मोरेश्वर आठोड़े ने बताया कि इस सीजन में समिति को 36 टन खाद की आपूर्ति हुई थी, जो लगभग सभी किसानों के बीच वितरित कर दी गई है। उन्होंने कहा, 卐27 जून के बाद से समिति में यूरिया खाद की नई खेप नहीं आई है। वर्तमान में किसानों को खेतों में खाद डालने के लिए यूरिया की सख्त जरूरत है, लेकिन स्टॉक खत्म होने के कारण हम असमर्थ हैं।卐 आठोड़े ने यह भी बताया कि जिला प्रशासन ने प्रति एकड़ एक बोरी यूरिया खाद देने के निर्देश दिए हैं, जिसके कारण किसानों की मांग के अनुसार अधिक खाद देना संभव नहीं हो पा रहा है।

जिला प्रशासन पर बढ़ा दबाव

किसानों ने शासन और जिला प्रशासन से मांग की है कि यूरिया और अन्य उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि उनकी फसलों को समय पर पोषण मिल सके। यह समय धान और अन्य खरीफ फसलों की रोपाई का है। अगर समय पर खाद नहीं मिला तो फसलों की पैदावार पर गंभीर असर पड़ेगा, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर खाद की आपूर्ति बढ़ाने की मांग की है।

कालाबाजारी का खतरा

खाद की कमी के कारण क्षेत्र में कालाबाजारी की आशंका भी बढ़ गई है। यह भी जानकारी प्राप्त हुई कि क्षेत्र में भारी मात्रा में महाराष्ट्र से यूरिया खाद लाकर ऊंचे दामों में बेचा जा रहा है। किसानों का कहना है कि सहकारी समितियों में खाद न मिलने पर उन्हें निजी दुकानों से ऊंचे दामों पर यूरिया खरीदना पड़ रहा है। एक किसान ने बताया, बाजार में एक बोरी यूरिया 300 से 400 रुपये तक बिक रही है, जबकि सरकारी दर 266 रुपये प्रति बोरी है। यह हमारे लिए दोहरी मार है।

प्रशासन का दावा

जिला प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि वे खाद की आपूर्ति को लेकर लगातार प्रयास कर रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया, हम खाद की उपलब्धता बढ़ाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार के साथ समन्वय कर रहे हैं। जल्द ही नई खेप आने की उम्मीद है। हालांकि, किसानों का कहना है कि ये दावे जमीन पर हकीकत में तब्दील नहीं हो रहे हैं, और उन्हें रोजाना सहकारी समितियों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

किसानों की मांग

किसानों ने मांग की है कि प्रति एकड़ खाद की मात्रा बढ़ाई जाए और सहकारी समितियों में नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही, उन्होंने कालाबाजारी पर रोक लगाने और बाजार में उर्वरकों की बिक्री की निगरानी के लिए सख्त कदम उठाने की अपील की है।

मोहझरी और आसपास के क्षेत्रों में यूरिया खाद की कमी ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बारिश के इस मौसम में जब खेती का कार्य चरम पर है, खाद की अनुपलब्धता किसानों के लिए एक बड़ा संकट बन गई है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो क्षेत्र में फसलों की पैदावार पर गंभीर असर पड़ सकता है। शासन और प्रशासन को तत्काल कदम उठाकर किसानों की इस समस्या का निदान करना होगा, ताकि अन्नदाता की मेहनत रंग ला सके।

कावंड़ यात्रा का दुसरा जत्था 21 जूलाई सोमवार होगा रवाना

लांजी (पद्मेश न्यूज)। बोल बम सेवा समिति के द्वारा आयोजित कावंड़ यात्रा का दूसरा जत्था 21 जुलाई सोमवार को बोल बम सेवा समिति के कार्यालय भिलाई रोड गायत्री मंदिर के सामने से सुबह 7 बजे रवाना होगा। दुसरे जत्थे के कावड़ यात्रा के लिये समिति के सदस्यो के द्वारा बैठक कर रूप रेखा बना ली गई है। बतादे कि बोल बम सेवा समिति के द्वारा आयोजित कांवड़ यात्रा का यह 26वॉ वर्ष है इस 26 वें वर्ष का दुसरा जत्था 21 जुलाई को रवाना होगा जो कि छोटी बाघ नदी के उद्गम स्थल चहेली सीतापाला से पवित्र जल लाकर कोटेश्वर धाम पंहुचकर जलाभिषेक किया जायेगा। कांवड़ यात्री जंगल के रास्ते, चहेली सीतापाला से निकलकर, कान्द्रीघाट, टीमकीटोला,

रिसेवाड़ा, वारी, बम्हनवाड़ा, लोहारा, भुरसाडोंगरी, कालीमाटी, नीमटोला होते हुये लांजी से कोटेश्वर धाम पंहुचते है। जहां समिति के द्वारा कान्द्रीघाट में कांवड यात्रियो के लिये जलपान की व्यवस्था की जाती है। इसके अतिरिक्त अनेको ऐसे भक्त गण है जो कि कांवड़ यात्रा के मार्ग में कांवडियो के लिये अनेको खाद्य पदार्थ, फल आदि की व्यवस्था करते है। कोटेश्वर धाम पंहुचकर कांवड़ यात्री मंत्रोच्चारण के साथ भगवान कोटेश्वर नाथ का जलाभिषेक कर पूण्य लाभ अर्जित करते है। वहीं धर्म नगरी लांजी में स्थित भगवान कोटेश्वर नाथ 108 उपलिंगो में से एक है। जहां प्रतिदिन कोटेश्वर धाम में भक्तो का आवागमन रहता है वही श्रावण मास पर भक्तो की भीड़ 10 गुना अधिक हो जाती है आस पास के पडोसी राज्यो से भी भक्त गण एवं कावंड यात्री कोटेश्वर धाम पंहुचकर भगवान कोटेश्वर नाथ का जलाभिषेक करते है। इसके साथ ही कोटेश्वर धाम परिसर में अनेको भक्तों के द्वारा महाप्रसाद भण्डारे का आयोजन किया जाता है।

6 वर्षीय बालक की नाले में डूबने से दुखद मृत्यु

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सर्रा में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जिसमें गणेश पांचे के 6 वर्षीय पुत्र सौरभ पांचे की नाले में डूबने से मृत्यु हो गई। यह दुखद घटना 18 जुलाई, 2025 को उस समय घटी, जब सौरभ अपने परिवार के साथ खेत में धान रोपाई के लिए गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गणेश पांचे, उनकी पत्नी और चार बच्चे उस दिन सुबह अपने खेत में धान रोपाई के लिए गए थे। शाम करीब 4 बजे सौरभ, जो परिवार का सबसे छोटा बच्चा था, शौच के लिए खेत के समीप बह रहे नाले की ओर गया। कुछ देर तक जब वह वापस नहीं लौटा, तो परिवार को चिंता हुई। सौरभ की मां और उसके भाई उसे ढूंढने नाले की ओर गए, जहां उन्हें सौरभ की चप्पल नाले के किनारे पड़ी मिली, लेकिन वह कहीं दिखाई नहीं दिया। घबराए हुए गणेश ने तुरंत नाले में उतरकर खोजबीन शुरू की। कड़ी मशक्कत के बाद उन्होंने सौरभ को नाले से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। आनन-फानन में उसे सिविल अस्पताल लांजी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। लांजी पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मर्ग क्रमांक 48/25 दर्ज किया है और घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में यह एक दुखद हादसा प्रतीत होता है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। इस घटना ने ग्राम सर्रा और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी है, और लोग परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। यह घटना ग्रामीण क्षेत्रों में नालों और जलस्रोतों के आसपास बच्चों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरतने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

नगर में आवारा पशुओं का आतंक

दुर्घटनाओं और नुकसान का कारण बन रही समस्या

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर में इन दिनों आवारा पशुओं की समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया है, जिसके कारण स्थानीय निवासियों, वाहन चालकों, व्यापारियों और किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर बरसात के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर हो गई है, क्योंकि सड़कों पर विचरण करने वाले ये पशु न केवल यातायात को बाधित कर रहे हैं, बल्कि दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं और स्थानीय व्यापारियों व किसानों को आर्थिक नुकसान भी पहुंचा रहे हैं। नगरवासियों ने इस समस्या से निजात पाने के लिए नगर परिषद से तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

सड़कों पर जाम और दुर्घटनाओं का खतरा

आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या के कारण नगर की सड़कों पर अक्सर जाम की स्थिति बन रही है। सड़क के बीचों-बीच बैठे मवेशी बड़े वाहनों जैसे ट्रक और बसों के लिए गंभीर समस्या पैदा कर रहे हैं। वाहन चालकों को इन पशुओं के कारण सड़कों पर रुकना पड़ता है, जिससे समय की बर्बादी के साथ-साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। 卐रात के समय अचानक सड़क पर पशु आ जाने से कई बार हादसे होने की आशंका रहती है। नगर परिषद को इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

सब्जी व्यापारियों और किसानों को नुकसान

आवारा पशु न केवल सड़कों पर परेशानी का सबब बन रहे हैं, बल्कि स्थानीय व्यापारियों और किसानों के लिए भी सिरदर्द बने हुए हैं। सब्जी मंडी में दुकान लगाने वाले व्यापारी ने शिकायत की, ये पशु दुकानों पर आकर सब्जियां खा जाते हैं या बिखेर देते हैं, जिससे हर दिन सैकड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है। इसके अलावा, कई बार लोग खरीदारी करके सामान मोटरसाइकिल पर टांगते हैं, लेकिन आवारा पशु उसे चट कर जाते हैं। दूसरी ओर, किसानों की फसलें भी इन पशुओं की चपेट में आ रही हैं। खेतों में घुसकर ये मवेशी फसलों को रौंद रहे हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है।

नगर परिषद की निष्क्रियता पर सवाल

नगरवासियों का कहना है कि नगर परिषद समय-समय पर आवारा पशुओं के खिलाफ कार्रवाई की बात तो करती है, लेकिन लंबे समय से इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। नगर परिषद के पास आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए विशेष वाहन भी उपलब्ध है, फिर भी इस समस्या पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि卐पशु मालिकों ने भी अपने मवेशियों को बांधना बंद कर दिया है, क्योंकि उन्हें कोई सजा या कार्रवाई का डर नहीं है। नगरवासियों ने मांग की है कि नगर परिषद न केवल आवारा पशुओं को पकड़े, बल्कि उनके मालिकों पर भी सख्त कार्रवाई करे ताकि इस समस्या पर स्थायी रूप से अंकुश लग सके।

समाधान की उम्मीद

नगर परिषद के एक पदाधिकारी ने बताया कि आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए समय-समय पर अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन संसाधनों की कमी और पशु मालिकों के गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण समस्या बार-बार उभर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही इस दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। नगरवासियों ने सुझाव दिया है कि पशु मालिकों पर जुर्माना लगाने, गोशालाओं में पशुओं को रखने और सड़कों पर नियमित निगरानी जैसे कदम उठाए जाएं।

लांजी नगर में आवारा पशुओं की समस्या अब एक गंभीर चुनौती बन चुकी है, जो न केवल जनजीवन को प्रभावित कर रही है, बल्कि आर्थिक नुकसान और दुर्घटनाओं का कारण भी बन रही है। नगर परिषद को इस दिशा में त्वरित और सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि नगरवासियों को इस समस्या से निजात मिल सके। स्थानीय निवासियों ने उम्मीद जताई है कि उनकी मांगों पर जल्द ध्यान दिया जाएगा और लांजी की सड़कें और खेत सुरक्षित हो सकेंगे।

पाली अकादमिक संस्थान में अंग्रेजी सप्ताह उत्सव का हुआ आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा जारी शैक्षणिक कैलेंडर 2025-26 निर्देशानुसार में पॉली संस्थान में 14 जुलाई से 18 जुलाई तक अंग्रेजी सप्ताह उत्सव मनाया गया। पाली अकादमिक संस्थान में, संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य की अध्यक्षता में तथा प्रबंधक संजय चौरे एवं प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांड्रा के मार्गदर्शन में उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पांच दिवसीय आयोजन के दौरान प्रतिदिन अंग्रेजी भाषा से संबंधित अलग-अलग विधाओं जैसे आश्चर्यजनक भाषण, शब्दों को उलझाना, वाक्य अनुक्रम, कॉफी कप गतिविधि, व्याकरण कार्यपत्रक, रंगीन अक्षर पहचान, वर्तनी, कविता, अंग्रेजी सुडोकु, और निबंध लेखन के संबध में छात्र छात्राओं को अवगत कराया जाकर लेखन कार्य करवाया गया। इन विधाओं में कक्षा पहली से कक्षा नवमीं तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया तथा अंग्रेजी भाषा के नवीनतम ज्ञान से सभी परिचित हुए। आयोजन के समापि दिवस पर विद्यालय की संचालिका श्रीमती वैद्य द्वारा समस्त छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी भाषा के महत्व, वर्तमान परिवेश में अंग्रेजी भाषा की जरूरत तथा अंग्रेजी भाषा के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया गया। इस आयोजन के सफल संचालन में विद्यालय में कार्यरत् अंग्रेजी भाषा के विद्वान शिक्षकों श्रीमती कृष्णकली बड़घैया, महेंद्र कुमार ऐडे, सुश्री अलिशा खान एवं अन्य शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नशे से दूर रहने व सकारात्मक जीवन जीने का दिया संदेश

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बडगांव के सेवा सहकारी समिति कार्यालय के प्रांगण मे थाना प्रभारी अशोक कुमार ननामा द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति संबंधी जागरूकता संदेश दिया गया। वही नशे के दुष्प्रभावों और उसके विरुद्ध सामूहिक प्रयास की आवश्यकता को प्रभावशाली ढंग से उजागर किया। थाना प्रभारी किरनापुर अशोक कुमार ननामा ने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ रहने, सकारात्मक जीवन जीने तथा समाज को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। तथा विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर सभी ने नशा मुक्ति की शपथ ली और अपने मोबाइल से नशा मुक्त भारत अभियान का आनलाइन प्रमाण पत्र भी प्राप्त किया। इस मौके पर ग्राम पंचायत आमगांव, बडगांव सहित आसपास के ग्रामों के युवा, किसान एवं सोसायटी के कर्मचारी , पुलिस थाने से प्रधान आरक्षक नेहरू बेहरवंश, राघवेन्द्र टेकाम सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

विधायकों से पहले उनका स्टाफ होगा ट्रेंड

- मप्र में शीतकालीन सत्र में लागू होगा ई-विधान

भोपाल । मप्र विधानसभा में ई-विधान लागू करने की तैयारियां जोरों पर चल रही है। संभवतः शीतकालीन सत्र में ई-विधान लागू हो जाएगा। ई-विधान लागू करने से पहले माननीयों को इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा। लेकिन इससे पहले विधायकों के स्टाफ को ट्रेंड किया जाएगा। विधायकों के स्टाफ को ई-विधान के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह का कहना है कि आधे से ज्यादा सवाल ऑनलाइन पूछे जा रहे हैं। इससे साफ है कि विधायकों की ई-विधान में रुचि है। चूंकि विधायकों का काम उनका स्टाफ भी करता है, इसलिए उन्हें भी ट्रेनिंग दी जाएगी।

जानकारी के अनुसार संसदीय कार्य मंत्रालय नई दिल्ली से ट्रेनर आएंगे। विधायकों के स्टाफ का प्रशिक्षण वर्ग विधान परिषद में आयोजित होगा। वहां कंप्यूटर लगाए जाएंगे, जिससे कि स्टाफ को प्रशिक्षण के दौरान व्यवहारिक (हैंड्स-ऑन) अनुभव प्रदान किया जा सके। इस प्रशिक्षण में संसदीय कार्य मंत्रालय के विशेषज्ञ वन नेशन वन प्लेटफॉर्म की विशेषताओं और

कार्यप्रणाली से अवगत कराएंगे। ये विशेषज्ञ आधुनिक विधायी प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक डिजिटल उपकरणों और कार्यप्रणाली को समझाने के लिए प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विधायकों के स्टाफ को ई-विधान डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपकरणों और कार्यप्रणालियों से परिचित कराना है।

वन नेशन वन प्लेटफॉर्म के तहत ट्रेनिंग

मप्र विधानसभा में वन नेशन वन प्लेटफॉर्म के तहत ऑनलाइन कामकाज की ट्रेनिंग माननीयों से पहले उनके स्टाफ को दी जाएगी। इसके लिए विधानसभा का सत्र शुरू होने से पहले विधान परिषद में विधायकों के साथ उनके स्टाफ को ट्रेनिंग दी जाएगी कि वे कैसे ऑनलाइन प्रश्न पूछें और उसमें मंत्री का जवाब या उनके द्वारा की गई कार्रवाई से पूरक प्रश्न किस तरह करें। विधान परिषद में 75 विधायकों के बैठने की जगह है, जहां टेबलों पर 50 कंप्यूटर इंस्टॉल कर उन्हें ट्रेनिंग दी जाएगी। 8 से 10 दिन में कंप्यूटर समेत अन्य उपकरण की खरीदी टेंडर प्रक्रिया के तहत एनआईसी द्वारा की जानी है। यह प्रक्रिया 25 जून तक पूरी हो जानी थी, लेकिन इसमें देरी हो रही है। इससे मौजूदा विधानसभा के मानसून सत्र में यह प्रक्रिया शुरू किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन आगामी शीतकालीन सत्र में ही यह व्यवस्था पूरी तरह से लागू हो पाएगी। विधानसभा के 28 जुलाई से शुरू होने जा रहे मानसून सत्र के लिए विधायकों के 3 हजार प्रश्न आए हैं, जिसमें से 2 हजार प्रश्न ऑनलाइन पूछे गए हैं। वन नेशन वन प्लेटफॉर्म से जुड़ने के बाद मध्यप्रदेश की विधानसभा संसद और अन्य राज्यों की विधानसभा से जुड़ जाएगी। इसमें यहां विधायकों को यह पता चल सकेगा कि संसद में क्या कार्रवाई चल रही है। इसके साथ ही राज्यों में विधानसभा में सदन में क्या कार्यवाही चल रही है। वहां से बेस्ट प्रैक्टिस के बारे में जानकारी ले सकेंगे। पहली बार के 90 विधायक चुनकर आए हैं, जिनमें से अधिकतर अभी भी टेबलेट पर अपना सदन की कार्रवाई से संबंधित कामकाज निपटाते हैं। इसलिए इन विधायकों को ई-विधान सिस्टम से जुड़ने में कोई भी अड़चन नहीं आएगी। इसकी वजह पहले से ही वे इस प्रक्रिया के तहत काम कर रहे हैं। टेबलेट की सप्लाई होते ही विधान परिषद भवन में कुछ डिवाइस इंस्टॉल करके प्रायोगिक तौर पर विधायकों को ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके लिए शुरुआती तैयारियां कर ली गई हैं।

पूरी तरह डिजिटल होगी विधानसभा की कार्यवाही

मप्र विधानसभा की कार्यवाही अब पूरी तरह डिजिटल होगी। विधानसभा सचिवालय विधानसभा में ई-विधान को लेकर तैयारी कर रहा है। इसके लिए कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रिक उपकरण की खरीदी की जा रही है। ई-विधान के तहत प्रदेश के विधानसभा की पूरी कार्यवाही डिजिटल हो जाएगी। इसमें विधानसभा से जुड़ी कार्यवाही की पूरी जानकारी और दस्तावेज विधायकों को ऑनलाइन ही उपलब्ध कराई जाएगी। विधायकों को प्रश्न से जुड़े जवाब, विधानसभा में पेश होने वाले बिल, अलग-अलग विषयों पर होने वाली डिबेट से जुड़ी जानकारियां भी डिजिटली मिलेंगी। विधायकों द्वारा लगाए जाने वाले सवालों के तमाम जवाब ऑनलाइन ही मंगाए जाएंगे। इसको लेकर सभी विभागों को इसके संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं। विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह के मुताबिक ई विधान को लेकर प्रक्रिया चल रही है। ई विधान लागू करने के पहले सभी विधायकों को इससे जुड़ी तकनीकी जानकारियों से रूबरू कराया जाएगा। इसके लिए सभी विधायकों के लिए ट्रेनिंग कैंप लगाया जाएगा। विधानसभा में सवाल लगाने के लिए विधायकों को पहले ही ऑनलाइन विकल्प दिया जा चुका है। पिछले विधानसभा सत्र में आधे से ज्यादा विधायकों द्वारा ऑनलाइन ही अपने सवाल भेजे थे।

शिक्षक भर्ती के नियम चयन मंडल ने बदले

शिक्षक भर्ती परीक्षा एक बार फिर विवादों में

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने 13000 शिक्षकों की भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। भर्ती परीक्षा के लिए जो नियम तैयार किए गए हैं। उनमें नए प्रावधान कर दिए जाने से हजारों अभ्यर्थी परीक्षा से बाहर हो रहे हैं। जिसके कारण शिक्षक भर्ती परीक्षा शुरू होने के पहले ही विवादों में आ गई है।

1 अगस्त तक शिक्षक भर्ती परीक्षा के लिए शैक्षणिक योग्यता होनी जरूरी है। जिन छात्रों ने फाइनल ईयर की परीक्षा दी है। उनके परीक्षा परिणाम अभी तक नहीं आए हैं। उन्हें परीक्षा देने की पात्रता नहीं होगी। डीएड और बीएड कर रहे हजारों छात्र और छात्राएं इस भर्ती परीक्षा के लिए अयोग्य हो जाएंगे। परीक्षा परिणाम आने में विलंब होना तय है। ऐसे छात्र परीक्षा का फॉर्म भरने से वंचित हो रहे हैं। परीक्षा के लिए भाषा का भी बदलाव किया गया है। इसके पहले की परीक्षाओं में भाषा एक और भाषा दो में हिंदी अंग्रेजी संस्कृत और उर्दू के विकल्प चुनने की सुविधा थी। कर्मचारी चयन मंडल ने भाषा एक में हिंदी और भाषा दो में अंग्रेजी को अनिवार्य कर दिया है। संस्कृत और उर्दू की मान्यता समाप्त कर दी गई है। इसका असर भी हजारों अभ्यर्थियों पर पड़ेगा।

परीक्षा के पुराने सिलेबस में भी बदलाव किया गया है जिसके कारण नए सिलेबस के अनुसार अब परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को नए सिलेबस के अनुसार पढ़ना पड़ेगा। बाल विकास और शिक्षा शास्त्र का पूरा ही सिलेबस बदल दिया गया है। जिसके कारण शिक्षक भर्ती परीक्षा का विरोध शुरू हो गया है।

13000 शिक्षक पदों के लिए यह परीक्षा हो रही है। इस परीक्षा में बैठने वाले लाखों अभ्यर्थी हैं। अभ्यर्थी आरोप लगा रहे हैं, कर्मचारी चयन मंडल जानबूझकर परीक्षा के पहले इस तरह के परिवर्तन कर रहा है। ताकि मामला कोर्ट चला जाए और भर्ती परीक्षा को टाल दिया जाए।

ढाई लाख ग्राम पंचायतें बनेंगी आत्मनिर्भर

भोपाल। देशभर की करीब ढाई लाख ग्राम पंचायतों का कायाकल्प होने वाला है। इसकी तैयारी केंद्र सरकार ने शुरू कर दी है। इन पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास भी शुरू कर दिए गए हैं। राजधानी भोपाल में ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने और व्यवस्थित विकास को लेकर 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें 14 राज्यों के प्रतिनिधि के साथ आईआईटी, एसपीए और एनआईटी जैसी संस्थाओं के विषय विशेषज्ञ भी शामिल हुए।

बता दें कि केंद्र सरकार ने सबसे पहले आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन पंचायतों का चयन किया है, जो या तो महानगरों के आसपास हैं, या फिर यहां से होकर नेशनल हाईवे गुजर रहे हैं। पहले चरण में 14 राज्यों की ऐसी 36 ग्राम पंचायतों को चिन्हित किया गया है। इन पंचायतों का आत्मनिर्भर बनाने और यहां आधारभूत संरचनाओं को विकसित करने की जिम्मेदारी, वहां की स्थानीय योजना एवं वास्तुकला संस्थानों को सौंपी गई है। यही संबंधित ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने का रोडमैप तैयार करेंगे।

इस तरह ग्राम पंचायत का बढ़ेगा रेवेन्यू

दरअसल अब तक ग्राम पंचायतों में होने वाले खर्च के लिए केंद्र और राज्य सरकार राशि देते हैं लेकिन यह राशि जरुरत के हिसाब से कम होती है। यदि पंचायतें आत्मनिर्भर होंगी, तो व्यवस्थाओं में सुधार होगा। इसके लिए ग्राम पंचायत संपत्तिकर की वसूली करेगी। कम्यूनिटी हाल या अन्य परिसरों को किराए पर देंगी। ग्रामीणों पर स्वच्छता समेत अन्य टैक्स लगाए जाएंगे। वहीं पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नॉन टैक्सेबल उपाय भी किए जाएंगे। जैसे ग्राम पंचायतों की खाली जमीनों का व्यवसायिक इस्तेमाल कर राजस्व में वृद्धि करना। इसके लिए ग्राम पंचायतें बैंकों से कर्ज लेकर शॉपिंग काम्प्लेक्स और अन्य इमारतों का निर्माण करा सकेंगे।

ग्राम पंचायत में होगा सीएसआर फंड का इस्तेमाल

पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज ने राजस्व के अपने स्त्रोतों (ओएसआर) को बढ़ाने के विजन और निरंतर प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि आत्मनिर्भर पंचायतें आत्मनिर्भर भारत में तब्दील होंगी, जहां सीएसआर फंड अतिरिक्त अवसर प्रदान करेंगे। एक बार ग्राम पंचायतों के पास स्पष्ट रोडमैप हो जाने पर, तकनीकी सहायता और संसाधन प्रगति में बाधा नहीं बनेंगे। विवेक भारद्वाज ने इन स्थानिक योजनाओं को मूर्त जमीनी हकीकत में बदलने के लिए एक स्पष्ट विजन और व्यापक रोडमैप प्रस्तुत किया। बता दें कि उन्नत ग्राम पंचायत स्थानिक विकास योजना (जीपीएसडीपी) पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 18 जुलाई, 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। पंचायती राज मंत्रालय द्वारा योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में 19 सहयोगी नियोजन संस्थानों के सहयोग से 14 राज्यों की 36 ग्राम पंचायतों के लिए स्थानिक विकास की रूपरेखा तैयार की गई। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में देश भर की ग्राम पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों, नियोजन संस्थानों और सरकारी अधिकारियों सहित हितधारकों का एक विविध पारिस्थितिकी तंत्र एक साथ आया।

8500 पुलिस भर्तियों के लिए 2 माह से जवाब के इंतजार में पीएचक्यू

रोजगार पोर्टल की फांस में अटकी पुलिस की बंपर भर्ती

भोपाल। मार्च में प्रदेश में सरकार ने 8500 पुलिस कर्मियों की भर्ती की घोषणा की थी। भर्ती में 7500 पद सिपाहियों के पद, 500 सब इंस्पेक्टर के और 500 पद ऑफिस स्टाफ के शामिल हैं। लेकिन चार माह बाद भी प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई है। इसकी वजह यह है कि रोजगार पोर्टल पर लाइव रजिस्ट्रेशन को लेकर कोई फैसला नहीं होने के कारण भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कारण भर्ती प्रक्रिया अटकी हुई है। पुलिस मुख्यालय ने राज्य सरकार से भर्ती प्रक्रिया को लेकर मार्गदर्शन मांगा है। अब जब तक शासन की ओर से कोई जवाब नहीं आता है, तब तक यह प्रक्रिया अटकी रहेगी।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया है कि परीक्षा में बैठने के लिए रोजगार पोर्टल पर लाइव पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है। इस फैसले के चलते ही भर्ती प्रक्रिया फिलहाल, अटकी हुई है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद, पुलिस मुख्यालय ने इन परीक्षाओं के संबंध में सरकार से मार्गदर्शन मांगा था, लेकिन दो महीने बाद भी इस पर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। प्रदेश में पुलिस द्वारा जिन 8500 पदों के लिए, भर्ती प्रक्रिया शुरू की जानी थी, उनके लिए निर्धारित नियमों के अनुसार, रोजगार कार्यालय में लाइव रजिस्ट्रेशन अनिवार्य था। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद, पुलिस मुख्यालय ने अप्रैल माह में सरकार को पत्र लिखकर इस विषय पर सरकार से मार्गदर्शन मांगा था। सरकार की ओर से अब तक कोई जवाब नहीं आया है। ऐसे में जब तक सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं आ जाता है, तब तक भर्ती प्रक्रिया अटकी ही रहेगी।

लाइव रजिस्ट्रेशन की शर्त को चुनौती

सरकार ने मार्गदर्शन मिलने के बाद ही पुलिस विभाग इन 8500 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी करने हेतु कर्मचारी चयन बोर्ड (ईएसबी) को लिखित पत्र जारी करेगा। इस वर्ष राज्य में 7500 कांस्टेबल, 500 सब-इंस्पेक्टर, सूबेदार व प्लाटून कमांडर और 100 स्टेनोग्राफर सहित 500 लिपिक वर्ग के पदों पर नियुक्ति होनी है। इससे पहले, इन भर्तियों को लेकर मप्र उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई थी। कुछ आवेदकों ने भर्ती के लिए रोजगार कार्यालय में लाइव रजिस्ट्रेशन की शर्त को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला सुनाया था। प्रदेश सरकार ने इस फैसले को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर की थी। इस पर सर्वोच्च न्यायालय ने अपना फैसला सुनाते हुए उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा और सरकार को रोजगार कार्यालय में लाइव रजिस्ट्रेशन की शर्त हटाने का आदेश दिया।

नक्सल प्रभावित गांवों से होंगी 1000 जवानों की भर्ती

मप्र के 3 नक्सल प्रभावित जिलों-बालाघाट, मंडला व डिंडोरी के 595 गांवों से 1000 जवानों की भर्ती की जा रही है। पुलिस इन गांवों के स्थानीय युवाओं को विशेष सहयोगी दस्ता के रूप में भर्ती करेगी। इस भर्ती में 35ज्ञ पद महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे। एडीजी चयन एवं भर्ती सोनाली मिश्रा ने बताया कि इन पदों के लिए 18 जुलाई से 7 अगस्त तक आवेदन कर सकेंगे। भर्ती सिर्फ उन्हीं उम्मीदवारों के लिए है, जो इन 595 गांवों में से किसी एक में 10 साल से रह रहे हैं। बालाघाट में 810, मंडला में 130 व डिंडोरी में 60 पद भरे जाएंगे। एसटी वर्ग के लिए न्यूनतम योग्यता 5वीं पास और अन्य वर्गों के लिए 8वीं पास रखी गई है। फिजिकल टेस्ट में बेसिक फिटनेस देखी जाएगी। इंटरव्यू में गांव और आसपास की जानकारी से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे। एसपी बालाघाट आदित्य मिश्रा ने बताया कि आरक्षण तालिका जिलों की आबादी के आधार पर बनी है। मंडला और डिंडोरी में अनुसूचित जनजाति के लिए 57 प्रतिशत और 64 प्रतिशत तक आरक्षण मिलेगा। महिलाओं को 35 प्रतिशत, भूतपूर्व सैनिकों को, 10 प्रतिशत और होमगार्ड को 15 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। भर्ती हुए उम्मीदवारों का संबंधित एसपी ऑफिस से एग्रीमेंट होगा। भर्ती होने वालों को हर महीने 25,000 रुपए मानदेय मिलेगा। हर 6 महीने में उनके काम की समीक्षा होगी। यदि प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा तो सेवा समाप्त की जा सकती है।

15 अगस्त से किसी भी आपात स्थिति में डायल करना होगा 112

मप्र में सेंट्रलाइज होंगी इमरजेंसी सर्विस

भोपाल। मप्र में अब आपातकालीन सेवाएं और भी आसान और तेज हो जाएगी। 15 अगस्त से प्रदेश में इमरजेंसी सर्विसेज के लिए एक नया एकीकृत नंबर 112 शुरू होने जा रहा है। अब आपको पुलिस, एम्बुलेंस या फायर ब्रिगेड जैसी आपात सेवाओं के लिए अलग-अलग नंबर याद रखने की जरूरत नहीं होगी। बस एक नंबर 112 डायल करें, और मदद तुरंत आपके दरवाजे पर पहुंचेगी।

इस नई पहल के तहत मध्यप्रदेश सरकार डायल 112 सेवा को हाईटेक और सेंट्रलाइज्ड बनाने जा रही है। इसके लिए, एक अत्याधुनिक कॉल सेंटर तैयार किया जा रहा है, जो सीधे सेंट्रल सर्वर से जुड़ा होगा। इस सेवा के तहत सड़कों पर बोलेरो नियो और स्कॉर्पियो जैसी हाईटेक इमरजेंसी गाड़ियां दौड़ती नजर आएंगी, जो आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी। फिलहाल, प्रदेश में इमरजेंसी सेवाओं के लिए डायल 100 नंबर का उपयोग होता है, जिसकी स्कीम 2015 में शुरू हुई थी और यह 5 साल के लिए थी। अब डायल 112 के साथ मध्यप्रदेश आपातकालीन सेवाओं में एक नया अध्याय शुरू करने जा रहा है। तो, 15 अगस्त से तैयार रहें, क्योंकि मध्यप्रदेश में आपकी सुरक्षा और सहायता के लिए सिर्फ एक कॉल काफी होगी- डायल 112.

दिल्ली जाएंगे पीसीसी चीफ और नेता प्रतिपक्ष

भोपाल। मध्यप्रदेश में कांग्रेस संगठन से जुड़ी बड़ी खबर आई है। जिला अध्यक्षों की नियुक्ति से पहले प्रदेश कांग्रेस के नेता दिल्ली बुलाए गए है। इसी कड़ी में कांग्रेस आलाकमान ने जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष को दिल्ली बुलाया है। दोनों नेताओं को अलग-अलग समय पर दिल्ली बुलाया गया है। 22 जुलाई को पीसीसी चीफ जीतू पटवारी दिल्ली जाएंगे, वहीं 23 जुलाई को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी दिल्ली रवाना होंगे। बताया जाता है कि एआईसीसी ऑब्जर्वर की रिपोर्ट के बाद मध्यप्रदेश कांग्रेस के दोनों नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है। जिला अध्यक्षों को लेकर दोनों नेताओं से अलग-अलग राय ली जाएगी। जीतू पटवारी और उमंग सिंघार से भी जिला अध्यक्षों को लेकर रिपोर्ट ली जाएगी।

चल रही है नियुक्ति की प्रक्रिया

चर्चा है कि दोनों नेताओं से बातचीत के बाद जिला अध्यक्षों के नाम पर मंथन शुरू होगा। अगस्त के पहले सप्ताह में मध्यप्रदेश कांग्रेस जिला अध्यक्षों की सूची आ सकती है। संगठन सृजन के कार्यक्रम के जरिए जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। भोपाल में संगठन सृजन का राहुल गांधी ने आगाज किया था।

आज आंदोलन में जुटेंगे हजारों अनियमित कर्मचारी

भोपाल। मप्र कर्मचारी मंच के आवाहन पर रविवार को भोपाल के अंबेडकरजयंती मैदान तुलसी नगर में प्रदेश के हजारों अनियमित कर्मचारी एकत्रित होकर अपनी 11 सूत्रीय मांगों के समर्थन में विशाल धरना देंगे तथा मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपेंगे। मप्र कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि प्रदेश के स्थाई कर्मी, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी, अंशकालीन कर्मचारी, सुरक्षा श्रमिक, दैनिक वेतन वाहन चालक, वनसमिति चौकीदार आदि अनियमित संवर्ग के कर्मचारी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर लंबे समय से चरणबद्ध आंदोलन कर रहे हैं। लेकिन सरकार मांगों को संज्ञान में लेकर अनियमित कर्मचारियों के हित में निर्णय नहीं ले रही है। मांगे मंजूर न होने के कारण अनियमित कर्मचारियों के श्रम अधिकारों का हनन हो रहा है। वहीं अनियमित कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। इस कारण प्रदेश भर के अनियमित कर्मचारियों में सरकार के खिलाफ असंतोष का वातावरण निर्मित हो गया है। 20 जुलाई को अनियमित कर्मचारी जोरदार आंदोलन करके सरकार का ध्यान अपनी 11 सूत्रीय मांगों की ओर आकर्षित करेंगे तथा सरकार से पुरजोर मांग करेंगे की मांगों को मंजूर करके आदेश जारी किए जाए।

दुर्घटना में घायल एक भी पीड़ित को अब तक मुफ्त इलाज नहीं मिला...

भोपाल। केंद्र और राज्य सरकार सहित शासन, प्रशासन ने सड़क दुर्घटना में घायलों के 1 लाख 50 हजार रुपये तक मुफ्त इलाज वाली योजना का प्रचार-प्रसार तो बहुत किया, मगर इस योजना का लाभ अभी तक किसी भी घायल को नही मिल पा रहा है। अब तक यह योजना सिर्फ कागजों पर ही डिजिटल फाइलों पर ही मौजूद है। इस वजह से अस्पताल वाले और घायल दोनों परेशान हो रहे हैं।

यह खुलासा तब हुआ जब जिला स्वास्थ्य विभाग से यह जानकारी मांगी गई कि अभी तक कितने निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज वालों का सत्यापन किया है, तो अधिकारियों ने बताया कि उनके पास अभी तक एक भी मामला सत्यापन के लिए नहीं आया है। इसकी मुख्य वजह यह है कि तकनीकी कारणों के चलते दुर्घटना पीड़ितों के लिए बनाई गई इस कैशलेस स्कीम और क्लेम से संबंधित पोर्टल अथवा वेबसाइट अभी तक लांच नहीं हो पाई है।

परिजनों को समझाना मुश्किल

इस मामले में कुछ निजी अस्पतालों से बात की गई तो उन्होंने कहा कि सरकार ने सड़क परिवहन मंत्रालय की इस योजना की मीडिया के माध्यम घोषणा तो पिछले जून माह में ही कर दी मगर दुर्घटना पीड़ितों के कैसलेश इलाज और क्लेम रूल्स रेग्युलेशन सम्बन्धित पोर्टल या वेबसाइट कम्प्यूटर पर अभी तक लोड नहीं हो रहा है। इस कारण उनके यहां जो भी दुर्घटना घायल इलाज के लिए आते हैं, उन्हें समझना मुश्किल हो जाता है।

जिस नजदीकी अस्पताल में पीड़ित को ले जाया गया है। यदि वहां पीड़ित के इलाज के हिसाब से संसाधन नहीं हैं तो वहां उसकी प्राथमिक चिकित्सा कर वह दूसरे अस्पताल को भेजेगा। प्राथमिक चिकित्सा में जो भी खर्च हुआ।

आयुष्मान कॉर्ड बनाने में बालाघाट प्रदेश में पहले स्थान पर

भोपाल। आयुष्मान योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने का विशेष अभियान पूरे देश में 14 अप्रैल 2025 से प्रारंभ किया गया है। इस अभियान में सर्वाधिक आयुष्मान कार्ड बनाने के मामले में बालाघाट जिला 81 प्रतिशत उपलब्धि के साथ प्रदेश में पहले स्थान पर है। बैतूल जिला 78 प्रतिशत के साथ दूसरे एवं अनुपपुर जिला 77 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। बालाघाट जिले में कलेक्टर मृणाल मीणा के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ के निर्देशन में इस कार्य को एक मिशन के रूप में किया जा रहा है। बालाघाट जिले में 1 लाख 31 हजार 468 पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने है। 16 जुलाई तक जिले में 1 लाख 7 हजार 54 लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाकर बालाघाट ने पहला स्थान पाया है। मध्यप्रदेश में 16 जुलाई तक 5 लाख 66 हजार 967 आयुष्मान कार्ड बनाये का लक्ष्य है। जिसमें से केवल बालाघाट जिले में 1 लाख 7 हजार 54 कार्ड बनाये गए है। इस प्रकार देखा जाए तो प्रदेश में बने हर पांच आयुष्मान कार्ड में एक कार्ड बालाघाट जिले का बना है। इस उपलब्धि को हासिल करने में स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास एवं महिला एवं बाल विकास विभाग का विशेष योगदान रहा है। आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के व्यक्ति को एक साल में 5 लाख रुपये तक के मुफ्त उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है।

अब डॉक्टरों की क्लास रूम और क्लिनिक में मौजूदगी अनिवार्य

ऑफिस में बैठकर प्रशासनिक काम करने वाले चिकित्सकों पर आयुष विभाग की पैनी नजर

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत प्रोफेसर और डॉक्टरों को लेकर बड़ा फैसला किया है। अब ऐसे डॉक्टर जो केवल ऑफिस बैठकर प्रशासनिक काम करते हैं, उन्हें दोबारा पढ़ाई और इलाज से जुड़ी सेवाओं में लगाया जाएगा। सरकार का मानना है कि डॉक्टरों और प्रोफेसरों को मरीजों और छात्रों से दूर बैठाकर बाबूगिरी करवाना मेडिकल सेवाओं और शिक्षा दोनों के लिए नुकसानदायक है। आयुष विभाग इसको लेकर प्रावधान करने जा रहा है। इसमें जिन डॉक्टरों के पास 20 साल से कम का शिक्षण अनुभव है, उन्हें अब 65 की बजाय 62 साल की उम्र में ही सेवा से मुक्त कर दिया जाएगा। यह नियम आयुर्वेद कॉलेजों पर भी लागू होगा।

साथ ही मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और सहायक प्राध्यापक अब नियमित रूप से क्लास लें, ओपीडी में बैठें और छात्रों को मार्गदर्शन दें। इसको लेकर ही नियमों को सख्त करने की तैयारी है। प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बहाने शिक्षण और मरीजों से दूरी बनाने के बहाने खत्म किए जाएंगे।

बदलेगी डॉक्टरों की कार्यप्रणाली

बता दें लंबे समय से कई डॉक्टर ऑफिस वर्क में लगे हुए हैं और उन्होंने क्लास या मरीजों को देखना लगभग बंद कर दिया था। सरकार अब ऐसे डॉक्टरों की सूची तैयार कर रही है जिन्हें मूल कार्य (टीचिंग और ट्रीटमेंट) में वापस भेजा जाएगा। यह पहल विभागीय जवाबदेही और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से की जा रही है।

इंग्लैंड के खिलाफ महिला वनडे सीरीज पर कब्जा करने आज उतरेगी भारतीय टीम

लंदन, एजेंसी।

कई मैच विजेता खिलाड़ियों से सजी भारतीय महिला क्रिकेट टीम आगामी विश्व कप के लिए अपनी शानदार तैयारी जारी रखने के इरादे से शनिवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे और श्रृंखला के निर्णायक एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में उतरेगी। भारत ने साउथेम्प्टन में पहला मैच चार विकेट से जीता था, और लॉर्ड्स में जीत से मेहमान टीम तीन मैचों की इस श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना लेगी। इससे हाल के दिनों में इस प्रारूप में उनकी जीत का सिलसिला और बढ़ेगा, जिसमें मई में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला में मिली जीत भी शामिल है।

इंग्लैंड के खिलाफ मैच इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिसकी मेजबानी भारत इस वर्ष के अंत में करेगा। कई खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के कारण विश्व कप टीम में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, लेकिन अधिक खिलाड़ियों की यह समस्या भारतीय कोच अमोल मजूमदार और कप्तान हरमनप्रीत कौर के लिए सिरदर्द बनी हुई है। प्रबंधन के पास कुछ भूमिकाओं के लिए चुनने के लिए कई विकल्प हैं। टीम की गहराई और बेंच स्ट्रेंथ पहले कभी इतनी अच्छी नहीं रही। चोटों के कारण तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर और पूजा वस्त्राकर की अनुपस्थिति में, टीम ने थोड़ी अधिक अनुभवी अरुंधति रेड्डी की जगह क्रांति गौड़ को तरजीह दी। 21 वर्षीय इस नवागंतुक ने पहले मैच में दो बड़े विकेट लेकर अपनी क्षमता का परिचय दिया और साथ ही नई गेंदबाजी भी अमनजोत कौर के साथ की। प्रतीका रावल शीर्ष क्रम में स्मृति मंधाना की जोड़ीदार के लिए पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरी हैं, जबकि शैफाली वर्मा भी टी20 अंतरराष्ट्रीय, महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और घरेलू क्रिकेट में अपने फॉर्म के कारण दावेदारी में बनी हुई हैं। हरलीन देओल भी अच्छी फॉर्म में हैं और अगर शैफाली निकट भविष्य में प्लेइंग इलेवन में वापसी करती हैं तो रावल को तीसरे नंबर पर उतारा जा सकता है। हालांकि, ऐसी स्थिति में देओल को टीम में शामिल करना मुश्किल होगा, जिसमें हरमनप्रीत, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष भी शामिल हैं। यहां तक कि स्पिन विभाग में भी काफी गहराई है जिसमें बाएं हाथ के स्पिनर एन श्री चरणी के अलावा दीप्ति, स्नेहा राणा और राधा यादव भी शामिल हैं। चरानी को पिछली टी-20 सीरीज में सर्वाधिक 10 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। पहले वनडे में मैच विजयी अर्धशतक के दौरान ऋषभ पंत की तरह एक हाथ से छक्का लगाने वाली सीनियर ऑलराउंडर दीप्ति शनिवार को सभी की निगाहों का केंद्र होंगी। इस दौरे पर लगभग सभी मैच जीतने के बाद भारत ने यहां अपनी पहली टी-20 सीरीज जीती थी और अब वनडे सीरीज में जीत से 30 सितंबर से शुरू हो रहे विश्व कप से पहले भारत की तैयारियों और मनोबल को और बढ़ावा मिलेगा।

दोनों टीमें

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे।

इंग्लैंड टीम: नैट साइवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, माइया बाउचियर, एलिस कैप्सी, केट क्रॉस, एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, एमी जोन्स, एम्मा लैम्ब, लिंसे स्मिथ।

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा।

शुभममन को विफल करनी होगी स्टोक्स की रणनीति - जाफर

तीसरे टेस्ट में बनाया था निशाना

मैनचेस्टर। भारतीय किकेट टीम को अब तक इंग्लैंड दौरे में उतनी सफलता नहीं मिली है जिसकी उसे उम्मीद थी। भारतीय टीम ने तोनो ही टेस्ट मैचों में मेजबानों से बेहतर खेला पर हालात का लाभ वह नहीं उठा पायी जिससे इंग्लैंड को सीरीज में 1-2 से बढ़त मिल गयी है। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफ़र ने कहा है कि इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने लॉर्ड्स में भारतीय कप्तान शुभमन गिल पर अंकुश लगाने की जो रणनीति अपनायी थी। वह सफल रही और शुभमन दोनो ही पारियों में अधिक रन नहीं बना पाये। ऐसे में अब मैनचेस्ट में भी इंग्लैंड का लक्ष्य शुभमन को शुरुआत में आउट कर भारतीय टीम पर दबाव बनाना रहेगा।

जाफ़र ने कहा कि एजबेस्टन में शुभमन के शतक से भारतीय टीम ने 430 रन बनाए और मेजबान टीम समझ गयी थी कि अगर भारतीय टीम को कम रनों पर रोकना है तो शुभमन को जल्द आउट करना होगा। इंग्लैंड की ये रणनीति तीसरे टेस्ट में सफल रही।

जाफ़र ने कहा कि शुभमन को अंदर आती गेंदों पर परेशानी होती है जिसका लाभ विरोधी टीम ने उठाया जिससे शुभमन दोनों पारियों में 20 रनों से अधिक नहीं बना पाये। जाफ़र ने ये भी कहा कि अब तक भारत के लिए सबसे ज़्यादा रन शुभमन ने बनाये हैं और उम्मीद है कि कि वह मैनचेस्टर में मेजबान टीम की रणनीति को फेल करने के इरादे से उतरेंगे। साथ ही कहा कि शुभमन अभी दो और शतक लगा सकते हैं बस वो थोड़ा संयम से खेलें और पहले 20-25 रन बना लें। इसी कारा गिल ने अभ्यास सत्र में बल्लेबाज़ी कोच सितांशु कोटक के साथ काफ़ी देर तक काम भी किया। उन्होंने इन स्विंग का सामना करने के लिए कई थ्रो डाउन भी लिया।

जाफ़र ने आगे कहा कि टीम युवा है और इस टीम को सलाह की जरुर । नियंत्रित आक्रामकता के साथ खेलने पर टीम इंडिया अभी भी सीरीज़ जीत सकती है। साथ ही कहा कि इस सीरीज में अब तक भाग्य भी भारतीय टीम से रुठा नजर आया। अगर ऐसा नहीं होता तो भारतीय टीम अब तक इस सीरीज में तीनो ही मैच जीती होती। . लीड्स में 372 रन बनवा दिए और लॉर्ड्स में टीम 192 नहीं बना पाई। पहले टेसट में पांच शतक के बाद भी टीम को हार का सामना करना पड़ा

परांजपे को बुमराह के अगले दो टेस्ट खेलने और भारतीय टीम के वापसी करने की उम्मीद

मुम्बई। पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे के अनुसार भारतीय टीम अब भी इंग्लैंड सीरीज में वापसी करते हुए एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी जीत सकती है। भारतीय टीम इस सीरीज में अभी 1-2 से पीछे चल रही है। परांजपे के अनुसार युवा खिलाड़ियों से भरी इस टीम को कम आंकना भूल होगी क्योंकि ये वापसी करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि टीम ने अब तक इस दौरे में बैखौफ होकर खेला है। उसे जो हार मिली है वह भी करीबी अंतर से मिली है। परंपजे ने ये भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बचे हुए दो टेस्ट मैचों में खेलेंगे। बुमराह ने इस सीरीज के पहले कहा था कि वह पूरे मैच नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में उन्हें एक मैच खेलना है और वो कौन सा होता है ये देखना होगा।

भारतीय टीम ने पहले मैच में मिली हार के बाद दूसरे मैच में जीत के साथ ही 5 मैचों की सीरीज को 1-1 से बराबरी पर ला दिया था लॉर्ड्स में हालांकि टीम को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब सीरीज में बराबरी के लिए भारतीय टीम को किसी भी हाल में चौथा टेस्ट जीतना होगा।

बीसीसीआई बांग्लादेश में एसीसी बैठक का बहिष्कार करेगा

एशिया कप का आयोजन खतरे में पड़ा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसी माह 24 जुलाई को बांग्लादेश के ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया है। इससे सितंबर में होने वाले एशिया कप के आयोजन को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं क्योंकि बीसीसीआई सहित एसीसी के कई अन्य सदस्य देश भी खराब राजनीतिक हालातों के कारण इस बैठक में शामिल नहीं हो रहे। बीसीसीआई ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी को आधिकारिक तौर पर ये जानकारी दे है कि अगर यह बैठक ढाका में होती है, तो वह इसमें शामिल नहीं होगा। इसका कारण दोनो देशों के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों को बताया गया है। वहीं एसीसी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ढाका में बैठक आयोजित करने पर अड़े हुए हैं। बीसीसीआई के अलावा, श्रीलंका, ओमान और अफगानिस्तान के क्रिकेट बोर्ड ने भी बांग्लादेश जाने से इंकार कर दिया है।

एसे में माना जा रहा है कि एशिया कप तभी हो सकता है जब बैठक का स्थान ढाका से बदला जाए जो अभी संभव नजर नहीं आ रहा। एसीसी के अध्यक्ष नकवी ने बैठक में भाग लेने के लिए बीसीसीआई पर दबाव बनाने का भी प्रयास किय पर उसमें वह सफल नहीं रहे। बीसीसीआई ने साफ कर दिया है कि अगर नकवी ढाका में बैठक करते हैं, तो बीसीसीआई किसी भी प्रस्ताव का बहिष्कार करेगा।

एसीसी के नियमों के अनुसार, ढाका में होने वाली बैठक में प्रमुख सदस्य बोर्डों की भागीदारी के बिना लिए गए किसी भी फैसले का काई मतलब नहीं रह जाएगा क्योंकि ये लागू नहीं किया जा सकता। इससे एशिया कप के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने की आंशकाएं लगायी जा रही हैं।

सिराज को भी आराम देने पर सोचे बीसीसीआई - चोपड़ा

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के कार्यभार प्रबंधन पर तो काफी बातें कहीं हैं जो ठीक भी हैं पर दूसरे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को लेकर कुछ नहीं कहा है। चोपड़ा का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच से पहले सिराज के कार्यभार प्रबंधन की कोई भी बात नहीं सुनी गयी जो ठीक नहीं है। आकाश के अनुसार सिराज भी काफी ओवर फेंकते हैं और फिटनेस बनाये रखने के लिए उन्हें भी आराम दिया जाना जरुरी है। बीसीसीआई ने टेस्ट सीरीज से पहले ही साफ कर दिया था कि बुमराह तीन ही मैच खेलेंगे। चोपड़ा ने सिराज के समर्थन में कहा कि वह टेस्ट मैचों में लंबे स्पेल करते हैं, लेकिन उन्हें आराम देने के बारे में अब तक कुछ नहीं कहा गया है। उन्होंने कहा, वह बहुत कड़ी मेहनत करते हैं। वह बहुत सारे ओवर फेंकते हैं। इसके बाद भी कोई उनके बारे में बात नहीं कर रहा है हालांकि, वह अपना 100 प्रतिशत देते हैं। जब भी वह गेंदबाजी करने आते हैं तो पूरे दिल से और तेजी से दौड़कर गेंदबाजी करते हैं। कार्यभार प्रबंधन के तहत ही बुमराह दूसरे टेस्ट मैच में मैदान पर नहीं उतरे थे, तो सिराज ने पूरी जिम्मेदारी उठाई थी। तब युवा आकाश दीप सिंह के साथ गेंदबाजी की अगुवाई करते हुए सिराज ने दूसरे टेस्ट मैच में कुल 7 विकेट अपने नाम किए थे।

क्लार्क बोले कुलदीप को शामिल करे भारतीय टीम

सिडनी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम को चाइनामैन स्पिन कुलदीप यादव को शामिल करना चाहिये। क्लार्क के अनुसार पिछले तीन टेस्ट मैच में कुलदीप बैंच पर ही बैठे रह गये हैं। उन्हें अब जगह नहीं मिलेगी तो कब मिलेगी। क्लार्क ने कहा कि मैं अभी भी कुलदीप यादव को अंतिम ग्यारह में चाहूंगा हालांकि स्पिनर वाशिंगटन सुंदर ने अच्छी गेंदबाजी की है। साथ ही कहा कि कलाई के स्पिनर कुलदीप को अभी तक इस सीरीज में अवसर नहीं मिलना अजीब सी बात है जबकि वह टीम में एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर हैं। भारतीय टीम ने इस सीरीज में बल्लेबाजी को मजबूत करने स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर को रखा है। क्लार्क का मानना है कि अब कुलदीप को अंतिम ग्यारह में जगह मिलना इसलिए भी कठिन हो रहा है क्योंकि सुंदर ने 40 रन बनाने के साथ ही चार विकेट भी पिछले मैच में लिए थे।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने इस सीरीज में अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी के लिए रविंद्र जडेजा की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि तीसरे टेस्ट में जडेज ने काफी प्रयास किया था पर उन्हें अन्य खिलाड़ियों से सहयोग नहीं मिला। भारतीय टीम ने लॉर्ड्स में हार से उबरकर मैनचेस्टर टेस्ट के लिए अभ्यास शुरू कर दिया है। इस सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे है। क्लार्क का मानना है कि तीसरे टेस्ट में अगर भारतीय टीम ने अंतिम पलों में अपना संयम बनाये रखा होता तो उसे जीत मिल जाती क्योंकि मैच भारतीय टीम के पास आ गया था।

टर्नर के नाम है ये अनौखा रिकार्ड

बर्मिंघम। क्रिकेट में आम तौर पर नये रिकार्ड बनते रहते हैं। ऐसे ही साल 1975 में इंग्लैंड में हुए एकदिवसीय विश्व कप में बना एक ऐसा रिकार्ड है। जो ऐजबेस्टन मैदान पर बना था और आज 50 साल बाद भी बरकरार है। ये रिकार्ड न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज ग्लेन टर्नर ने बनाया था। विश्व कप में टर्नर ने एकदिवसीय में सबसे ज्यादा गेंद खेलने का रिकॉर्ड बनाया। ईस्ट अफ्रीका के साथ हुए इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। तब सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे टर्नर पूरे 60 ओवर बल्लेबाजी करते रहे। इस दौरान उन्होंने 201 गेंदों पर 171 रन बनाये। टर्नर ने अपनी इस पारी में 16 चौके और दो छक्के लगाए। तब एकदिवसीय में 60 ओवर होते थे। ये तब के समय की एक बेहतरीन पारी थी। जिससे कीवी टीम ने 60 ओवरों में 309 रन बना दिए। जवाब में अफ्रीका की टीम ने पूरे 60 ओवर में 8 विकेट पर केवल 128 रन ही बना पाई। जिससे न्यूजीलैंड ने ये मैच 181 रनों से जीत लिया।

डब्ल्यूसीएल में आज होगा इंडिया चैम्पियंस व पाकिस्तान चैम्पियंस का मुकाबला

लंदन। भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) 2025 के तहत रविवार को मुकाबला होगा। दोनो ही टीमें 20 जुलाई को बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में टकरायेंगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 9 बजे शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में कई रिटायर्ड पूर्व क्रिकेटर खेल रहे हैं। इंडिया चैम्पियंस टीम में युवराज सिंह, सुरेश रैना, शिखर धवन और पठान ब्रदर्स जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं पाकिस्तान चैम्पियंस टीम में शाहिद अफरीदी और मिस्बाह उल हक जैसे पुराने दिग्गज दिखेंगे। पाक की टीम ने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ जीत हासिल की है। वहीं भारतीय टीम अपने पहले ही मुकाबले में पाक के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करना चाहेग। दोनो ही देशों के मुकाबल रोमांचक होने के साथ ही तनावपूर्ण भी होते हैं। इस दौरान रोमांच अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच जाता है। प्रशंसक एक बार फिर अपने पसंदीदा सितारों को बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते देखना चाहते हैं। इस मैच से प्रशंसकों का पुराने स्टार खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। वहीं इसके जरिये पूर्व क्रिकेटर खेल से जुड़े रहते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :-

इंडिया चैम्पियंस- युवराज सिंह, शिखर धवन, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, यूसुफ पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, पीयूष चावला, स्टुअर्ट बिन्नी, वरुण आरोन, विनय कुमार, अभिमन्यु मिथुन, सिद्दार्थ कौल, गुरकीरत मान।

पाकिस्तान चैम्पियंस- मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, सरफराज अहमद, शरजील खान, वहाब रियाज, आसिफ अली, शाहिद अफरीदी, कामरान अकमल, आमेर यामीन, सोहेल खान, सोहेल तनवीर।

ड्यूक्स गेंद की जांच करायेगी निर्माता कंपनी

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज में इस्तेमाल हो रही 'ड्यूक्स' गेंद को लेकर कई शिकायतें आने के बाद कंपनी ने कहा कि वह गेंद के जल्दी खराब होने के मामले की जांच करेगी। ड्यूक्स गेंद की गुणवत्ता पर भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल और इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड सहित कई अन्य क्रिकेटरों ने सवाल उठाये थे। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान शुभमन ने अंपायरों की दी हुई गेंद को लेकर नाराजगी जतायी थी नई गेंद को मैच के दूसरे दिन सुबह के पहले घंटे में बदलना पड़ा था। जहां जसप्रीत बुमराह ने शुरुआत में मिली गेंद से कम ओवरों में तीन विकेट लिए थे पर बदलाव के बाद वह एक भी विकेट नहीं ले पाये। बुमराह ने भी कहा था कि गेंद अधिक नरम होने के कारण गेंदबाजी में परेशानी हुई। ब्रॉड ने कहा था कि ड्यूक्स बॉल अब वैसी नहीं रही जैसी पहले हुआ करती थी। मैच के दौरान कई बार ऐसा हुआ जब गेंद का आकार बदल गया। कुछ खिलाड़ियों ने यह भी कहा कि गेंद बहुत जल्दी नरम हो रही है। इस वजह से गेंदबाजों को स्विंग और सीम मूवमेंट हासिल करने में परेशानी ल हो रही है। ईसीबी अब इन सभी शिकायतों को ध्यान में रखते हुए ड्यूक्स बॉल बनाने वाली कंपनी के साथ मिलकर काम करेगा। वे यह पक्का करना चाहते हैं कि आगे से टेस्ट मैचों में अच्छी गुणवत्ता की गेंद का प्रयोग हो।

वहीं इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) अब इस्तेमाल की गई ज्यादा से ज्यादा गेंदों को इस सप्ताह के अंत तक ड्यूक्स गेंद बनाने वाली कंपनी को लौटा देगा जिससे वह इनकी जांच करेगी। ड्यूक्स बनाने वाली कंपनी 'ब्रिटिश क्रिकेट बॉल्स लिमिटेड' के प्रमोटर ने कहा, "हम इन इस्तेमाल हुई गेंदों का निरीक्षण करेंगे और फिर इसके निर्माण से जुड़े लोगों से बातचीत करेंगे। हम इस मामले में जो भी जरूरी होगा वह कदम उठायेंगे। इसकी समीक्षा में अगर हमें लगेगा कि कुछ बदलाव करने की जरूरत है, तो हम वह भी करेंगे। "

गौरतब है कि पांच मैचों की इस सीरीज के दौरान मैदानी अंपायरों को नियमित रूप से गेंदों को बदलना पड़ा क्योंकि वे जल्दी नरम हो जा रही थीं। गेंद लगभग 30 ओवर के प्रयोग के बाद ही खराब हो जा रही थी। इस पूरी प्रक्रिया के कारण मैचों में देरी भी हुई। गौरतलब है कि टेस्ट सीरीज के लिए इस्तेमाल होने वाली गेंद का फैसला मेजबान बोर्ड करता है। इंग्लैंड में ड्यूक्स गेंद का उपयोग किया जाता है जबकि भारत में टेस्ट मैच एसजी गेंद से खेले जाते हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया में कूकाबूरा की गेंद रहती है। ड्यूक्स गेंद का उत्पादन 1760 से हो रहा है पर हाल में काउंटी क्रिकेट में भी उसकी शिकायतें आई हैं।

ऋषभ पूरी तरह से फिट होने पर ही चौथे टेस्ट में उतरें - शास्त्री

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अगर विकेटकीपर बल्लेबाज और उपकप्तान ऋषभ पंत पूरी तरह से फिट होते हैं तो ही मैनचेस्टर टेस्ट में उतरें। शास्त्री के अनुसार अगर वह पूरी तरह से फिट नहीं होते हैं और विकेटीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें बल्लेबाज के तौर पर भी नहीं खेलना चाहिये। ऋषभ तीसरे टेस्ट में चोटिल हो गये थे और ऐसे में उनके चौथे टेस्ट में खेलने को लेकर आशंकाएं लगायी जा रही हैं। शास्त्री के अनुसार उप-कप्तान को तब तक एक बल्लेबाज के रूप में नहीं खेलना चाहिए, जब तक कि वह विकेटकीपर के मौर पर न खेल पायें। तीसरे टेस्ट में ऋषभ को विकेटकीपिंग के दौरान बांए हाथ की उंगली में चोट लगी थी, जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। इसी कारण वह मैच में बचे हुए समय में विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। उनकी अनुपस्थिति में विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की थी।

इसी को लेकर शास्त्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अगर पंत विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर भी मैदान में उतरना चाहिए, क्योंकि तब उन्हें क्षेत्ररक्षण करना होगा, और अगर वह क्षेत्ररक्षण करते हैं, तो गेंद लगने से उनकी चोट और खराब हो जाएगी। विकेटकीपिंग के दौरान दस्तानों के साथ कम से कम कुछ सुरक्षा तो मिलती है। बिना दस्तानों के, अगर उन्हें कोई ऐसी चीज लग जाती है तो इससे उनकी चोट और बिगड़ जाएगी।शास्त्री ने कहा कि जब आप अगले टेस्ट के लिए टीम चुनेंगे, तो उन्हें विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनों करनी होंगी। वह दोनों में से एक नहीं कर सकते। बेहतर होगा कि वह पूरी तरह से फिट हों। वहीं कप्तान शुभमन गिल ने कहा था कि पंत खेलने के लिए फिट होंगे। वहीं टीम के अभ्यास सत्र के दौरान, सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने कहा था कि टीम इस विकेटकीपर बल्लेबाज को पूरी तरह से फिट होने और ठीक होने के लिए पर्याप्त समय देगी।

मुरलीधरन से बेहतर गेंदबाज थे वार्न- लारा

जमैका। विश्व क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के दिवंगत शेन वार्न और श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन सबसे अधिक विकेट लेने वाले स्पिनर हैं। इन दोनो की गेंदबाजी का सामना करना बड़े से बड़े बल्लेबाज के लिए कठिन रहा है। वार्न ने जहां टेस्ट में 708 विकेट जबकि मुरली ने 800 विकेट लिए है। ऐसे में कई बार सवाल उठता है कि इन दोनो में से कौन अधिक बेहतर है। वहीं को लेकर अब वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने कहा है कि ये दोनों ही बेहतरी गेंदबाज रहे हैं पर वह वार्न को सबसे अच्छा मानते हैं। लारा पूर्व क्रिकेटर फिल टफनेल, एलेस्टेयर कुक, माइकल वान और डेविड लॉयड से एक कार्यक्रम में बात कर रहे थे।

लारा ने कहा, वार्न सबसे बेहतर हैं। साथ ही कहा कि मैं मुरली के खिलाफ बल्लेबाज में मैं घबरा जाता। संशय में आ जाता हूं.तीन मैच की सीरीज में 688 रन बनाए थे और पहले ही हाफ में मुरली की एक गेंदबाजी पर परेशान हो गयार था पर मुरली ने ज्यादा मुझे वार्न की गेंदों पर परेशानी रही।

वार्न के बारे में लारा ने कहा कि वह उनकी गेंदों को अच्छे से खेलते थे पर उनकी गेंदें काफी अच्छी होती थी और उनके स्पेल फेंकने की क्षमता काफी अच्छी थी। अगर दोनों महान गेंदबाजों के आंकड़ों पर नजर डालें तो मुरलीधरन ने तीनों प्रारुपों को मिलाकर 495 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1347 विकेट लिए हैं। इसमें 77 तो 5 विकेट हॉल हैं। उन्होंने 22 बार मैच में 10-10 विकेट लिए। वहीं वार्न ने टेस्ट और एकदिवसीय में 339 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1001 विकेट लिए।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालाघाट

ई-टेंडरिग निविदा आमंत्रण

बालाघाट जिले के विकासखण्ड बिरसा में जल जीवन मिशन योजना अन्तर्गत पुनरीक्षित योजना के कार्यो की मुहरबंद निविदा प्रपत्र "अ 2.10" (प्रतिशत दर) मे एम.पी. टेण्डर्स पद्धति के माध्यम से लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारो से आमत्रिंत की जाती है जो कि एम.पी. टेण्डर्स सिस्टम पोर्टल के http://mptenders.gov.in द्वारा निर्धारित शेड्यूल के अनुसार निविदा प्रकिया की जावेंगी।

निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

ई-टेण्रिंग पद्धति कमांक	निविदा कमांक/ आमंत्रित दिनांक	कार्य की अनुमानित लागत (राशि रू. लाख में)	धरोहर राशि राशि (अर्नेस्ट मनी) रू. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	निविदा प्रपत्र कय करने की एवं दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	ऑन लाईन खुलने की तिथि	पंजीकृत ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7		9
2025_PHED_437863_1	06/17.07.2025	272.56	272560/-	15000/-	6 माह	05.08.2025	07.08.2025	लोक निर्माण विभाग में नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन

निविदा आमंत्रण सूचना, विस्तृत विवरण एवं Key dates की जानकारी वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है ।

नोट :-

1- सभी इच्छुक ठेकेदार ई-टेंडरिंग पोर्टल (http://mptenders.gov.in) में पंजीयन करायें ।

2- " निविदा में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधनो को समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जायेगा । यह संशोधन केवल http://mptenders.gov.in पर ही प्रकाशित किये जायेगें "

निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क केडिट कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड अथवा इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से उपरोक्त वेबसाईट पर भुगतान कर केवल ऑन लाईन पर ही क्रय किये जा सकतें है ।

विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित वेबसाईट पर देखी जा सकती है ।

जी-15904/25

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
बालाघाट (म.प्र.)
(07632-241131)

राज ठाकरे द्वारा सरदार पटेल के खिलाफ विवादित टिप्पणी से गुजरात के पाटीदारों में जबर्दस्त आक्रोश

अहमदाबाद। महाराष्ट्र निर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे द्वारा बीते दिन लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई को लेकर की गई विवादित टिप्पणी से गुजरात के पाटीदारों में आक्रोश भड़क उठा है7 राज ठाकरे के बयान के बाद गुजरात के नेताओं की एक के बाद एक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। पाटीदार नेता अल्पेश कथीरिया, एसपीजी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी पटेल और भाजपा प्रवक्ता ऋत्विज पटेल ने इस पर बयान दिए हैं। आपको बता दें कि राज ठाकरे ने एक जनसभा में आरोप लगाया था कि गुजराती व्यापारी और नेता मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा राज ठाकरे ने सरदार वल्लभभाई पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई पर भी विवादित टिप्पणी की थी।

राज ठाकरे के इस बयान को लेकर पाटीदार नेता अल्पेश कथीरिया का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि राज ठाकरे ने सरदार पटेल और मोरारजी देसाई का अपमान किया है। यह न केवल महापुरुषों का, बल्कि राष्ट्र का भी अपमान है। यह अपमान कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अल्पेश कथीरिया ने कहा कि मैं उनके बयान की कड़ी निंदा करता हूं। राज ठाकरे को इस तरह की टिप्पणी के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। साथ ही, इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि भविष्य में महापुरुष का इस तरह अपमान न हो। महाराष्ट्र में रहने वाले किसी भी राज्य के लोगों को यह सोचकर धमकाया नहीं जाना चाहिए कि उन्हें मराठी आनी ही चाहिए। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है और वहाँ कानून-व्यवस्था बनाए रखना ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि राज ठाकरे गुजरात और सरदार पटेल का अपमान कर रहे हैं। सरकार का विरोध हो सकता है, लेकिन सरदार पटेल या मोरारजी देसाई के बारे में ऐसे विवादित बयान नहीं दिए जाने चाहिए। भाषा या प्रांत का मुद्दा बीच में नहीं लाया जाना चाहिए।

वहीं एसपीजी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी पटेल ने राज ठाकरे के गुजरातियों और सरदार पटेल पर दिए गए विवादित बयान पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि राज ठाकरे को मराठी के अलावा कोई पसंद नहीं है। ठाकरे बार-बार गुजरातियों का अपमान कर रहे हैं। राज ठाकरे ने सरदार पटेल का अपमान किया है। लेकिन, अब सरदार पटेल का अपमान करना राज ठाकरे को भारी पड़ेगा। लालजी पटेल ने कहा कि अगर राज ठाकरे का गुजरात में कोई कार्यक्रम होगा तो हम सार्वजनिक रूप से विरोध करेंगे। राज ठाकरे की मानसिकता हमेशा से गुजरातियों के खिलाफ रही है। राज ठाकरे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए गुजरात प्रदेश भाजपा प्रवक्ता ऋत्विज पटेल ने कहा कि गुजरात और महाराष्ट्र कभी एक ही राज्य थे। उस राज्य को विदर्भ के नाम से जाना जाता था। गुजरात में मराठी लोग रहते हैं और महाराष्ट्र में गुजराती लोग। ऋत्विक पटेल ने कहा कि वह निगम में एक भी सीट नहीं जीत पाए। इसलिए सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए इस तरह के बयान दे रहे हैं। हम इस बयान का कड़ा विरोध करते हैं।

निमिषा प्रिया मामले में अब किसी चमत्कार की उम्मीद

नई दिल्ली। भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के लिए यमन में स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। उन्हें अपने पूर्व यमनी बिजनेस पार्टनर तलाल अब्दो महदी की हत्या के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई है। 16 जुलाई को उनकी फांसी टल गई है, लेकिन यह केवल अस्थायी राहत है। निमिषा की जान बचाने के प्रयासों को तब झटका लगा जब पीड़ित परिवार ने माफी के लिए किसी भी तरह की बातचीत से इनकार कर दिया। तलाल अब्दो महदी के भाई अब्देल फतेह महदी ने जोर देकर कहा है कि निमिषा ने पूरी प्लानिंग के साथ हत्या की थी और माफी की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने किसी भी भारतीय वार्ताकार से मिलने से साफ इनकार कर दिया है और किसास (बदले में मौत की सजा) पर जोर दिया है। यह खबर निमिषा की जिंदगी बचाने वाली टीम के लिए एक बड़ा संकट खड़ा करती है, क्योंकि अगर परिवार दियाह (ब्लड मनी) लेने से इनकार करता है, तो फांसी को रोक पाना बेहद मुश्किल हो सकता है। भारत सरकार और अन्य संगठन निमिषा को बचाने के लिए पर्दे के पीछे से प्रयास जारी रखे हुए हैं। फिलहाल, निमिषा प्रिया को किसी चमत्कार की उम्मीद है ताकि उनकी जान बचाई जा सके।

अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स मामले में गूगल-मेटा को ईडी ने भेजा समन

नई दिल्ली। ईडी ने शनिवार को गूगल और मेटा को समन जारी किया है। यह कार्रवाई अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के मामले में की जा रही जांच को लेकर की गई है। दोनों कंपनियों को सोमवार 21 जुलाई को पूछताछ के लिए बुलाया है। ईडी का कहना है कि गूगल और मेटा ने उन ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स को प्रसार-प्रचार के लिए प्लेटफॉर्म प्रदान किया, जो मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला लेनदेन जैसे गंभीर आर्थिक अपराधों के मामलों में जांच के घेरे में हैं।

इन कंपनियों पर यह आरोप है कि उन्होंने इन ऐप्स से जुड़ी वेबसाइट्स को विज्ञापन स्लॉट दिए, जिससे इनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी और ये पूरे देश में फैल गए। ईडी की अब तक की जांच के मुताबिक ये सट्टेबाजी ऐप्स खुद को स्किल बेस्ड गेमिंग प्लेटफॉर्म बताते हैं, लेकिन असल में इनमें अवैध जुआ चलाया जा रहा था। ये प्लेटफॉर्म करोड़ों की काली कमाई कर रहे थे, जिसे हवाला चैनलों के जरिए देश से बाहर भेजा जाता था।

ईडी ने हाल ही में 29 सेलिब्रिटीज और इंफ्लुएंसर्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें नामी कलाकार जैसे प्रकाश राज, राणा दग्गुबाती और विजय देवरकोंडा शामिल हैं। आरोप है कि उन्होंने इन ऐप्स का प्रचार करके भारी रकम कमाई है। महादेव ऐप का घोटाला 6,000 करोड़ से ज्यादा आंका जा रहा है। इसमें कई बॉलीवुड सेलेब्रिटीज से पूछताछ हो चुकी है। ईडी का दावा है कि छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को इस ऐप के प्रमोटर्स से 500 करोड़ रुपए की रकम मिली थी।

एक अन्य मामला फेयरप्ले आईपीएल बेटिंग ऐप का है, जिसने आईपीएल मैचों की अवैध स्ट्रीमिंग की और ऑनलाइन सट्टेबाजी को बढ़ावा दिया। इससे आधिकारिक ब्रॉडकास्टर को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। इस मामले में भी कई भारतीय सेलिब्रिटीज को आरोपी बनाया गया है जिसकी जांच चल रही है।

सीएम सरमा ने ममता को दिखाया आईना, हम सीमा पार से जारी, अनियंत्रित मुस्लिम घुसपैठ को रोक रहे

दिसपुर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा असम भाजपा की भाषाई राजनीति की आलोचना करने के बाद, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने लिखा कि दीदी, मैं आपको याद दिला दूँ असम में, हम अपने ही लोगों से नहीं लड़ रहे हैं। बल्कि हम सीमा पार से जारी, अनियंत्रित मुस्लिम घुसपैठ का निडरता से विरोध कर रहे हैं, जिसने पहले ही भयावह जनसांख्यिकीय बदलाव का कारण बना हुआ है। कई ज़िलों में, हिंदू अब अपनी ही जमीन पर अल्पसंख्यक बनने के कगार पर हैं।

सीएम सरमा ने कहा कि यह कोई राजनीतिक कहानी नहीं है, बल्कि एक कूट सत्य है। यहाँ तक कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भी ऐसी घुसपैठ को बाहरी आक्रमण बताया है। और फिर भी, जब हम अपनी ज़मीन, संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए उठ खड़े होते हैं, तब आप उसका राजनीतिकरण करना पसंद करते हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि हम लोगों को भाषा या धर्म के आधार पर नहीं बाँटते।

नीतीश की फ्री बिजली पर यूपी के ऊर्जा मंत्री का तंज- ना बिजली आएगी, ना बिल आएगा...

मथुरा। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री एके शर्मा ने बिहार में मुफ्त बिजली की घोषणा पर हकीकत बयान करने जैसा तंज कसा है। ऊर्जा मंत्री शर्मा ने कहा कि बिहार में बिजली मुफ्त है, लेकिन यह तभी संभव होगा जब बिजली सप्लाई होगी।

इसी के साथ यूपी के ऊर्जा मंत्री शर्मा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्लान को घेरे में लेते हुए तंज करते हुए कहा, ना बिजली आएगी और ना ही बिल आएगा... फ्री हो गई बिजली। हम बिजली दे रहे हैं। यहां बताते चलें कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सीएम नीतीश कुमार द्वारा 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा के संदर्भ में आया है।

यहां मंत्री शर्मा ने बयान दिया वहां राजनीतिक गलियारे में हड़कंप मच गया। दरअसल बिहार में नीतीश सरकार भाजपा के समर्थन से चल रही है और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में घोषणा की थी कि 1 अगस्त 2025 से सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त दी जाएगी। वैसे तो सीएम की इस घोषणा को चुनावी वादे के तौर पर ही देखा जा रहा है, लेकिन यूपी के मंत्री शर्मा के बयान ने इस पर न सिर्फ सवाल खड़े कर दिए, बल्कि लोग तो यही कह रहे हैं कि उन्होंने हकीकत बयान कर दिया है। आखिर उत्तर प्रदेश में भी तो भाजपा की ही योगी सरकार है, जिसके कि शर्मा ऊर्जा मंत्री हैं। उनसे ज्यादा सरकार के बयानों की हकीकत कौन जान सकता है। ऐसे में कहा यही जा रहा है कि मंत्री शर्मा के बयान से स्पष्ट हो रहा है कि बिहार में मुफ्त बिजली की घोषणा को लेकर यूपी सरकार आशंकित है और इसे व्यवहारिक रूप से लागू करने की संभावनाओं पर संदेह जताया जा रहा है।

शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करना क्रूरता -हाईकोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने पति से शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करने को क्रूरता मानते हुए तलाक का आधार माना है। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने पति के तलाक के फैमिली कोर्ट के फैसले को सही माना है। महिला अपने पति पर एक्स्ट्रा मटेरियल अफेयर का शक करती थी। पति के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इंकार करती थी।

पति ने फैमिली कोर्ट में मामला दाखिल किया था। फैमिली कोर्ट ने इसे तलाक के लिए जायज माना, और तलाक मंजूरी दे दी थी। इसके खिलाफ महिला ने मुंबई हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। यह मामला महाराष्ट्र के पुणे का है।

पति पत्नी की शादी 2013 में हुई थी। 2014 से ही दोनों अलग-अलग रहने लगे थे। 2015 में पति ने फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी लगाई थी। फैमिली कोर्ट ने तलाक मंजूर कर लिया था। इसकी अपील हाईकोर्ट में हुई। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा।

नौसेना को मिला आईएनएस निस्तार, यह आत्मनिर्भर भारत का उदाहरण

-10500 टन है वहन, 120 मीटर लंबा और 20 मीटर चौड़ा

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना को एक नया जहाज मिल गया है। इस जहाज का नाम आईएनएस निस्तार है। यह गहरे समुद्र में गोता लगाने और पनडुब्बियों को बचाने में मदद करेगा। इसे हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड ने बनाया है। यह हिंद महासागर में भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ाएगा। नौसेना ने ऐसे दो जहाज बनाने का ऑर्डर दिया था। निस्तार उनमें से पहला है। इसका दूसरा जहाज निपुण 2022 में लॉन्च किया जा चुका है। सबसे बड़ी बात यह है कि निस्तार भारत में ही बना है और यह आत्मनिर्भर भारत का एक उदाहरण है।

आईएनएस निस्तार से पता चलता है कि भारत अब अपने जहाजों को खुद बनाने में आगे बढ़ चुका है। यह देश की सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। पहले निस्तार नाम का एक जहाज सोवियत संघ से खरीदा गया था। वह 1971 में नौसेना में शामिल हुआ था और 1989 तक काम करता रहा। उसने कई बचाव कार्यों में मदद की थी। नया निस्तार कई खासियतों के साथ बिल्कुल अलग है। इसमें लगा 80 फीसदी से ज्यादा सामान भारत में ही बना है और इसे बनाने में 120 से ज्यादा छोटी कंपनियों ने मदद की है।

बता दें यह भारत में बना पहला ऐसा जहाज है जो गोता लगाने में और काफी गहराई में पनडुब्बियों को बचाने में मदद करता है। यह आत्मनिर्भर भारत का एक उदाहरण है, यानी इसका मतलब है कि भारत अब अपनी जरूरत का सामान खुद बना सकता है। एडमिरल त्रिपाठी के मुताबिक आईएनएस निस्तार 10500 टन का है और यह करीब 120 मीटर लंबा और 20 मीटर चौड़ा है। यह 60 दिनों तक समुद्र में रह सकता है। यह पुराने वाले जहाज से बहुत ताकतवर है क्योंकि पुराना निस्तार सिर्फ 800 टन का था। इसमें हवा और पानी दोनों से गोता लगाने की व्यवस्था है। इसमें पानी के अंदर चलने वाले रोबोट और सोनार भी हैं। सोनार एक ऐसा उपकरण है जो पानी में चीजों को ढूंढने में मदद करता है। निस्तार एक बड़े बचाव वाहन का घर भी होगा। इसमें खास तरह के मेडिकल उपकरण भी हैं जो पानी के अंदर काम करने वालों के लिए जरूरी हैं। निस्तार में एक ऑपरेशन थिएटर, एक आईसीयू और 8 बेड वाला अस्पताल भी है। यह भारत को हिंद महासागर में और भी मजबूत बनाएगा। इसमें खास तरह के मेडिकल उपकरण भी हैं जो पानी के अंदर काम करने वालों के लिए जरूरी हैं।

उन्होंने बताया कि यह भारत को हिंद महासागर में और भी मजबूत बनाएगा। निस्तार में 15 टन का एक क्रेन भी है जो समुद्र के अंदर काम कर सकता है। यह हेलीकॉप्टर को भी उतरने में मदद कर सकता है। भारतीय नौसेना ने 2018 और 2019 में ब्रिटेन की कंपनी से दो डीएसआरवी खरीदे थे। इनमें से एक निस्तार और दूसरा निपुण के लिए है। निस्तार को नौसेना में शामिल करना भारत के लिए एक बड़ी बात है। इससे भारत गहरे समुद्र में और भी बेहतर तरीके से काम कर पाएगा। नौसेना अपनी पनडुब्बियों की संख्या बढ़ा रही है। इसलिए गहरे समुद्र में काम करने के खतरे भी बढ़ रहे हैं। इन खतरों से निपटने के लिए निस्तार जैसे जहाज जरूरी हैं।

अधिकारियों ने बताया कि 2018-19 में दो डीएसआरवी को शामिल करने के बाद, भारत उन 12 देशों में शामिल हो गया जिनके पास ये खास क्षमताएं हैं। नौसेना डीएसआरवी को तैनात करने के लिए किराए के जहाजों का इस्तेमाल करती थी। इससे तुरंत मदद पहुंचाना मुश्किल होता था। निस्तार और निपुण इस समस्या को दूर करेंगे। निस्तार में ऐसे उपकरण लगे हैं जो इसे समुद्र में अपने आप चलने में मदद करते हैं।

राजा रघुवंशी हत्याकांड में शिलोम जेम्स को जमानत, परिवार से शिलांग पुलिस पर उठाए सवाल

इंदौर। राजा रघुवंशी हत्याकांड में तीसरे आरोपी शिलोम जेम्स को जमानत मिलने के बाद इंदौर में आक्रोश का माहौल है, और राजा की मां उमा रघुवंशी की तबीयत बिगड़ गई है। परिवार का आरोप है कि इस पूरी साजिश के पीछे सोनम और उसके भाई गोविंद का हाथ है। राजा के परिवार का कहना है कि अगर आरोपियों को जमानत मिलती है, तब वे आत्महत्या करने वाले है। उनका मानना है कि जब तक दोषियों को सजा नहीं मिलती, राजा की आत्मा को शांति नहीं मिलेगी। परिवार अब इस मामले को हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने की तैयारी में है। कोर्ट ने जिन तीन आरोपियों को जमानत पर रिहा किया है, उनके नाम इस प्रकार हैं लोकेंद्र सिंह तोमर ने सोनम ने राजा की हत्या के बाद इनके फ्लैट का इस्तेमाल छिपने के लिए किया था और वह आठ दिनों तक वहीं रुकी थी। बलवीर अहिरवार उर्फ बल्ला, यह लोकेंद्र सिंह तोमर के फ्लैट का सिक्योरिटी गार्ड था। शिलोम जेम्स जो कि एक ब्रोकर है और उस पर सबूत मिटाने के आरोप थे।

राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने इस पूरी साजिश के पीछे सोनम और भाई गोविंद का हाथ होने का आरोप लगाया है। विपिन का दावा है कि गोविंद सोनम के संपर्क में है और वहीं आरोपियों को जमानत दिलाने में मदद कर रहा है। विपिन ने सोनम की राखी बांधते समय की फोटो भी मांगी है, ताकि दोनों के गहरे रिश्तों को साबित किया जा सके। विपिन रघुवंशी ने चेतावनी दी है कि अगर सोनम और बाकी आरोपियों को जमानत मिल गई, तब हम पूरे परिवार के साथ आत्महत्या कर लेने वाले है। उन्होंने शिलांग पुलिस की जांच पर भी सवाल उठाकर पूछा है कि डेथ सर्टिफिकेट न मिलने के बावजूद तीनों आरोपियों को जमानत कैसे मिल गई। उन्होंने कहा, ये कैसी जांच है शिलांग पुलिस की ?

‘किंग’ की शूटिंग के दौरान घायल हुए शाहरुख, इलाज के लिए अमेरिका गए

मुंबई,। बॉलीवुड अभिनेत शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म ‘किंग’ की शूटिंग के दौरान घायल हो गए हैं। यह हादसा मुंबई के गोल्डन टोबैको स्टूडियो में एक एक्शन सीक्वेंस के दौरान हुआ। चोट लगने के बाद उन्हें इलाज के लिए अमेरिका ले जाया गया है, जहां डॉक्टरों ने फिलहाल एक महीने का आराम करने की सलाह दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह कोई गंभीर चोट नहीं है, बल्कि मांसपेशियों में खिंचाव या सामान्य स्ट्रेन है। सूत्र ने बताया, यह पहली बार नहीं है जब शाहरुख को एक्शन सीन करते समय चोट लगी हो। वे पहले भी कई बार ऐसी मांसपेशियों से जुड़ी चोटों का सामना कर चुके हैं। चोट और इलाज की वजह से ‘किंग’ की शूटिंग को फिलहाल सितंबर या अक्टूबर तक के लिए टाला गया है। जुलाई-अगस्त के जो शेड्यूल पहले से तय थे, उन्हें रद्द किया गया है। शूटिंग के लिए फिल्म सिटी, वॉयआरएफ स्टूडियो और गोल्डन टोबैको स्टूडियो बुक किए गए थे, लेकिन अब पूरी टीम नई तारीखों का इंतजार कर रही है।

उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली सरकार मिलकर करेगी काम

सचमुच साफ और निर्मल होगी यमुना, केंद्रीय गृहमंत्री शाह की मौजदूगी में बना प्लान

नई दिल्ली। दिल्ली की यमुना नदी को साफ करने के लिए केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नदी को साफ करने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया है। इस अभियान में केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली एक साथ मिलकर काम करने वाले है। योजना में दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश तीनों राज्यों को शामिल किया गया है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आने वाले गंदे पानी और कारखानों के कचरे से दिल्ली में यमुना नदी गंदी होती है। इसलिए, इन राज्यों में भी नदी को साफ करने का काम होगा।

दरअसल केंद्रीय गृह मंत्री शाह और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की बैठक में कुछ लक्ष्य तय किए गए हैं। हरियाणा में कारखानों से निकलने वाले गंदे पानी को रोकने को कहा गया है। उन्हें 2026 तक अपने कारखानों में पानी को साफ करने वाले प्लांट लगाना होगा। साथ ही, 17 पुराने एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) को भी सुधारा जाएगा। इतना ही नहीं हरियाणा सरकार गुरुग्राम और फरीदाबाद में नए एसटीपी बनाएगी।

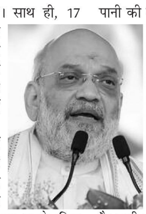

वहीं उत्तर प्रदेश में यमुना के किनारे बसे शहरों जैसे आगरा, मथुरा और वृंदावन में सीवेज को साफ करने का काम होगा। इसके लिए नालों को भी बंद कराया जाएगा, ताकि गंदा पानी यमुना में न जाए। उत्तर प्रदेश सरकार एसटीपी के जरिए सीवेज को साफ करेगी इससे यमुना में पानी का बहाव भी बढ़ेगा।

अधिकारियों ने बताया कि यमुना में पानी की मात्रा बढ़ाने के लिए गंगा नदी से भी पानी लाया जाएगा। गंगा और यमुना के पानी को दो नहरों के ज़रिए यमुना में डाला जाएगा।

मामले से जुड़े अधिकारी ने कहा, दिल्ली में यमुना को साफ करना सिर्फ दिल्ली का काम नहीं है, यह तीनों राज्यों की जिम्मेदारी है। जब तीनों राज्य मिलकर काम करने को तैयार है। तभी यमुना सच में साफ हो पाएगी।

ये फैसले गृहमंत्री शाह, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा और केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान लिए गए।

बैठक में शाह ने कहा कि दिल्ली सरकार को कारखानों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि यमुना में पानी का बहाव बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार से बात करनी होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि ओखला एसटीपी से साफ पानी को नदी में छोड़ना चाहिए, जिससे पानी की गुणवत्ता सुधरेगी।

शाह ने दिल्ली में पानी की सप्लाई का सर्वे करने के लिए भी कहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बोरवेल से बहुत पानी निकाला जा रहा है, जो कि एक बड़ी समस्या है। उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड को इस पर एक योजना बनाने का आदेश दिया है।

एकनाथ शिंदे का उद्धव ठाकरे पर निशाना, कभी गिरगिट को इतनी तेज़ी से रंग बदलते नहीं देखा

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधकर उन पर 2019 में अपने सहयोगी देवेंद्र फडणवीस को धोखा देने का आरोप लगाया। विधान परिषद में बीते हफ्ते विपक्ष के प्रस्ताव का जवाब देकर शिंदे ने पूर्व सीएम ठाकरे का नाम लिए बिना कहा कि 2019 के विधानसभा चुनावों में अविभाजित शिवसेना और भाजपा के गठबंधन द्वारा बहुमत बनाए रखने के बाद फडणवीस ने 40-50 कॉल किए। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि भाजपा नेता के फोन कॉल पर (ठाकरे की ओर से) कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

शिंदे ने भाजपा से गठबंधन तोड़ने के बाद ठाकरे के कांग्रेस से हाथ मिलाने की ओर इशारा कर कहा कि महाराष्ट्र ने कभी गिरगिट को इतनी तेज़ी से रंग बदलते नहीं देखा। वह उन लोगों के साथ चले गए जिन्हें वह कभी तुच्छ मनाते थे। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि उनके (शिंदे के) अनुरोध के कारण ही फडणवीस 2017 में मुंबई के मेयर का पद शिवसेना को देने के लिए सहमत हुए थे, जब नगर निकाय चुनावों में शिवसेना ने 84 और भाजपा ने 82 सीटें जीती थीं। उन्होंने कहा, लेकिन उन्होंने (ठाकरे ने) 2019 में (गठबंधन से बाहर निकलकर) फडणवीस को धोखा दिया।

शिंदे ने दावा किया कि जब वह और उनका समर्थन करने वाले बागी शिवसेना विधायक 2022 में ठाकरे के खिलाफ बगावत कर गुवाहाटी पहुंचे थे, तब ठाकरे ने सुलह के लिए उनसे संपर्क किया था और साथ ही दिल्ली में भाजपा नेतृत्व से कहा था कि वे बागी समूह का समर्थन न करें।

जिले में नहीं थम रही है चोरी की वारदात

मलाजखंड के टाउनशिप में सुने मकान का ताला टूटा, नगदी जेवरात सहित करीब 5 लाख से अधिक की चोरी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में नहीं थम रही है चोरी की वारदात बालाघाट नगर सहित जिले के अन्य थाना क्षेत्र में चोर सक्रिय होकर सूने मकान को बना रहे निशाना। क्षेत्र में सक्रिय चोरों ने ताम्र नगरी मलाजखंड स्थित टाउनशिप के एक सुने कमरे का ताला तोड़कर नगदी एवं सोने चांदी जेवरात की चोरी कर ली। 18 जुलाई की रात यह चोरी उस समय हुई जब इस मकान की रह वासी। महिला टाउनशिप में ही रहने वाले अपने ममेरे भाई के घर गई हुई थी। मलाजखंड पुलिस ने सायना खान पिता स्वर्गीय अलीम खान 33 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध चोरी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। चोरी गए सोने चांदी के जेवरात और नगदी की कीमत करीब 5 लाख से ऊपर की बताई गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सायना खान हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड में कंप्यूटर ऑपरेटर काम करती है और वह अपनी मम्मी रेहाना खान के साथ में टाउनशिप के कमरा नंबर बी- 1-193 में रहती है। टाउनशिप के ही एक अलग कमरे सायना खान के ममेरे भाई तबरेज अली अपने परिवार के साथ रहते हैं। 18 जुलाई की रात 9:30 बजे करीब सायना खान अपनी मम्मी रेहाना खान के साथ कमरे की दरवाजे में ताला लगाकर उर्स में शामिल होने चली गई थी। ओर

उसके बाद दोनों तबरेज अली के घर चले गए थे। दोनों मां बेटी रात में वहीं पर रुक गए थे। 19 जुलाई को सुबह 7:00 बजे सायना खान अपनी मम्मी रेहाना खान के साथ अपने घर पहुंची, देखें घर के दरवाजे में लगा ताला नहीं था। दरवाजे का कुंडा टूटा हुआ था। सायना खान ने अपनी मम्मी रेहाना खान के साथ घर के अंदर जाकर देखें। घर के अंदर सामान अस्त व्यस्त था। घर के अंदर रखी लोहे की तीनों अलमारी के पल्ले खुले हुए थे। जिस अलमारी में सोने चांदी के जेवरात और नगदी रुपए रखे थे। उसे अलमारी का लाकर टूटा हुआ था। अलमारी चेक करने पर अलमारी में रखें सोने चांदी के जेवरात और नगदी रुपए नहीं थे। चोरों ने अलमारी का लाकर तोड़कर सोने की एक नग चैन, सोने के दो जोड़ी कान के झाले, सोने के एक जोड़ी कान के लटकन, सोने के दो जोड़ी कान के टॉप्स,सोने के तीन अंगूठी, सोने की तीन नग नाक की नथ, चांदी की दो जोड़ी पायजेब, चांदी की चार जोड़ी पायल, चांदी की एक नग अंगूठी, तीन 3नग घड़ी के हैअलावा अलमारी में रखें नगद 45000 रुपए चोरी कर लिए। चोरी गए नगदी और सोने चांदी के जेवरात की कीमत 5 लाख से ऊपर बताई गई है।। मलाजखंड पुलिस ने सायना खान पिता स्व. अलीम खान 33 वर्ष वार्ड नंबर 17 टाउनशिप मलाजखंड निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी की विरोध धारा 331(4) 305 (ए) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की है।

चोरी गए जेवरात्तों की कीमत करीब 5 लाख रुपए है- तबरेज अली

सायना खान के ममेरे भाई तबरेज अली ने पदमेश न्यूज़ को दूरभाष पर बताये कि 18 जुलाई की रात्रि में सायना खान अपनी मां रेहाना खान के साथ उर्स में शामिल होने के बाद उनके घर रात्रि में रुक गए थे इसी दौरान चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर नगदी 45 हजार रुपये और सोने चांदी के जेवरात की चोरी कर ली। चोरी गए सोने चांदी की जेवरात की कीमत करीब 5 लाख रुपए है।

हट्टा में जमीन विवाद को लेकर खरोले परिवार के दो पक्ष आपस में भिड़े

दोनों पक्ष के 4 महिला सहित 9 लोग चोटिल, घायल मां बेटे जिला अस्पताल में भर्ती, हट्टा पुलिस ने दोनों पक्ष के विरुद्ध दर्ज किये अपराध

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्राम हट्टा के खरोले परिवार के दो पक्ष आपस में भीड़ गए और चले हाथ बुक्के लकड़ी डंडे से दोनों पक्ष के चार महिला सहित 9 लोग चोटिल हो गये। 19 जुलाई को 11:00 बजे करीब यह वारदात जमीन के विवाद को लेकर हुई। इस वारदात में अत्यधिक चोट लगने से घायल खिलवंती पति बसंत लाल खरोले 55 वर्ष और उसके बेटे परमेंद्र पिता बसंत लाल खरोले 32 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। अन्य लोगों को मामूली चोटे आई। इस मामले में हट्टा पुलिस ने दोनों पक्ष के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम हट्टा निवासी बसंतलाल खरोले और उसके भतीजे चैनलाल खरोले अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करते हैं और दोनों चाचा भतीजे का मकान गांव में ही है और दोनों चाचा भतीजे के बीच के बीच जमीन को लेकर के विवाद चल रहा था।बताया गया है कि पूर्व में इन्ही के परिवार के जैतलाल खरोले की कोई शांत नहीं थी।जिसने चैनलाल खरोले के भाई , राजेंद्र खरोले को गोद पुत्र लिया था। जिसकी चार लड़कियां थी। जिनमे दो लड़कियों की शादी राजेंद्र खरोले के रहते हुए हो गई थी। राजेन्द्र खरोले और उसकी पत्नी की मौत के बा।द उसकी दो बेटी की शादी घर को बेचकर की गई थी और घर की यह जमीन बसंत लाल खरोले के बेटे विकास खरोले ने खरीद लिया था। विकास खरोले द्वारा उक्त चारों बहनों से खरीदी गई जमीन पर चैनलाल खरोले और उसका परिवार हक जाता रहा था। इसी को लेकर दोनों परिवार के बीच रंजिश बनी हुई थी। और इस रंजीत के चलते दोनों परिवार के बीच विवाद होते आ रहा था। 19 जुलाई को 11:00 बजे करीब पुन: दोनों परिवार आमने-सामने हो गए और दोनों परिवार के बीच चली हाथ बुक्के लकड़ी लाठी से दोनों परिवार के 9 लोग 9 लोग चोटिल हो गए। जिनमे अत्यधिक चोट लगने से घायल बसंतलाल खरोले की पत्नी खिलवंती पति बसंतलाल खरोले 55 वर्ष और उसके बेटे परमेंद्र पिता बसंतलाल खरोले 32 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया। गया है बसंत लाल पिता जगत लाल खरोले 60 वर्ष, उसके बेटे विकास पिता बसंतलाल खरोले 40 वर्ष दोनों बहू दुर्गेश्वरी पति विकास खरोले 30 वर्ष, अंजना पति विनोद खरोले 30 वर्ष को मामूली चोंटे आई दूसरे पक्ष के चैनलाल पिता हरिदास खरोले 62 वर्ष उनकी पत्नी शीला पति चैनलाल खरोले 55 वर्ष बेटे राहुल पिता चैनलाल खरोले 22 वर्ष को मामूली चोंटे आई है। जिनका जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार उन्हें छुट्टी दे दी गई हटा पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर दोनों पक्ष के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

।। जय श्री राम ।। ।। जय राजा भोज ।। ।। जय माँ गढ़कालिका ।।
जिला पंवार क्षत्रिय संगठन बालाघाट (म.प्र.)
(पंजीयन क्रमांक- जे.बी./3013/1996)
प्रतिभा सम्मान समारोह 2025
डिस्ट्रीक्ट कमांडेंड स्व. श्री हलधर देशमुख जी की स्मृति में
माध्यमिक शिक्षा मण्डल, नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालय की 10 वीं एवं 12 वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंकों से उत्तीर्ण एवं अकादमिक,खेल, प्रतिस्पर्धी प्रतियोगाओं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले स्वजातीय छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह
दिनांक 20 जुलाई 2025, रविवार • समय - दोपहर 12 बजे
स्थान - वैद्य लॉन, प्रेमनगर, बालाघाट (म.प्र.)
...आप सभी स्वजातीयगण सादर आमंत्रित हैं...
आयोजक - जिला पंवार क्षत्रिय संगठन, बालाघाट
निवेदक - विशाल बिसेन जिलाध्यक्ष
बेस्ट चुनो... बेस्ट बनो...
प्रायोजक - संकल्प ऑक्सीजन इंस्टीट्यूट
प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का सर्वोत्तम स्थान
Sankalp Oxygen
नया राम मंदिर के पास, गोंदिया रोड, हनुमान चौक, बालाघाट
संपर्क - डॉ. एल.के. सर मो. 9921188166, झा सर मो. 9065432092, मनीष राहंगडाले सर मो. 7987022514

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट